सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
11.10.2024
khabarmantra.net

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

* * नगर संस्करण। पेज : 12 | आश्विन, शुक्ल पक्ष, नवमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 92

शुभकामना मां भवानी आप सबकी सभी मनोकामनाएं पूरी करे

ऊर्जा उत्पादन निगम में फर्जी एफडी के नाम पर राशि हस्तांतरण के बाद सरकार अलर्ट

सभी विभागों के एफडी फंड की राशि की स्पेशल ऑडिट जरूरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ऊर्जा उत्पादन निगम के खाते से एफडी के लिए दूसरी शाखा में की गयी करोड़ों राशि हस्तांतरण और फर्जी निकासी के बाद राज्य सरकार अलर्ट मोड में आ गयी है। विकास आयुक्त सह ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी अविनाश कुमार ने वित्त विभाग को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि यह मामला प्रकाश में आने के बाद अब सभी विभागों के एफडी फंड की राशि के स्पेशल ऑडिट की जरूरत है। ताकि यह पता चल पाए कि कहीं किसी और विभाग में भी ऐसा कोई और मामला तो और नहीं है। उन्होंने बिजली की तीन कंपनियों झारखंड ऊर्जा विकास निगम, झारखंड बिजली वितरण निगम और झारखंड बिजली उत्पादन निगम के भी सभी एफडी की स्पेशल ऑडिट का निर्देश दिया है। इसके लिए एजी को पत्र लिखा गया है।

मालूम हो कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की हिनू स्थित शाखा में संचालित झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के खाते से फजीर्वाड़ा के जरिये 40 करोड़ 50 लाख 500 रुपये निकाल लिये गये हैं। यह रकम फिक्स डिपॉजिट में निवेश के लिए उक्त बैंक की शाखा को हस्तांतरित की गयी थी। इस मामले में उत्पादन निगम के महाप्रबंधक अमर नायक ने धुर्वा थाना में बीते दिवस शिकायत दर्ज करायी है। जिसमें सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की हिनू शाखा के प्रबंधक, निगम के जीएम फाइनेंस जयंत प्रसाद, डीजीएम फाइनेंस रंजीत कुमार सिंह और वरीय प्रबंधक श्रीकांत को नामजद करते हुए धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। इसके साथ ही इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का भी निर्देश दिया गया है।

मंइयां सम्मान पाने वाली महिलाओं की संख्या एक से तीसरी किस्त तक 6.47 लाख तक बढ़ी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार की लोकप्रिय मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। पहली से तीसरी किस्त जारी होने तक लाभ लेने वाली महिलाओं की संख्या में 6.47 लाख बढ़ोतरी हो चुकी है। यानी 15 फीसदी से अधिक वृद्धि हुई है।

राज्य सरकार का लक्ष्य 56 लाख लाभुक तक मंईयां सम्मान राशि पहुंचाने की है। मंईयां सम्मान योजना की पहली किस्त अगस्त 2024 में 46.53 लाख महिलाओं के बीच करीब 465 करोड़ भेजी गई। दूसरी किस्त सितंबर 2024 में 48.15 लाख लाभुकों को करीब 481.5 करोड़ रुपए भेजे गये। तीसरी किस्त अक्तूबर में 53 लाख महिलाओं को करीब 530 करोड़ रुपए भेजे गए हैं।

मंइयां सम्मान योजना की राशि कब कितने के बीच जारी

पहली, अगस्त 2024	46.53 लाख	465 करोड़
दूसरी, सितंबर 2024	48.15 लाख	481.5 करोड़
तीसरी, अक्तूबर 2024	53 लाख	530 करोड़
प्रस्तावित चौथी, नवंबर 2024	53 लाख	530 करोड़

ब्रांड मोदी के जरिये झारखंड में लहरायेगा भगवा परचम

भाजपा ने बगैर सीएम फेस के चुनाव लड़ने का बनाया मास्टर प्लान

उदय चौहान

रांची। ब्रांड मोदी के जरिये भाजपा ने झारखंड में भगवा परचम लहराने का प्लान तैयार किया है। इसके लिए पार्टी ने सीएम फेस की घोषणा नहीं कर रही है। भाजपा ने पंचप्रण के जरिये चुनावी नैया पार लगाने में जुटी झारखंड भाजपा के लिये हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम ने बूस्टर डोज का काम किया है। यही वजह है कि पार्टी अपने लक्ष्य को पाने के लिए चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने में जुट गई है। इसके तहत पार्टी गोगो दीदी योजना को रामबाण मान रही है। इसकी घोषणा के साथ ही महागठबंधन का काउंटर अटैक जारी है लेकिन, भाजपा इससे उत्साहित है और सबसे अधिक प्रमुखता से जनता के बीच ले जाने में जुटी हुई है। इसके लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से जिम्मेदारी दी गयी है। जनता के बीच गोगो दीदी फॉर्म लेकर भाजपा नेता पहुंच रहे हैं। भाजपा नेता इस दौरान उन्हें आश्वासन दे रहे हैं कि यदि सत्ता में बीजेपी आती है तो मां-बहनों को प्रतिमाह 2100 रुपया सम्मान के रूप में दिया जायेगा। पार्टी के इस अभियान में बाबूलाल मरांडी से लेकर सामान्य कार्यकर्ता तक जुटा हुआ है।

दरअसल, भाजपा की स्ट्रेटजी है कि बगैर सीएम फेस के चुनाव में जाने से गुटबाजी पर लगाम लग सकता है। ब्रांड मोदी भाजपा के सबसे बड़े चेहरा हैं और इन्हीं के भरोसे चुनावी नैया पार लगेगी। इसके अलावा पंचप्रण के तहत गोगो दीदी योजना और बांग्लादेशी घुसपैठ मुद्दा को मुखर रखने की स्ट्रेटजी है। चुनाव मैदान में प्रदेश स्तर पर पार्टी के दिग्गजों को उतारने का निर्णय लिया गया है। पार्टी के रणनीतिकारों ने संथाल और कोल्हान पर विशेष फोकस किया है। सूत्रों के अनुसार चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार को ही मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया है। दूसरी ओर, युवा, महिला, भ्रष्टाचार और वर्तमान सरकार की वादाखिलाफी को मुद्दा बनाया जायेगा। पीएम मोदी के चेहरे के साथ जनता का विश्वास जीतने का लक्ष्य तय किया गया है। भाजपा इस बार के चुनाव में पीएम मोदी के चेहरे को आगे लाकर जनता का विश्वास जीतने की तैयारी में है। पार्टी के द्वारा इसके लिये वृहद कार्य योजना बनाई जा रही है। एनडीए के अंदर घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग सुलझ जाने के साथ ही पार्टी ने उन्हें टिकट देने का निर्णय लिया है, जो जिताऊ उम्मीदवार हैं।

भाजपा ने केंद्र सरकार का बकाया पैसा फर्जी अकाउंट में डालने के लिए नहीं

मुख्यमंत्री हेमंत डीएमएफटी फंड का हिसाब सार्वजनिक करें : अजय साह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय शाह ने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन केंद्र सरकार पर अपनी विफलता का ठीकरा फोड़ना चाहते हैं। श्री शाह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा केंद्र से 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये की बकाया राशि मांगने पर प्रतिक्रिया व्यक्त दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य को प्रभावी ढंग से चलाने में असफल रहे हैं। उनके पास कोई भी ऐसी योजना नहीं है। इसे उन्होंने पांच साल पहले शुरू किया हो और जिसका लाभ अब राज्य की जनता को मिल रहा हो। वे केवल हाल के महीनों में जल्दबाजी में लागू की गई योजनाओं के आधार पर वोट मांग रहे हैं। अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में हेमंत सोरेन अपनी विफलताओं का दोष केंद्र सरकार पर मढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस बकाया राशि की बात मुख्यमंत्री कर रहे हैं, वह दशकों पुरानी है। यह रॉयल्टी-टैक्स का मामला 1989 से इंडिया सीमेंट बनाम तमिलनाडु सरकार के केस से संबंधित है और अभी भी कई मुद्दों की सुप्रीम कोर्ट से व्याख्या होनी बाकी है। लेकिन, मुख्यमंत्री जनता को गलत आकड़ो से सिर्फ. भ्रमित कर रहे है। यह जानना चाहते हैं कि जब शिबू सोरेन केंद्रीय कोयला मंत्री थेए तब उन्होंने इस राशि को वापस लाने के लिए कौन सी पहल की थी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जुलाई 2024 में आया है। जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इससे महीनों पहले ही कानूनी प्रक्रिया के तहत जेल जा चुके थे। ऐसे में यह कहना कि बकाया राशि मांगने पर उन्हें जेल भेजा गया, हास्यास्पद है। भाजपा ने झारखंड को बनाया था और आगे भी झारखंड का विकास करेगी। इसके विपरीत झारखंड बनने के सबसे बड़े दुश्मन लालू प्रसाद यादव के पास में आज हेमंत सरकार की मास्टर चाबी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा झारखंड को उसकी मांग से अधिक वित्तीय सहायता दी है। नितिन गडकरी ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि केंद्र झारखंड को धन देने के लिए तैयार है लेकिन हेमंत सोरेन सरकार के अधिकारी सड़क बनाने के बजाये पैसे बनाने में अधिक दिलचस्पी ले रहे हैं। खनिज पर रॉयल्टी के सवाल पर मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिये कि उनकी सरकार ने डीएमएफटी फंड का किस तरह उपयोग किया है। झारखंड के प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल की रिपोर्ट बताती है कि हेमंत सरकार ने इस फंड का भारी दुरुपयोग किया है। इसे जनता के कल्याण के बजाय अधिकारियों और झामुमो नेताओं के व्यक्तिगत लाभ के लिए खर्च किया गया है। राज्य सरकार के कुछ विभागों से पैसे फर्जी खातों में ट्रांसफर किए जाने की पुख्ता खबरें भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी के उपयोग का ब्यौरा सार्वजनिक किया जाना चाहिये।

खबर एक नजर में

टाटा का सेवा भाव पाठ्यक्रम में शामिल हो : मोर्चा

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने रतन टाटा के निधन पर शोक प्रकट किया है। कहा, रतन टाटा की सरल जीवन शैली थी। जितने बड़े उद्योगपति थे, उतना ही परोपकारी और सेवा भाव उनके स्वभाव में था। उनके जीवन के इस पक्ष को केंद्र व राज्य सरकार को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। उनके जीवन को पढ़ने से बच्चों में बड़े होकर भी पांव जमीन में रखने की सीख मिलेगी।

रतन टाटा का निधन अपूरणीय क्षति : बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन, महान उद्योगपति रतन टाटा के निधन से गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि रतन टाटा के निधन से पूरा देश मर्माहत है। रतन टाटा एक ऐसे उद्योगपति रहे, उन्होंने देश में उद्योग जगत को लीड किया। सामाजिक कार्यों में भी उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुये रतन टाटा से उनकी मुलाकात हुई थी। कई योजनाओं के बारे में उनसे चर्चा की थी। सभी काम करने को वे तैयार थे। दुर्भाग्य से मुख्यमंत्री से हटने के बाद काम वहीं लटकर रह गया। वास्तव में उन्होंने अपने लिये नहीं देश के लिए काम किया। दुनिया में देश का परचम लहराने की चिंता करते रहे।

प्रदेश कांग्रेस रतन टाटा के निधन पर मर्माहत

रांची। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश ने रतन टाटा के रूप में अपना एक रत्न खो दिया। झारखण्ड राज्य को पूरे विश्व में पहचान दिलाने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी सरल और मेहनतकश व्यक्तिव हमलोगों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि भारत में एक स्वर्णिम सदी का आज अंत हुआ। विश्व में अपने उद्धम और कौशल से अमिट छाप छोड़ने वाले रतन टाटा भारतीय उद्योग के इतिहास में हमेशा उन्हें याद किया जायेगा। शोक व्यक्त करने वाले में बन्ना गुप्ता, डॉ इरफान असारी, दीपिका पांडे सिंह, सुबोध कांत सहाय, प्रदीप बलमुचू, कालीचरण मुण्डा, सुखदेव भगत, फुरकान अंसारी, ददई दूबे, राजेश ठाकुर, बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, जलेश्वर महतो, रविन्द्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, संजय लाल पासवान, अनादि ब्रहम,जयशंकर पाठक, राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, अभिलाष साहु, राजन वर्मा आदि हैंद्ध

जैप-6 जमशेदपुर के कमांडेंट को निलंबन के 5 साल 3 माह का मिलेगा बकाया वेतन

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए जैप-6 जमशेदपुर के कमांडेंट आनंद प्रकाश के निलंबन के दौरान करीब 5 साल 3 माह के वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने निलंबन अवधि का वेतन नहीं देने का बिहार सरकार का आदेश निरस्त कर दिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने बिहार सरकार द्वारा निलंबन की अवधि 24 जनवरी 2006 से 8 अप्रैल 2011 तक का आनंद प्रकाश का वेतन नहीं देने का निर्णय लिया था। निलंबन के दौरान केवल उन्हें जीवन यापन भत्ता देने की ही बात कही थी। निलंबन के दौरान प्रार्थी आनंद प्रकाश डीएसपी के पद पर बिहार के गया में पदस्थापित थे। इसके बाद कैडर आवंटन में उन्हें झारखंड कैडर मिला, वे जैप 6 जमशेदपुर में कमांडेंट पद पर पदस्थापित है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता मनोज टंडन एवं अधिवक्ता सिद्धार्थ रंजन ने कोर्ट को बताया कि प्रार्थी के खिलाफ क्रिमिनल केस के तहत बिहार सरकार के गृह विभाग ने उन पर विभागीय कार्रवाई की थी, लेकिन उनके खिलाफ आरोप सिद्ध नहीं हुआ। उनका निलंबन भी 8 अप्रैल 2011 को खत्म कर दिया गया था।

जयराम की पार्टी ने 14 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

पहली सूची में छह उम्मीदवारों की हुई थी घोषणा

दूसरी सूची में 14 विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची भी जारी कर दी है। इसमें 14 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। जारी सूची के अनुसार मांडर से गौरा भगत, टुंडी से मोतीलाल महतो, धनबाद से राजेश रतन, कोडरमा से मनोज कुमार यादव, बरही से कृष्णा यादव, बरकट्ठा से महेंद्र मंडल, हजारीबाग से उदय मेहता, डालटनगंज से अंकित मेहता, गोड्डा से परिमल ठाकुर, गांडेय से अकील अख्तर, धनबाद से सपन कुमार मोदक, खरसांवा से पांडू राम हिब्रु, सिंदरी से उषा देवी और बोकारो से सरोज देवी को उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले पहली सूची में छह उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए थे। जयराम महतो खुद डुमरी से उम्मीदवार हैं।

देश के अनमोल रत्न थे रतन टाटा: डॉ. लंबोदर

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव और विधायक डॉ लंबोदर महतो ने दिग्गज उद्योगपति, समाजसेवी रतन नवल टाटा के आकस्मिक निधन पर दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि सरल, विनम्र, मिलनसार, मृदुभाषी, परोपकार की भावना से भरे रतन नवल टाटा एक असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी थे। रतन नवल टाटा के देश के अनमोल रत्न थे उन्होंने अपने अतुलनीय संकल्प, क्षमता और सक्रियता से देश के आर्थिक ढांचे को ठोस आकार दिया। उनकी शालीनता, स्पष्टवादिता, दूरदर्शिता एवं समाज के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा।

आज व कल भी बारिश की संभावना मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य में दुर्गापूजा की धूम है। लेकिन हर दिन हो रही बारिश ने पूजा के जोश पर पानी फेर दिया है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने गुरुवार को बताया कि 12 अक्टूबर तक राज्य में बादल छाए रहने, आंधी-तूफान और बिजली गिरने के साथ ही कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। निदेशक ने बताया कि 12 अक्टूबर के बाद झारखंड में मौसम सामान्य और शुष्क रहने की संभावना है। वज्रपात और वज्रपात की आशंका को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। खराब मौसम और वज्रपात से बचने के लिए सुरक्षित स्थान पर शरण लेने के साथ ही वज्रपात के दौरान इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिक उपकरणों का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी महासचिव को विस चुनाव की तैयारियों की जानकारी दी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं संगठन प्रभारी केसी वेणु गोपाल के आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो ने मुलाकात की। राज्य में कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक आदतन गतिविधियों से अवगत कराया। प्रदेश अध्यक्ष का प्रभार ग्रहण करने के बाद से अबतक किए गए कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बताया कि संवाद आपके साथ कार्यक्रम पूरे प्रदेश में हर जिला में किया गया। जन संवाद कार्यक्रम का अभियान पांचों प्रमंडल में शुरू किया गया सभी वरिष्ठ नेताओं को पांचों प्रमंडल में स्थानीय नेताओं एवं जिला अध्यक्ष प्रखंड अध्यक्ष एवं सभी कांग्रेसजनों के साथ जन संवाद कार्यक्रम को किया गया। आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक चर्चा हुई और बूथ स्तर तक बूथ कमेटियों को सशक्त कैसे बनाया जाए, इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। मुलाकात करने वालों में मदन मोहन शर्मा और रियाज अंसारी भी शामिल थे।

सीट शेयरिंग का फर्मूला तय नहीं होने के बाद भी कुछ नेताओं का चुनाव लड़ना तय

सत्येन्द्र

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां टिकट बांटवारे से पहले जनता के बीच गहरी पैठ रखनेवाले उम्मीदवारों का चयन करने में जुट गयी है। इसके लिए रायशुमारी भी की जा रही है। इसके बावजूद हर दल के बहुत से सीटिंग विधायक टिकट को लेकर असमंजस में हैं। इस स्थिति में दल बदलने का दौर भी जारी है। इससे इतर झामुमो, भाजपा, कांग्रेस, आजसू जैसे दलों में कुछ नेता ऐसे हैं, जिनका चुनाव लड़ना तय है। हालांकि कुछ के सीटों को लेकर सस्पेंस बना हुआ है।

झामुमो से चुनाव लड़ना है तय!

इस लिस्ट में पहला नाम हेमंत सोरेन का है। इनके नेतृत्व में ही इंडी गठबंधन चुनाव लड़ने जा रहा है। हेमंत सोरेन अपनी परंपरागत सीट बरहेट से चुनाव लड़ेंगे। इस सीट से जीत की हैट्रिक लगाने के लिए हेमंत सोरेन उतरेंगे। वर्ष 2014 में उन्होंने झामुमो से भाजपा में गये हेमलाल मुर्मू को बड़े अंतर से हराया था। हेमंत सोरेन को 46.18 प्रतिशत वोट मिले थे। 2019 में हेमंत सोरेन ने भाजपा के सिमोन माल्टो को पटखनी दी थी। उनको 53.49 प्रतिशत वोट मिले थे। राज्य बनने के बाद से अबतक हुए चारों चुनावों में यहां से झामुमो के प्रत्याशी जीतते आ रहे हैं।

आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो से इनका टिकट तय

दूसरा नाम झामुमो नेत्री सह मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन का है। उनका गांडेय से झामुमो प्रत्याशी बनना तय है। झामुमो के सरफराज अहमद ने उनके लिए यह सीट छोड़ दी थी। सीएम के बाद झामुमो की ओर से सबसे ज्यादा सक्रियता कल्पना सोरेन की दिख रही है। उन्होंने 2024 में हुए उपचुनाव में जीत के साथ राजनीतिक पारी की शुरूआत की है। इसके बाद हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन का दुमका से चुनाव लड़ना तय है। उन्होंने भी हेमंत सोरेन द्वारा सीट खाली किए जाने के बाद उपचुनाव में जीत दर्ज की थी। इसके अलावा हेमंत कैबिनेट में मंत्री और चाईबासा से लगातार तीन चुनाव जीतने वाले दीपक बिरुआ का नाम आता है। 2009 और 2019 का चुनाव जीतने वाले रामदास सोरेन को घाटशिला में ताल ठोकना तय है। वजह है कि भाजपा में जा चुके चंपाई सोरेन के खेल को वो अच्छी तरह जानते हैं। इनके बाद गढ़वा के विधायक और मंत्री मिथिलेश ठाकुर का चुनाव लड़ना तय है। 2009 और 2014 का चुनाव झामुमो की टिकट पर हारने के बाद 2019 में उन्होंने जीत हासिल की थी। नतीजतन, गैर ट्राइबल बेल्ट में सफलता के लिए उन्हें कैबिनेट में जगह भी मिली। मंत्री बेबी देवी के लिए डुमरी सीट पर चुनाव लड़ना फिक्स है। उनके स्वर्गीय पति जगरनाथ महतो की डुमरी में अमिट छाप है। उन्हें पति के निधन के बाद उपचुनाव में जीत मिली थी। वहीं मधुपुर सीट पर झामुमो को पहचान दिलाने वाले दिगंत हाजी हुसैन के कोरोना काल में निधन के बाद उपचुनाव जीतकर मंत्री बने उनके पुत्र हफीजुल हसन इस सीट से झामुमो के दावेदार हैं। इसके बाद नाम आता है मंत्री बैद्यनाथ राम का। लातेहार सीट पर 2009 में भाजपा के विधायक रहे बैद्यनाथ राम अब झामुमो के हो गये हैं। 2019 में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को बड़े अंतर से हराया था।

भाजपा और आजसू के नेता जो लड़ेंगे चुनाव

भाजपा की लिस्ट में पहला नाम बाबूलाल मरांडी का है। वह गिरिडीह के धनवार से विधायक हैं लेकिन सीट को लेकर संशय है। भाजपा के भीतर खाने में अबतक चले मंथन के मुताबिक पार्टी अपने सभी बड़े एसटी नेताओं को रिजर्व सीट पर उतारना चाह रही है। इसलिए बाबूलाल मरांडी की सीट बदल सकती है।

कांग्रेस नेता जिनपर कोई डाउट नहीं

इस लिस्ट में पहला नाम मंत्री बन्ना गुप्ता का है। जमशेदपुर पश्चिम सीट से वर्तमान विधायक बन्ना गुप्ता की दावेदारी पक्की है। इस सीट पर बन्ना गुप्ता और सरयू राय के बीच कांटे की टक्कर होती रही है। 2005 में भाजपा की टिकट पर जब सरयू राय जीते तब सपा का प्रत्याशी रहते हुए बन्ना गुप्ता ने अच्छी चुनौती दी थी। 2009 में कांग्रेस प्रत्याशी बनकर सरयू राय से हार का बदला ले लिया था। लेकिन 2014 में फिर सरयू राय ने मुकाबले को बराबरी पर ला दिया था। 2019 में सरयू राय के रघुवर दास के खिलाफ चुनाव लड़ने की वजह से बन्ना गुप्ता ने भाजपा के देवेंद्र नाथ सिंह को बड़े अंतर से हराकर अपना लोहा मनवाया था।

बीजेपी-आजसू में इनका टिकट तय

नेता प्रतिपक्ष बने अमर बाउरी का चंदनकियारी और हुसैनाबाद से कमलेश सिंह का अपनी परंपरागत सीट पर भाजपा प्रत्याशी बनना तय है। असम के सीएम हिमंता भी स्पष्ट कर चुके हैं कि दोनों सीटों पर आजसू से तालमेल बन चुका है। इस बार भाजपा कोटे से चंपाई सोरेन का नाम सबसे आगे हैं। झामुमो के इस कद्दावर नेता के सीएम की कुर्सी छोड़ते ही भाजपा में आने के बाद से सरायकेला सीट पर इनकी दावेदारी पक्की है। वैसे चंपाई के जरिए भाजपा पूरे कोल्हान को साधना चाह रही है क्योंकि यह वो क्षेत्र है जहां भाजपा को पिछले चुनाव में मुंह की खानी पड़ी थी। राज्य बनने के बाद से अबतक हुए सभी चुनावों में चंपाई सोरेन इस सीट से लगातार जीतते रहे हैं। वैसे उनको 2019 का चुनाव छोड़कर हर चुनाव में भाजपा से जबरदस्त टक्कर मिलती रही है। अब वे भाजपा में आ गये हैं। भाजपा को कोल्हान में चंपाई से काफी उम्मीदें हैं। चंपाई सोरेन आदिवासी अस्मिता के एजेंडे को आगे बढ़ाने पर फोकस करते दिख रहे हैं। भाजपा में उनके महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले दिनों टीएमएच में भर्ती होने के दौरान पीएम मोदी ने खुद फोन करके उनका हालचाल पूछा था। वहीं एनडीए के घटक दल में शामिल आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का सिल्ली, लंबोदर महतो का गोमिया और सुनीता चौधरी का रामगढ़ से चुनाव लड़ना फिक्स है। सिर्फ जदयू के सरयू राय को लेकर तस्वीर साफ नहीं हो पा रही है। पूर्व सीएम रघुवर दास के साथ उनका छत्तीस का आंकड़ा रोड़े डाल रहा है। हालांकि यह मसला सीधे तौर पर नीतीश कुमार और पीएम मोदी के स्तर पर सुलझना है।

कांग्रेस में इनको टिकट मिलना तय

जामताड़ा के विधायक और हेमंत कैबिनेट में मंत्री इरफान अंसारी कांफिडेंस के साथ चुनावी तैयारी में जुटे हुए हैं। वह जामताड़ा से पिछले दो बार से कांग्रेस के विधायक हैं। आलमगीर के जेल जाने के बाद कांग्रेस के पास अल्पसंख्यक चेहरा के तौर पर इरफान अंसारी ही हैं। इस सीट पर मुस्लिम वोटर निर्णायक भूमिका में रहते हैं। हालांकि 2005 में यहां से भाजपा और 2009 में झाममो ने जीता था।

महगामा की कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह का भी चुनाव लड़ना तय है। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच टक्कर होती रही है। इस लिस्ट में मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की भी हैं। उन्होंने अपने पिता बंधु तिर्की के राजनीतिक जमीन को बखूबी संभाला है। इसके अलावा रही बात कांग्रेस के मजबूत नेता डॉ. रामेश्वर उरांव की तो उनकी नजर अपनी परंपरागत सीट लोहरदगा पर है। लेकिन भीतरखाने में चर्चा है कि रामेश्वर उरांव इस बार अपने पुत्र को प्रोजेक्ट करना चाह रहे हैं।

सुप्रभात

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची, शुक्रवार
11.10.2024
khabarmantra.net

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित | सबकी बात सबके साथ

नगर संस्करण। पेज : 12 | आश्विन, शुक्ल पक्ष, नवमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 92

12 देश और समाज के प्रति समर्पित थे रतन टाटा

मां का नौवां स्वरूप
सिद्धिदात्री

सिद्धगन्धर्व-यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयातसिद्धिदा
सिद्धिदायिनी।।

नवरात्र के नौवें दिन मां दुर्गा की नौवीं शक्ति सिद्धिदात्री की उपासना की जाती है। मां सिद्धिदात्री भक्तों को सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करती हैं। माना जाता है कि इनकी पूजा करने से बाकी देवियों की उपासना भी स्वंय हो जाती है। भक्त पर इनकी कृपा से कठिन से कठिन कार्य भी आसानी से संभव हो जाते हैं। अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व आठ सिद्धियां होती हैं। इसलिए इस देवी की सच्चे मन से विधि विधान से उपासना-आराधना करने से यह सभी सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। कहते हैं भगवान शिव ने भी इस देवी की कृपा से यह तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इनकी कृपा से ही शिव जी का आधा शरीर देवी का हुआ था और भोलेनाथ अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। देवी के दाहिनी तरफ नीचे वाले हाथ में चक्र, ऊपर वाले हाथ में गदा तथा बायीं तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में कमल का पुष्प है। इनका वाहन सिंह है और यह कमल पुष्प पर भी आसीन होती हैं। इनकी साधना से लौकिक और परलौकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है।

शुभकामना व सूचना

सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, हाकर एजेंट वंधुओं और शुभेच्छुओं को *खबर मन्त्र* परिवार की ओर से दुर्गा पूजा की ढेरों शुभकामनाएं। मां सभी मनोकामनाएं पूर्ण करें।
दुर्गा पूजा को लेकर **खबर मन्त्र प्रेस व** कार्यालय 11 और 12 अक्तूबर को बंद रहेगा। अखबार का अगला अंक 14 अक्तूबर को मिलेगा। -प्र.

हान कांग को साहित्य का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। दक्षिण कोरिया की लेखिका हान कांग को वर्ष 2024 का साहित्य का नोबेल पुरस्कार देने का एलान किया गया है।

रतन टाटा पंचतत्व में विलीन
एक युग का अंत
राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार, उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

मुंबई। देश के हरदिल अजीज जाने माने उद्योगपति रतन टाटा का गुरुवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुंबई पुलिस ने उन्हें श्रद्धांजलि के साथ-साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अंतिम संस्कारके समय वर्ली स्थित शवदाह गृह में टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा समेत उनके परिवार के सदस्य और टाटा समूह के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन समेत शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। रतन टाटा की अंतिम यात्रा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पीयूष गोयल, महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। दिग्गज उद्योगपति को अंतिम विदाई देने भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली थी। इसके साथ ही उद्योग जगत के एक युग का अंत हो गया। अंतिम संस्कार के बाद दिवंगत उद्योगपति के दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित बंगले में तीन दिन तक अनुष्ठान किये जायेंगे।

गॉर्ड ऑफ ऑनर के साथ विदाई : मुंबई पुलिस ने रतन टाटा को गॉर्ड ऑफ ऑनर और श्रद्धांजलि दी। गॉर्ड ऑफ ऑनर का यह समारोह रतन टाटा के जीवन और उनके कार्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने समाज में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। रतन टाटा का अंतिम संस्कार पारसी परंपरा के अनुसार करना उनकी सांस्कृतिक पहचान और परिवार की परंपराओं का सम्मान है।

दर्शन करने पहुंचे तमाम दिग्गज : अंतिम संस्कार से पहले पार्थिव शरीर नरीमन पॉइंट स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। उद्योगपति मुकेश अंबानी समेत बॉलीवुड और इंडस्ट्री के दिग्गजों ने रतन टाटा के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन किया।

झारखंड में एक दिन का राजकीय शोक

झारखंड सरकार ने रतन टाटा के सम्मान में गुरुवार को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। इस दौरान सभी सरकारी इमारतों पर लगे राष्ट्रध्वज आधे झुके रहे। सभी सरकारी सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द रहे। सीएम हेमंत सोरेन ने रतन टाटा के निधन पर शोक संदेश में अपने एक्स हैंडल पर दो पोस्ट शेयर किया है। हेमंत ने लिखा, विश्वास नहीं हो रहा। मरांग बुरु रतन टाटा जी की आत्मा को शांति प्रदान करें। दूसरे पोस्ट में लिखा, झारखंड जैसे पिछड़े राज्य को विश्व में पहचान दिलाने वाले टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन और पद्म विभूषण रतन टाटा जी के देहावसान पर एकदिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की जाती है।

अंतिम यात्रा में मिटी धर्म की खाई : रतन टाटा की प्रार्थना सभा में सभी धर्मों के पुजारी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े दिखे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पारसी, मुस्लिम, ईसाई, सिख और हिंदू धर्मों के पुजारी प्रार्थना सभा में खड़े नजर आये।

भारत रत्न दिये जाने का प्रस्ताव: महाराष्ट्र सरकार ने रतन टाटा को मरणोपरांत भारत रत्न दिये जाने का प्रस्ताव रखा है। इसे अब केंद्र सरकार के पास भेजा जायेगा।

(पेज 6, 10, 11 व 12 भी देखें)

या देवी सर्वभूतेषु दयारूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

वीर झारखंडियों साथ दें , केंद्र से हक ले कर रहूंगा : हेमंत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को दुर्गापूजा की शुभकामना देते हुए झारखंड को केंद्र से हक के लिए सभी का साथ मांगा है। सीएम ने ट्वीट में लिखा है कि मुझे एक बोगस मामले में जेल में डाला गया, क्योंकि वे मुझे चुप कराना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि मैं अपने राज्य का हक मांगना छोड़ दूं। वे मुझे वापस भी जेल में डाल दें, तब भी मैं मरने दम तक संघर्ष करूंगा और हक मांगूंगा। आज मुझे अपने वीर झारखंडियों का साथ चाहिए। अगर आप आज अपना हक नहीं मांगेंगे, तो हमारे पैसों से दूसरे राज्यों को विशेष पैकेज मिलेगा और झारखंड खाली हाथ रह जायेगा। अपने अधिकारों के लिए खड़े हों, आवाज उठायें। झारखंड का भविष्य आपके हाथों में है। हम किसी अन्य राज्य की तरह विशेष पैकेज नहीं मांग रहे, हम सिर्फ अपना हक मांग रहे हैं। हेमंत ने कहा, क्या आपने कभी सोचा है कि झारखंड ने पिछले 3 लोकसभा चुनावों में सांसद भाजपा को जिताया, फिर भी उन्होंने हम झारखंडियों का हक क्यों नहीं मांगा। किसी भाजपा नेता ने राज्यवासियों का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपये क्यों नहीं मांगा। आज भाजपा केंद्र से लेकर राज्य तक अपनी पूरी शक्ति लगा रखी है, ताकि किसी तरह वे मुझे रास्ते से हटा सकें और फिर झारखंडियों का हक मार लें।

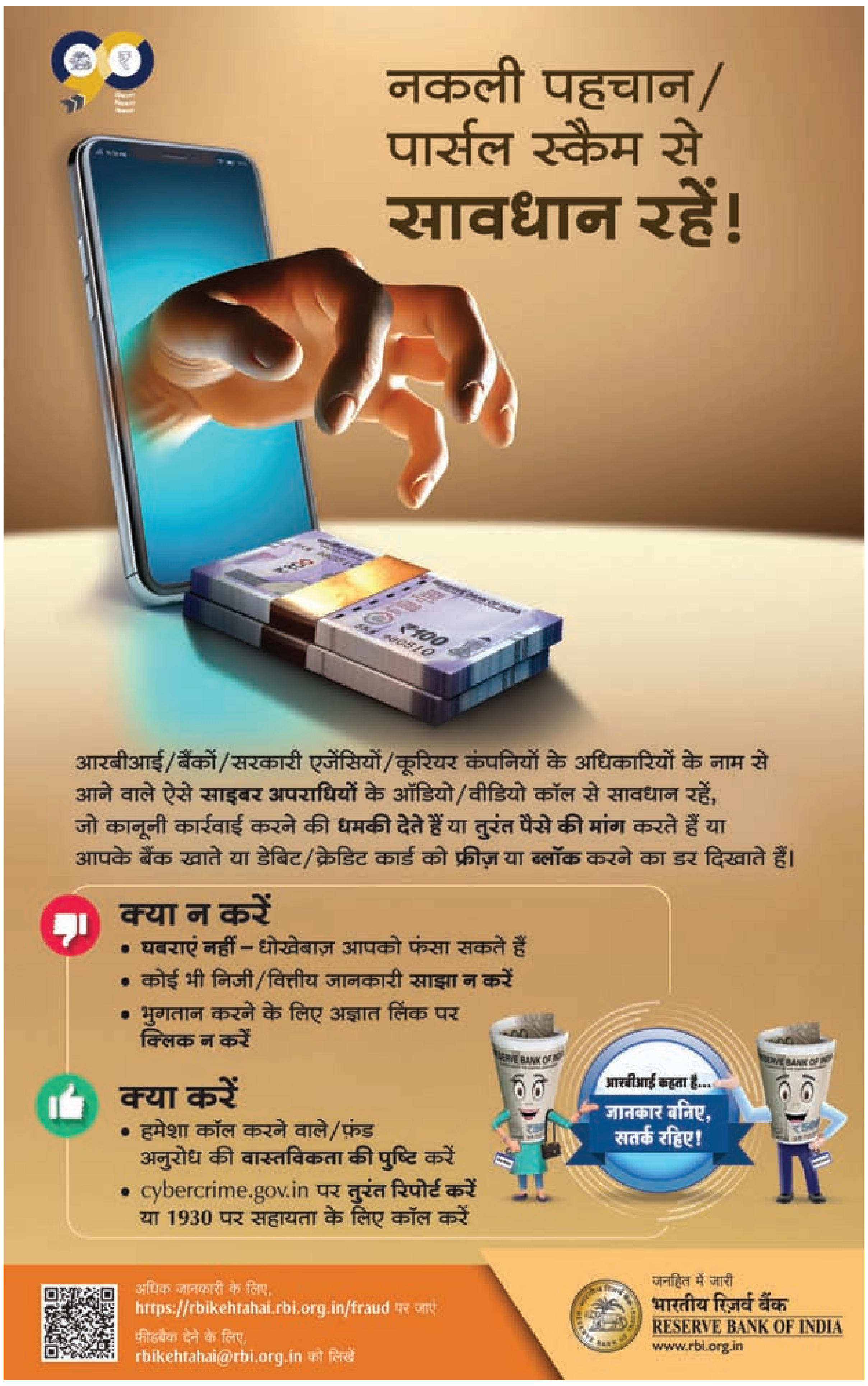

स्पीड न्यूज

पांकी विधायक पूजन कार्य में शामिल

मेदिनीनगर। विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता पांकी राम–जानकी मंदिर प्रांगण में दुर्गा पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए और मां दुर्गा जी का पट हटाया। विधायक ने पूजा कमेटी को तलवार एवं सहयोग राशि देकर सम्मानित किया। मौके पर विधायक डॉ मेहता ने कहा किदुर्गा पूजा हिंदू धर्मवलंबियों के लिए आस्था का प्रतीक है। मन की आराधना से सुख शांति मिलती है। डॉ मेहता बोले- भक्ति से शक्ति मिलती है।

टाटा वास्तव में रतन थे: डॉ प्रवीण सिद्धार्थ

मेदिनीनगर। भारत रत्न और देश के महान उद्योगपति रतन टाटा के असामयिक निधन पर लायंस क्लब ऑफ मेदिनीनगर ने गहरा दु:ख व्यक्त किया। रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए क्लब के अध्यक्ष डॉ प्रवीण सिद्धार्थ ने कहा कि रतन टाटा वास्तव में देश के रत्न थे। सभी सदस्यों ने खबर को सुनने के बाद दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण किया। मौके पर क्लब के सचिव निलेश राज, अनूप कुमार, मनोज सोनी, ऋषिकेश दुबे, सुमित पाठक, रोहित जैन, तुलु सिंह आदि थे।

पट खुलते ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पाटन पलामू। दुर्गा पूजा को लेकर लोगों हर्ष व उत्साह देखा जा रहा है। सप्तमी को प्रखंड में मां दुर्गा के पट खुलते ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सप्तमी पर पुजा को आकर्षक सजाया गया है। वहीं सभी दुर्गा पूजा कमेटी बरात निकाल कर बेल पूजा की। पूरे पाटन में भक्ति मय वातावरण है। सकलदीपा ग्राम में दुर्गा पूजा सह नवाह्नपरायण यज्ञ में 51 बालिकाएं पाठ कर रही हैं। वहीं बाहर से आये विद्वान प्रवचन कर रहे हैं। इसमें भारी भीड़ उमड़ रही है।

पुलिस ने शहर में निकाला फ्लैग मार्च

हरिहरगंज (पलामू)। दुर्गा पूजा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से चौकस है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है। गुरुवार को छतरपुर एसडीओ आशीष गंगवार के नेतृत्व में पलामू तथा बिहार राज्य के पुलिस प्रशासन द्वारा दुर्गा पूजा सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान शांति और सद्भाव के साथ पर्व मनाने की लोगों से अपील की गई। फ्लैग मार्च थाना से शुरू हुआ और एनएच 98 मेन रोड,मेन बाजार, अररूआ खुर्द, कॉलेज मोड़ तथा सीमावर्ती बिहार के महाराजगंज तक गया। बाद में फ्लैग मार्च इंटरस्टेट चेकपोस्ट पर पहुंचकर समाप्त हुआ। फ्लैग मार्च में छतरपुर एसडीओ आशिष गंगवार, एसडीपीओ अवध प्रसाद यादव, बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार, छतरपुर थाना प्रभारी, कुटुंबा थानाध्यक्ष सहित बिहार और झारखंड के कई अधिकारी व पुलिसकर्मी शामिल थे। विधायक के पहल पर ग्रामीणों को मिला ट्रांसफार्मर

समस्या का हर हाल में समाधान : बीडीओ

पाटन पलामू। बीडीओ अमित झा ने पाटन के कांके कला ग्राम में 40 केवी के ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। कांके कला ग्राम में विधायक पुष्पा देवी के पहल पर ट्रांसफार्मर उपलब्ध करायी गयी थी जिसका उद्घाटन पाटन बीडीओ ने किया। मौके पर पाटन बीडीओ का ग्रामीणों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। लक्ष्मण सिंह ने पाटन बीडीओ को बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर लक्ष्मण सिंह, प्रदीप सिंह, रंजीत सिंह, हरेंद्र सिंह, प्रवेश मेहता, कृष्णा मेहता, यशवीर सिंह आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

अवैध जावा महुआ और शराब जब्त

पाटन पलामू। दुर्गा पूजा में नावा थाना पुलिस ने नावा जयपुर थाना अंतर्गत अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व नावा जयपुर थाना प्रभारी कमल किशोर पांडेय ने किया। नावा जयपुर पुलिस ने अखरा जयपुर पचकेडिया दु अम्मा बोराद्ह खजुरी इत्यादि जगहों पर छापामारी अभियान चलाकर करीब 200 केजी जावा महुआ एवं पांच लीटर देशी महुआ शराब तथा शराब बनाये जाने वाले उपकरण को ध्वस्त कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि त्योहार को देखते हुए लगातार अवैध शराब के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा।

मंगल भवन अमंगल हारी ... से गूंजा इलाका

मेदिनीनगर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर लोहड़ा में रामचरित मानस नवाह परायण पाठ महायज्ञ सह दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया। दिन में पंडित शिवपूजन पांडेय के नेतृत्व में रामचरित मानस का पाठ किया जा रहा है। इस दौरान मंगल भवन अमंगल हारी के गुंज से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया है। लोहड़ा, कजरी, पड़वा, लोहड़ी, सिक्का, कठौतिया, मुरमा,तेलियाही, भूसरा आदि गांवों में भी दुर्गा पूजा आपसी सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया जा रहा है। पड़वा थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव के नेतृत्व में पड़वा पुलिस सभी पूजा पंडालों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा इसके साथ ही सभी पूजा समितियों को सरकारी गाइड लाइन के पालन करने का निर्देश दिया है। थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने सभी पूजा समिति को प्रतिमा विसर्जन के दौरान अश्लील गीत नहीं बजाने एवं जुलुस के दौरान ऐसा कोई काम नहीं करने का निर्देश दिया है जिससे किसी की भावनाओं को आहत पहुंचे। पूजा को सफल बनाने में लोहड़ा दुर्गा पूजा समिति के अमित मिश्रा, आशीष मिश्रा ,अवधेश मिश्रा, अर्णव मिश्राप्रियांशु मिश्रा, विवेक मिश्र, धीरज मिश्र , अनुप तिवारी,विकाश मिश्र, राकेश, निशांत मिश्रा,, मुकेश, अनुराग, हरिद्वार, अमन, हरी

पर्यावरणविद कौशल और पार्षद अमित ने कलश यात्रा में श्रद्धालुओं को दिया पौधा

खबर मन्त्र संवाददाता

छतरपुर पलामू। पूरे देश में शारदीय नवरात्र पर लोग शक्ति की उपासना, पूजा अर्चना व साधना में लीन है। उक्त अवसर पर बुधवार को छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल और उनके पिता विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने कई स्थलों पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर मां दुर्गा और कन्या की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सलामती व सुख समृद्धि की दुआ मांगी। वहीं उन्होंने जल यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को कलश देकर जल यात्रा का शुभारंभ किया। जिन प्रमुख जगहों से कलश यात्रा निकाली गई उसमें रुदवा, करकी कुटिया, डाली बाजार, बगैया, मुरुमदाग, विषयपुर, सहरसा, चिरू बाजार, हंसिला, हेन्हे बाजार चौक, सुंगरी, चराई, सिलदाग और करमा बाजार आदि शामिल है।

डांडिया नवरात्र का हिस्सा : अरुणा शंकर

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला विंग द्वारा आयोजित डांडिया नाइट 2024 का उद्घाटन करते हुए कहा कि डांडिया नवरात्र पर्व का हिस्सा है। यह देवी दुर्गा और महिषासुर के बीच हुई लड़ाई का प्रतीक है। डांडिया की छड़िया मां दुर्गा की तलवार का प्रतीक माना गया है जो बुराई का विनाश करता है। उन्होंने कहा- मेरे आमंत्रण पर आयी मेहमान टीवी स्टार रश्मि देसाई एवं फिल्म स्टार रिमी सेन ने शहर की बहनों साथ डांडिया खेल कार्यक्रम में चार चांद लगा दी। साथ ही कोलकाता से आयी डीजे एवं डांडिया डांसर ने सभी को झूमने पर मजबूर किया। आने वाले समय में महिलाओं की उत्सुकता को देख इसे और भी वृहद रूप दिया जायेगा जो पूरे झारखंड में ऐतिहासिक होगा। उन्होंने आयोजक चैंबर महिला विंग की अध्यक्ष प्रियंका सिंघानिया, महामंत्री शिखा अग्रवाल, टीना मेम, कोमल अग्रवाल, रंजीत केडिया, पूजा भिवानिया, संध्या जायसवाल, अलका सिंघानिया, आरती आनंद, सिमरन होरा, शिवानी आनंद, मिस प्रीति, गुंजन अग्रवाल एवं सभी महिला विंग की सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

फिल्म स्टार रिमी सेन और टीवी स्टार रश्मि देसाई ने मेदिनीनगर के साथ खेला डांडिया

■ हजारों महिलाओं ने गांधी उद्यान में एक साथ डांडिया खेल रचा इतिहास

इनका जताया आभार : इसे सफल बनाने के लिए पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर, महामंत्री इंद्रजीत सिंह डिंपल, प्रोजेक्ट चेयरमैन आलोक माथुर, झारखंड चैंबर के उपाध्यक्ष रिंकू दुबे, विजय ओझा, पुनीत सिंह, कृष्ण अग्रवाल, रितेश प्रसाद, संजय सुबोध नीरज, सुनील गुप्ता, संजय गुप्ता, राजदेव उपाध्याय, सुमित अग्रवाल, भूपेंद्र जी, अभय जी, राकेश सोनी, प्रदीप कुमार बाबुल, सुधांशु जी, अनवर जी एवं तमाम सदस्यों को भी बधाई दी और उनका आभार जताया।

सहयोगियों की तारीफ : प्रथम महापौर ने कहा कि इतना बड़ा कार्यक्रम में विशेष सहयोग देने के लिए मेधा मिल्क, जय मां शारदा टाटा मोटर्स, हेरिटेज टोयेटा, रोटरी क्लब, श्री दुर्गा ऑटोमोबाइल, ड्रग डिल, आनंद ऑटोबाइक्स और आनंद मोटर्स को बधाई देते हुए कहा- आप सबके बिना यह कार्यक्रम संभव नहीं था। अंत में कहा कि मैं इस बार कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए स्थानीय इवेंट टीम रतन रवानी एवं मोनू को दिया था, जिन्होंने शो को शानदार बनाया जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम में दिल्ली दरबार के व्यंजन का लोगों ने जमकर तारीफ की। प्रथम महापौर ने पूरे कार्यक्रम की अभूतपूर्व सुरक्षा जो कोलकाता बाउंसर टीम के हाथ में था को भी विशेष बधाई दी।

परसिया-सगालीम के कलोलवा नाला पर पुल निर्माण का शिलान्यास, विधायक बोले

विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए हो रहे कार्य

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। पांकी विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने पांकी प्रखंड के सगालीम पंचायत के परसिया गांव स्थित सगालीम - परसिया गांव को जोड़ने वाली कलोलवा नाला पर पुल निर्माण का आधारशिला रखा। विधायक डॉ. मेहता ने पूजा अर्चना और नारियल फोड़कर पुल निर्माण का शिलान्यास किया। कलोलवा नाला पर पुल निर्माण का शिलान्यास समारोह के दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक को गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। मौके पर विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने कहा कि कलोलवा नदी पर पुल का निर्माण हो जाने से सगालीम - परसिया गांव की दूरी कम जाने के साथ दर्जनों गांवों का आवागमन करने में सहूलियत होगी। कलोलवा नदी पर पुल निर्माण की मांग लंबे अरसे से किया जा रहा था। लेकिन पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने इस पर कोई काम नहीं किया। कहा कि जब उन्हें संज्ञान में मामला आया तो तत्काल एक महीने के अंदर पुल निर्माण का स्वीकृति कराने का काम किया हूं।

शिलान्यास के मौके पर उपस्थित विधायक व अन्य।

खास बातें : विधायक डॉ. मेहता ने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र के जनता से किए गए वादे को पूरा किया जा रहा है। विकास योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। शहर से लेकर सुदूरवर्ती क्षेत्र तक लोगों की आवश्यकता अनुसार विकास योजनाओं को पूरा किया जा रहा है। मौके पर सगालीम मुखिया सुनील प्रजापति, सतन कुमार, विजय सिंह, अशोक मांझी, सुरेंद्र राम, नितेश कुमार, विशाल कुमार, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, रामवंद्र राम, चंदन कुमार, चीना राम, रोहित सिंह, जयराम, अरविंद सिंह, निर्मल प्रजापति थे।

एक व्यक्ति नहीं संपूर्ण संस्था थे रतन टाटा : आनंद शंकर

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने आज एक शोक सभा करके व्यवसाय जगत के भीष्म पितामह रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष आनंद शंकर ने कहा कि देश के दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। बीती रात, 9 अक्टूबर 2024 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में रतन टाटा का निधन हो गया। रतन टाटा 86 साल के थे और कई दिनों से बीमार चल रहे थे। टाटा के निधन के बाद देशभर में शोक की लहर है।

टाटा संस को नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाले रतन टाटा की खूबसूरत और प्रेरणादायक बातें हमेशा याद रहेंगी। रतन टाटा के ये प्रेरणादायक विचार किसी भी इंसान को न सिर्फ जीवन के वास्तविक यथार्थ से परिचित कराएंगी, बल्कि जीवन को कैसे जिएं यह भी सिखाएंगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सचिव इंद्रजीत सिंह डिंपल ने सदस्यों को बताया कि रतन टाटा का जीवन एक दर्शन था।

सादा जीवन शैली में रहकर उनके विचार बहुत ऊंचे थे। बचपन से ही वह हमेशा सकारात्मक और जनहित की बातें सोचते थे। उन्होंने केवल व्यवसाय में ही वृद्धि नहीं की बल्कि समाज सेवा। लोक कल्याण और जनहित एवम देश हित में अनेक कार्य किया। यह कहना उचित होगा कि वह एक कर्तव्य परायण देशभक्त थे। जिन्होंने कई देशो में अपने सिद्धांतों के निमित्त देश की बनी भारतीयता को रूपांतरित करके लोगों तक पहुंचाया। वह हमारे बीच में नहीं है और उनका जीवन और दर्शन हमेशा हमे प्रेरणा देगा। यह एक औद्योगिक क्षेत्र में जगत में अपूरणीय क्षति है। इसके बाद सभी सदस्यों ने 1 मिनट का मौन रखा और भारत रत्न को विनम्र श्रद्धांजलि दी। आज की शोकसभा में मुख्य रूप से कृष्ण प्रसाद अग्रवाल, राजदेव उपाध्याय, आलोक माथुर, रितेश कुमार, अमित आनंद, उदय शंकर दुबे, सुमित अग्रवाल, पुनीत सिंह, अनवर हुसैन, संजय गुप्ता, सुनील गुप्ता, अरविंद गुप्ता, भूपेंद्र सिंह, सुधांशु शेखर. सुमित अग्रवाल राकेश सोनी संजय कुमार सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

पाटन छतरपुर विधायक ने किया निमिया और केल्हार पंचायत में पीसीसी पथ का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

■ गुणवत्तापूर्ण कराया जायेगा पथ का निर्माण : विधायक पुष्पा देवी

पाटन पलामू। छतरपुर पाटन विधायक पुष्पा देवी ने पाटन के निमियां में नहर से निमिया बस्ती तक पीसीसी पथ व पाटन के केलहार पंचायत में किरण राम के घर से जैनुल सिद्दीकी के घर तक पीसीसी पथ का शिलान्यास किया। यह निर्माण कार्य जिला योजना अनाबद्ध निधि से होगा। दोनों पथ का निर्माण कार्य लगभग पचास लाख रुपये से होगा। मौके पर जिप सदस्य संग्राम सिंह, जैनुल सिद्दीकी, भाजयुमो पाटन अध्यक्ष अभिषेक सिंह, विधायक प्रतिनिधि संजय सिंह, भाजपा नेता अशोक तिवारी, विक्रम कुमार, नवलेश सिंह, प्रमोद सिंह, अरुण शुक्ला, धीरेन्दर सिंह, आयुष कुमार, कृष्णा सिंह, अरविंद सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। निमिया में महिलाओं ने विधायक को माला देकर सम्मानित किया। विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि आजादी के बाद से जो पथ का निर्माण कार्य नहीं हो पायी थी उसको बनवाने का काम किया जा रहा है।

शहर में कई जगह बने आकर्षक पंडाल ग्रामीण क्षेत्रों भी मची नवरात्र की धूम

■ हुसैनाबाद में चारों ओर बह रही है मां नवदुर्गा की भक्ति बयार

खबर मन्त्र संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू। शारदीय नवरात्र व दुर्गा पूजा को लेकर जारी वैदिक मंत्रोच्चार से क्षेत्र में भक्ति की बयार बह रही है। सभी पूजा पंडालों में आचार्यों ने महाष्टमी की पूजा करायी। सभी पंडालों में मां दुर्गा की पूजा व दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शहर में नवयुवक संघ स्टेशन पर चार धाम नहर मोड़, कुर्मी टोला पटेल नगर एवं महावीर भवन में भव्य पंडाल बना है, जो आकर्षण का केंद्र है। वहीं महावीर जी भवन परिसर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामचरित मानस यज्ञ का आचार्य धर्मराज पांडेय के नेतृत्व में स्थल की परिक्रमा करने वालों की भीड़ रही। पूजा को शांति पूर्ण संचालन को लेकर पुजारी गोपाल पाठक, अध्यक्ष मिंटू अग्रवाल, राजेन्द्र पाल, सूरज प्रसाद गुप्ता, राकेश तिवारी, संतोष कुमार, अजित, सचिन, उदय विश्वकर्मा, मंजय चौधरी जुटे हुए हैं।

महान क्लब का मुरमा मैदान में रावण दहन 12 को

पड़वा पलामू। असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दुर्गा पूजा पड़वा प्रखंड क्षेत्र में हर्षोल्लास वातावरण में मन रहा है। विभिन्न पूजा पंडालों में बज रहे भक्ति गीतों से पूरा इलाका गुंजायमान है। दशहरा पर मुरमा का महान क्लब नवयुवक संघ 12 अक्टूबर को मुरमा मैदान में रावण दहन करेगा। संघ के अध्यक्ष दिलीप सिंह ने बताया कि संघ बीस वर्षों से दशहरा के दिन मुरमा रावण दहन कार्यक्रम करता आ रहा है। लगभग सभी तैयारी पूरी है।

साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरिहरगंज पलामू। हरिहरगंज थाना पुलिस ने एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में मेदिनीनगर जेल भेज दिया। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि थाना कांड संख्या-23/2024 का प्राथमिकी अभियुक्त नंदन कुमार उर्फ सौरभ कुमार, उम्र करीब 24 वर्ष, पिता रामजी साव, पता सब स्टेशन, बस्ती नंबर 04, कथारा ओपी, जिला बोकारो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

दलित कांग्रेस अध्यक्ष ने मां दुर्गे की पूजा कर मत्था टेका

पाटन पलामू। नवरात्र में अष्टमी के दिन गुरुवार को पाटन प्रखंड के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडाल में जाकर दलित कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पासवान ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर मत्था टेका। उन्होंने अपने विधानसभा में अमन चैन और खुशहाली की मन्नत मांगी। साथ ही बुरी शक्तियों को छतरपुर विधानसभा से मुक्ति की कामना की। मौके पर मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सिंह, संजय पासवान, पप्पू मेहता, इनामुल अंसारी, लव सिंह, बबन दुबे, टुनटुन सिंह, जोगेंद्र सिंह शामिल थे।

दुर्गा पूजा शांति-सौहार्द्र रूप से मनाने को लेकर फ्लैग मार्च

खबर मन्त्र संवाददाता

चैनपुर (पलामू)। दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने को लेकर गुरुवार को अंचल प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने चैनपुर बजार में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च सीओ चंद्रशेखर कुणाल, पुलिस इंस्पेक्टर जीतराम महली, थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा के नेतृत्व में निकला। फ्लैग मार्च थाना से चैनपुर बाजार आदि क्षेत्रों में भ्रमण कर पुन: थाना जाकर समाप्त हुआ। सीओ ने कहा कि प्रखंड व नगर निगम क्षेत्र में दुर्गा पूजा आपसी भाईचारे और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गयी है। क्षेत्र में कोई गड़बड़ी की गयी तो उसे किसी कीमत में छोड़ा नहीं जायेगा। उन्होंने दुर्गा पूजा की बधाई दी। फ्लैग मार्च में एएसआई पंकज कुमार,संजय कुमार सहित काफी संख्या में पुलिस जवान मौजूद थे।

बीडीओ प्रदीप दास ने लिया पदभार

चैनपुर (पलामू)। नये बीडीओ प्रदीप दास ने गुरुवार को शाम पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान बीडीओ चंद्रशेखर कुणाल से उन्होंने पदभार लिया। बीडीओ का निवर्तमान बीडीओ ने स्वागत करते हुए उम्मीद जतायी कि उनके नेतृत्व में प्रखंड में चल रहे विकास कार्यों में तेजी आयेगी। बीडीओ ने कहा कि हमारा प्रयास होगा कि योजनाओं से अधिक से अधिक गरीबों को लाभान्वित करें।

मां जगदंबा के पट खुलते ही चहुंओर बहा भक्ति का रसधार : अविनाश देव

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। दुर्गा पूजा की सप्तमी को मां भवानी के पंडाल का पट खुल गया। इससे चारों ओर भक्ति की रसधार बहने लगी। मौके पर छोटकी बैरिया पंडाल में चैंपियन क्लब ने पूजा की। मुख्य अतिथि संत मरियम स्कूल के चेयरमैन सह वरिष्ठ झामुमो नेता अविनाश देव को क्लब के अध्यक्ष ने चुनरी ओढ़ा कर स्वागत किया। मौके पर श्री देव ने भगवती जागरण मंच का उद्घाटन किया। माताराती के भजन से भक्ति जागरण सराबोर रहा। गाजीपुर उत्तर प्रदेश से आयी गायिका गायत्री यादव अपने सुरीली आवाज व अदा से दर्शकों को झुमायी। अविनाश देव ने कहा कि सभी को आज समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने की जरूरत है। हाल में बेटियों की संरक्षण देना है तभी हमारा राष्ट्र विकसित,मजबूत और उन्नति करेगा। दुर्गा के नौ रूपों से हम सबों को प्रेरणा लेना चाहिए।

रामायण से मिलती है जीवन जीने की सीख

मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये राम : सर्वेश्वराचार्य जी

विश्रामपुर पलामू। रामायण से लोगों को जीवन जीने की सीख मिलती है। इस धार्मिक ग्रंथ में भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। वहीं माता सीता की पवित्रता का जिक्र भी है। भगवान राम जी को जगत के पालनहार भगवान विष्णु के 10 अवतारों में 7वां अवतार माना जाता है। भगवान राम ने अनेक कार्यों की सराहना आज भी की जाती है। जगत गुरु सर्वेश्वराचार्य जी महाराज ब्रह्मोरिया में चल रहे नवरात्र महायज्ञ की सप्तमी तिथि को रामजन्म पर कथावाचन करते उक्त बातें कहीं। आचार्य जी ने कहा कि भगवान राम ने अपना पूरा जीवन एक मर्यादा में रहकर व्यतीत किया है। भगवान राम के आचरणों से कई सीख मिलती है।

परोपकारी है सनातन धर्म : आलोक

■ विधायक ने किया पूजा पंडालों का भ्रमण कर सुआ में पूजा पंडाल का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

फीता काटकर उद्घाटन करते और मातारानी की पूजा अर्चना करते विधायक व अन्य।

मेदिनीनगर। डालटनगंज-चैनपुर-भंडरिया विस क्षेत्र के विधायक आलोक चौरसिया दुर्गा पूजा के सप्तमी के अवसर पर विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण किया। उन्होंने सदर प्रखंड के सुआ गांव स्थित सुभाषचंद्र आवासीय विद्यालय के पास निर्मित पूजा पंडाल का उद्घाटन किया।

मौके पर श्री दुर्गा पूजा क्लब के लोगों द्वारा विधायक का स्वागत किया गया। मौके पर विधायक ने लोगों को दुर्गा पूजा की शुभकामना देते हुए कहा कि सनातन धर्म परोपकारी है। सनातन धर्म ही एक ऐसा धर्म है जहां पर सभी जीव एवं प्राणियों की रक्षा करते हुए पूजन किया जाता है। नारी शक्ति से बढ़कर दूसरा कोई शक्ति नहीं है।

उन्होंने कहा कि जहां एक ओर नारियों का सम्मान व पूजन किया जाता है वहीं अखरा समाज में दूसरी ओर समाज के विधर्मियों के द्वारा नारियों का अपमान किया जाता है। ऐसे समय में हमसभी माताओं व बहनों को एकजुट होते हुए नारी शक्ति का परिचय देने की जरूरत है।

उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि सनातन अहिंसा का कहीं कोई स्थान नहीं है। इसी अहिंसा को रोकने के लिए मां दुर्गा ने अवतरित होकर असुर शक्तियों का नाश किया है। आज हम सभी सनातनियों को असुर शक्तियों को परास्त करने की जरूरत है। मौके पर जेनरल अध्यक्ष टाइगर कुमार, विधायक प्रतिनिधि हृदया सिंह, अजय चौधरी, अनिल विश्वकर्मा, रामकरेश चौरसिया, विपिन विश्वकर्मा, उपाध्याय सिंह, सुदर्शन ठाकुर, लखन ठाकुर, सुबोध विश्वकर्मा, छोटू विश्वकर्मा, हरि ठाकुर, अनुप सिंह सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

रैयतों के मुआवजा भुगतान में अनियमितता भेदभाव नहीं बरतें एनएचआई : दीपक तिवारी

■ उच्चाधिकारियों से बात कर समस्या समाधान का का करेंगे सार्थक प्रयास

■ दीपक तिवारी ने चियांकी मौजा के रैयतों से की मुलाकात

खबर मन्त्र संवाददाता

रैयतों की समस्याएं सुनते झामुमो नेता दीपक तिवारी।

मेदिनीनगर। झामुमो के युवा नेता दीपक तिवारी ने सदर प्रखंड अंतर्गत चियांकी पंचायत का भ्रमण कर स्थानीय ग्रामीणों/रैयतों से मुलाकात की। चियांकी मौजा के रैयतगणों ने उनके समक्ष मुआवजा राशि का कम भुगतान किए, जाने संबंधी अपनी समस्याएं रखीं। रैयतों ने अपनी-अपनी भूमि की रसीद एवं अन्य कागजातों को दिखाते हुए भूमि की प्रकृति/नेचर आवासीय होने के बावजूद कृषि दर से भुगतान की प्रक्रिया किए जाने की जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि भूमि की प्रकृति में बदलाव कर मुआवजा राशि कम दिया जा रहा है, जो बिल्कुल ही गलत है। श्री तिवारी ने रैयतगणों की समस्या को गंभीरता पूर्वक सुना। उन्होंने पलामू प्रमंडल क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच) के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य में रैयतों की भूमि अधिग्रहण के बदले उन्हें मिलने वाली मुआवजा राशि के भुगतान में भेदभाव व अनियमितता का आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्र सरकार एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प्रबंधन पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे विरोधी करार दिया। उन्होंने रैयतों को साथ देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि भोगू से शंखा तक एन.एच के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य में भूमि अधिग्रहण के दौरान मुआवजा का आकलन गलत तरीके से नहीं किया जाए। मुआवजा भुगतान में एनएचआई अनियमितता एवं भेदभाव नहीं करें।

स्पीड न्यूज

आशा लकड़ा ने न्यू जगदंबा ज्वेलर्स एंड संस का किया उदघाटन

घाघरा। घाघरा के पुटो रोड स्थित न्यू जगदंबा ज्वेलर्स एंड संस दुकान का एसटी एससी आयोग की राष्ट्रीय सदस्य आशा लकड़ा ने फीता काटकर उदघाटन किया। उदघाटन के उपरांत दुकान का निरीक्षण किया। मौके पर आशा लकड़ा ने कहा कि उक्त दुकान में ज्वेलर्स के साथ-साथ फर्नीचर बर्तन संबंधित सभी चीजों का समावेश है। जिससे लोगों को उसका लाभ मिल पाएगा। दुकान के संचालक जितेंद्र सोनी ने बताया कि उक्त दुकान में ज्वेलर्स के साथ-साथ फर्नीचर बर्तन के सभी सामान उपलब्ध है। लोगों को होलसेल रेट में समान मुहैया कराया जाएगा। मौके पर श्याम किशोर पाठक, नंदकिशोर सोनी आजाद साहू आशीष सोनी आकाश साहू मनोज सिन्हा सहित कई लोग उपस्थित थे।

मां दूधेश्वरी स्वयंभू धाम में पूजा समिति के सदस्यों ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

गुमला। मां दूधेश्वरी स्वयंभू धाम में देश के सपूत रतन टाटा को निधन पर गुरूवार को पूजा समिति के सदस्यों ने श्रद्धांजलि दी। स्व: रतन टाटा के उद्योग और समाजसेवा के क्षेत्र में किये गये योगदान को याद कर उन्हें सदस्यों ने नमन किया। वहीं दूधेश्वरी धाम में इस वर्ष की दुर्गा पूजा विशेष भव्यता और श्रद्धा के साथ आयोजित की जा रही है। हर साल की तरह इस बार भी बसंत मूर्ति का आयोजन मुख्य आकर्षण बना हुआ है। इस अवसर पर पूजा समिति के सचिव राकेश सिंह, कोषाध्यक्ष धरमू गोप, पूजा प्रभारी अशोक साहू, मीडिया प्रभारी राज गोप, पंडाल प्रभारी यशराज सिंह और अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।

चैनपुर थाना क्षेत्र के बेंदोरा गांव में वज्रपात से एक व्यक्ति की मौत

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के बेंदोरा गांव में बुधवार को हुए तेज बारिश के साथ वज्रपात होने से बेंदोरा गांव निवासी तेलेस्फोर बेक की मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि बुधवार को तेलेस्फोर घर से भैंस चराने के लिए निकला था। तभी शाम पांच बजे तेज बारिश के साथ बिजली चमकने लगी। फिर वह भैंसों को लेकर वापस घर लौट रहा था। तभी रास्ते में अचानक वज्रपात हो गई। जिसके चपेट में आने से तेलेस्फोर की मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना बेंदोरा पंचायत के मुखिया सुशील दीपक मिंज को दी गई। वहीं घटना की सूचना पर चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी ने मामले की जानकारी ली।

चैनपुर में अधेड़ की पत्थर से कूचकर हत्या

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के जनावल पंचायत के भुंडुटोली गांव के उपरी नाला के समीप पुलिस ने एक अधेड़ का शव बरामद किया है। शव की पहचान गांव के जोहन एक्का उम्र 60 वर्ष के रूप में हुई है। वहीं शव को देख प्रतीक हो रहा है कि उसकी हत्या पत्थर से कूच कर की गई है। इधर घटना के संबंध में मृतक के भतीजा अनमोल एक्का ने जानकारी देते हुए बताया है कि मेरे चाचा जोहन एक्का का गांव के एक व्यक्ति से जमीन का विवाद चल रहा था और वह व्यक्ति मेरे चाचा को जान से मारने की धमकी भी देता था। इसलिए हमें शक है कि शराब के नशे में दोनों में कहासुनी हुई होगी। जिसके बाद मेरे चाचा के सर पर पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी गई। इधर घटना की सूचना पर चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी ने कहा कि मामले की छानबीन कर रहे हैं।

मूंगफली प्रभेद के 1812 पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

गुमला। कृषि विज्ञान केंद्र विकास भारती बिशुनपुर के द्वारा गुमला प्रखंड के लूटोबरटोली गांव में लगे क्लस्टर अग्र पंक्ति प्रत्यक्षण अंतर्गत मूंगफली प्रभेद के 1812 पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस प्रक्षेत्र दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर नीरज कुमार ने मूंगफली में मृदा स्वास्थ्य के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि इस जिले की मृदा अम्लीय होने के कारण इसमें तिलहनी एवं दलहनी फसलों में जिप्सम का प्रयोग करने से उत्पादन में काफी बढ़ोतरी होगी। अटल बिहारी तिवारी ने बताया कि कादिरी कृषि अनुसंधान केंद्र में विकसित मूंगफली बीज की कादिरी 1812 किस्म को सूखा प्रतिरोधी बताया गया है और यह फसल कटाई से ठीक पहले असामयिक अत्यधिक वर्षा के कारण खेतों में होने वाले जलमग्नता को भी झेल सकती है। साथ ही अच्छा उत्पादन लगभग 25 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देने में सक्षम है। किसान कार्तिक उरांव ने बताया कि हम लोग जिस प्रभेद (लोकल) को लगाते हैं उससे लगभग दो गुना उत्पादन होने वाला है। कार्यक्रम में कार्तिक उरांव, करमवंद उरांव व किसानों ने भाग लिया।

बड़ाभाई : कुएं में गिरी बच्ची, मौत

भंडरा। थाना क्षेत्र के बड़ागाई गांव में एक आठ साल की बच्ची खेलते समय कुएं में गिर गई। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक बड़ागाई गांव निवासी सुभाष उरांव की आठ वर्षीय पुत्री अनुशा कुमारी घर के पास ही बच्चों के साथ खेल रही थी। बच्ची जब घर नहीं आई तो परिजनों ने ढूंढा। गांव के बच्चों ने बताया कि अनुशा कुएं के पास खेल रही थी। कुएं में झांककर देखा तो शव तैरता मिला। बच्ची का शव बाहर निकालकर भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता राजस्थान कमाने गये है। इस घटना के बाद गांव में मातम छाया है। परिजन का रो रो कर बुरा हाल है।

मेरी अखियों के सामने ही रहना मां शेरो वाली जगदम्बे...

मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की हुई पूजा, पंडालों में हुआ महाष्टमी विहित पूजन, शुक्रवार सुबह 6:32 में होगा संधि बली, जिसके बाद नवमी पूजा आरंभ होगा

महाष्टमी पूजा के लिए डुमरडीह पूजा पंडाल में लगी भक्तों की भीड़।

शक्ति संघ मंदिर में अष्टमी पूजा को लेकर लगी भीड।

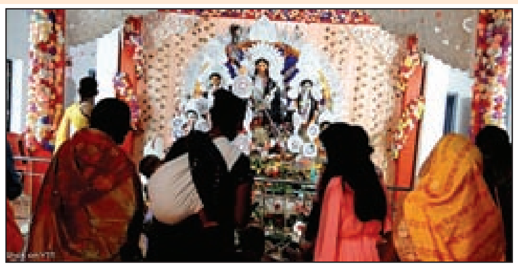

बंगाली क्लब में मां दुर्गा की पूजा करती महिलाएं।

अरूणोदय संघ द्वारा स्थापित मां की प्रतिमा।

ज्योति संघ में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

भारतीय नवयुवक संघ द्वारा बनाया गया पंडाल।

डुमरी प्रखंड में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

- पूजा पंडालों में दिखा आस्था का सैलाब
- दुधिया प्रकाश से शाम ढ़लते जगमगा उठा शहर

उर्मी अरमई डुमरडीह पूजा समिति में बना पंडाल।

गुमला के मुरकुंडा में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

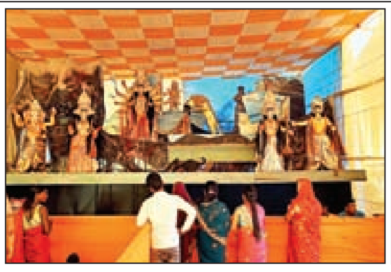

दुधेश्वरी धाम में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

सिसई प्रखंड दुर्गा पूजा समिति में बना पंडाल।

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। मेरी अखियों के सामने ही रहना मां शेरो वाली जगदम्बे... नवरात्रा के आठवें दिन शक्ति की देवी मां दुर्गा के अष्टम स्वरूप महागौरी की पूजा भक्ति भाव से पूरे जिले में किया गया। महागौरी की पूजा अर्चना करने के लिए पूजा पंडालों में जन सैलाब उमड़ा। हालांकि सप्तमी व अष्टमी की पूजा पंडालों में एक साथ किया गया। गुरूवार को 12 बजे तक सप्तमी होने के कारण दोपहर बाद अष्टमी की पूजा आरंभ हुई। पूजा पंडालों में महाष्टमी विहित पूजन किया गया। शुक्रवार को सुबह 6:32 बजे अष्टमी पूजा को लेकर संधि बलि दिया जाएगा। शुक्रवार को सुबह में अष्टमी पूजा के बाद नवमी पूजा पंडालों में आरंभ होगी। इधर अष्टमी को लेकर शहर मुख्यालय से लेकर प्रखंडों के पूजा पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा। लोगों में त्योहार का उत्साह देखा गया। बंगली क्लब दुर्गा बाड़ी में बंगाली पद्धति से मां दुर्गा की पूजा की गई। गुमला के भारतीय नवयुवक संघ, मालवीय नगर करौंदी पूजा संघ, ज्योति संघ, अरूणोदय संघ, जय भवानी संघ, विश्व भारती संघ, उर्मी अरमई डुमरडीह पूजा संघ, पालकोट रोड स्थित शक्ति संघ, सिसई रोड स्थित अरूणोदय संघ, दुधेश्वरी धाम सोसो, दुर्गा देवी पूजा समिति बिरसा मुंडा पार्क व मुकरकुंडा दुर्गा पूजा पंडाल में नवरात्रा के आठवें दिन महागौरी की पूजा की गई। ज्योति संघ, शक्ति संघ, अरुणोदय संघ, उर्मी अरमई डुमरडीह पूजा समिति, विश्व भारती संघ, मां भवानी संघ आदि स्थानों में पूजा को लेकर आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। इसके अतिरिक्त गुमला के ग्रामीण क्षेत्र मुरकुंडा, कसीरा, पतिया, खोरा, टोटो, कसीरा, खरका, कोटाम आदि स्थानों में भी दुर्गा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। पालकोट में भी मां दुर्गा की पूजा किया गया। पूजा को लेकर उल्लास का माहौल है। जिले के रायडीह, चैनपुर, डुमरी, जारी, सिसई, बसिया, बिशुनपुर घाघरा आदि प्रखंडों में भी मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा की गई।

गुमला : शिक्षक ने बच्चों को फ्री में देने वाले किताब को कबाड़ी में बेचा

मामला दोदांग स्कूल का

खबर मन्त्र संवाददाता

घाघरा। घाघरा प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में मुफ्त में बांटने जाने वाले किताब को बच्चों को न देकर कबाड़ में बेचा जा रहा है। जिसका ताजा मामला दोदांग स्कूल के शिक्षक शिवकुमार उरांव ने बच्चों को सरकार द्वारा दी जाने वाली किताब कबाड़ी वाले को बेच डाला। वहीं ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना पत्रकारों को दी गई। इसके बाद पत्रकारों ने दूरभाष पर इसकी सूचना बीडीओ को दी। इसके बाद शिक्षा विभाग द्वारा उक्त किताब को इस विद्यालय में सुरक्षित रखवाया गया है और आगे की कार्रवाई करने की बात कही गई है। उक्त घटना का खुलासा तब हुआ जब कबाड़ी दुकान वाला उक्त किताब के तीन बोरी में लेकर घाघरा की ओर अपने टीवीएस मोपेड पर आ रहा था। इसी क्रम में ग्रामीणों ने चांदनी चौक में उक्त कबाड़ी वाले को रोका। इसके बाद तीन बोरी में नई किताब सिलेबस जो बच्चों को बांटने के लिए थी। वहां के पारा टीचर शिवकुमार उरांव द्वारा उक्त सिलेबस किताब कक्षा एक और दो के बच्चों को न बांटकर अपने आर्थिक फायदा के लिए कबाड़ी वाले से 1110 रुपए में तीन बोरी किताब बेच डाला। आदिवासी बहुल क्षेत्र में शिक्षा के प्रति अभी भी लोग जागरुक नहीं हो पा रहे हैं। जिस विभाग में लाखों करोड़ों रुपया खर्च कर शिक्षा को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। वहां के तंत्र अगर अपने जवाबदेही को तय नहीं करते हैं। निश्चित रूप से मामला बहुत ही गंभीर विषय है।

किताब लेकर जा रहे कबाड़ी वाले को घेरे लोग।

पुराना किताब था इसलिए बेच दिया पारा शिक्षक

पारा टीचर शिवकुमार उरांव द्वारा दूरभाष पर पूछे जाने पर बताया गया कि किताब बहुत पुरानी थी और घर में रखी हुई थी। साफ सुथरा के लिए कबाड़ में बेच दिया गया। जब घर में किताब रखा था तो यह साफ जाहिर हो गया कि समय पर बच्चों को किताब मुहैया नहीं कराया गया।

दुर्गा पूजा को लेकर भंडरा में प्रशासन अलर्ट

निकाला फ्लैग मार्च

खबर मंत्र संवाददाता

भंडरा। दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में है। सभी चौक चौराहा पूजा पंडालो में शांति व्यवस्था हेतु दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल को प्रतिनियुक्त किया गया है। प्रशासनिक पदाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल के द्वारा भंडरा प्रखंड परिसर से नौडीहा चौक तक फ्लैग मार्च किया गया। इसके साथ ही प्रखंड के अन्य पूजा पंडालो में भी दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल प्रतिनियुक्ति किया गया है। मौके पर सीओ दुर्गा कुमार ने कहा कि शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार संपन्न हो इसके लिए प्रशासन सभी तैयारियां कर ली है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि शांति व्यवस्था हेतु जिला से पर्याप्त बल मिला हुआ है। इसके साथ ही महिला पुलिस भी जिला पुलिस बल से आया हुआ है। सभी पंडालो सहित मुख्य चौक चौराहा में पुलिस बल को लगाया गया है। पुलिस बल शांति व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था पर भी निगाह रखेंगे। इस मौके पर पप्पू गुप्ता व अन्य पदाधिकारी एवं पुलिस बल मार्च में शामिल थे।

दुर्गा मंदिर में डांडिया नृत्य का हुआ आयोजन

खबर मंत्र संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के महादेव टोली रोड स्थित बोली बगीचा दुर्गा मंदिर परिसर में नवरात्र को लेकर सरना धर्म रक्षा समिति द्वारा भव्य और आकर्षक डांडिया नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वनवासी कल्याण केंद्र के अध्यक्ष सुमन राय, केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत उर्फ संतोष लकड़ा, जय श्रीराम समिति के जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, समिति अध्यक्ष सूरज मेहता एवं पुरोहित सदानंद पाठक द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कोलकाता से आए डांडिया नृत्यांगना एवं म्यूजिक सिस्टम मंडली द्वारा रात भर डांडिया नृत्य के आयोजन में भागीदारी निभाया गया। देवी के धुन पर आधारित सॉन्ग पर डांडिया नृत्य करते हुए महिलाएं और युवतियां भक्ति रस में सरोबर रही। इस मौके पर जय श्रीराम समिति के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम की सफलता में समिति की महिला संरक्षिका रश्मि अग्रवाल, अंजलि, अंशु खत्री, लक्ष्मी अग्रवाल, रीता अग्रवाल, करुणा गुप्ता, कनकलता अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, सुनीता मिश्रा, भानुमति देवी, रानी पाठक समेत अन्य ने भूमिका निभाया।

लोहरदगा : ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, बच्ची की मौत

खबर मंत्र संवाददाता

लोहरदगा। शहर के कस्तूरबा स्कूल न्यू रोड के समीप गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें 1 वर्षीया बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। मिली जानकारी के युवक बाइक में अपनी भाभी और 1 वर्षीय भतीजे को लेकर महादेव टोली से न्यू रोड के रास्ते सरना टोली काम किए हुए पैसे को लेने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कस्तूरबा स्कूल न्यू रोड स्थित ट्रक चालक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में मोहित उरांव 1 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नितेश उरांव उम्र 21 वर्ष, और रजनी उरांव 22 वर्ष घायल हो गए। सभी महादेव टोली निवासी बताया जा रहा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाने ले आई। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की खोजबीन में जुट गई है।

लोहरदगा सदर अस्पताल ने एकता क्लब को किया सम्मानित

लोहरदगा। लोहरदगा एकता क्लब द्वारा रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों को देखते हुए लोहरदगा सदर अस्पताल द्वारा एकता क्लब को सम्मानित किया गया। मौके पर क्लब द्वारा कहा गया की ये हमारे लिए गर्व की बात है और बहुत खुशी की बात है कि हमे प्रमाण पत्र देकर रक्तदान जैसे पुनीत कार्य को बढ़ावा देने का काम किया गया है। इसके लिए लोहरदगा एकता क्लब परिवार के तरफ से पूरे सदर अस्पताल की टीम को आभार व्यक्त किया गया।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च

लोहरदगा। जिले के सदर थाना क्षेत्र में जिला प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, एसडीएम अमित कुमार, सी ओ आशुतोष कुमार के साथ पुलिस के जवान शामिल हुए। दुर्गा पूजा को लेकर विधि व्यस्था शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पूरे शहर में मार्च निकाला कर लोगो को पूजा शांतिपूर्ण संपन्न कराने में सहयोग की अपील भी की गई।

बारिश से गिरा तोरण द्वार

लोहरदगा। जिले में दुर्गा पूजा को लेकर चल रहे उत्सव में बारिश ने खलल डालने का काम किया। गुरुवार को दोपहर बाद आए तेज बारिश और हवा से कई पूजा पंडाल में विधि व्यवस्था गड़बड़ होती नजर आई। वही पावरगंज साहू पेट्रोल पंप के समीप लगाया गया तोरण द्वार भी गिर गया जिससे एक घंटे से अधिक समय तक जाम की स्थिति बनी रही। बारिश के बाद जाम से लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने पहले ही बताया था की इस बार दुर्गा पूजा में बारिश के आसार है।

मां सिद्धिदात्री दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन

भंडरा। दुर्गा पूजा शक्ति की पूजा है। इस पूजा के माध्यम से असत्य पर सत्य की विजय बताया गया है। मां दुर्गा नारी रूप में शक्ति की देवी है। उक्त कथन बिंदेश्वर उरांव ने मां सिद्धिदात्री दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए कहा। मौके पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह, उत्तम गुप्ता, अमित कुमार कुंदन, ललन सोनार, चंदन लहरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कैमरे के नजर में लोहरदगा का दुर्गा पूजा पंडाल

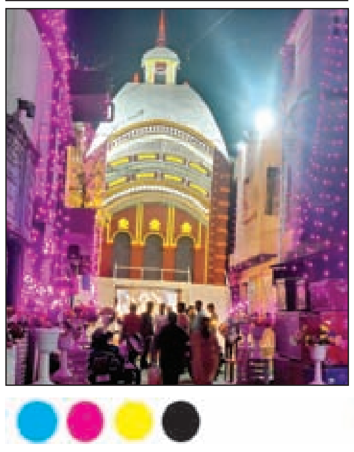

अनमोल रतन...

मशहूर उद्योगपति रतन टाटा इस दुनिया में नहीं रहे, 86 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। टाटा ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। एक सफल उद्योगपति के रूप में पूरी दुनिया उन्हें याद रखेगी, लेकिन बतौर इंसान उनके जीवनकाल में दिखे सेवा भाव ने उन्हें अमर बना दिया है। आज जब टाटा को याद किया जा रहा है, तो उनकी बड़ी डील, उनकी संपत्ति से ज्यादा चर्चा उनके सरल, सच्चे और सहज व्यवहार की हो रही है। एक अवॉर्ड उन्हें ब्रिटिश राजघराना से भी मिलने वाला था। 2018 में फैसला लिया गया था कि रतन टाटा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित करेंगे। खुद प्रिंस चार्ल्स उन्हें वो अवॉर्ड देने वाले थे, उनके लिए बकिंघम पैलेस में समारोह रखा जाना था। रतन टाटा एक ट्रेन्ड पायलट थे, यह बात कम ही लोग जानते हैं। उनके पास विमान उड़ाने का लाइसेंस भी था। इसी वजह से 2004 में जब उनके एक कर्मचारी की तबीयत खराब हुई, उसे तत्काल इलाज की जरूरत पड़ी, टाटा खुद प्लेन उड़ाने को तैयार हो गए। असल में 2004 में पुणे में टाटा मोटर्स के एमडी प्रकाश एम तेलंग की तबीयत बिगड़ गई थी, उन्हें तुरंत मुंबई रेफर कर दिय गया। अब बाय रोड अगर पुणे से मुंबई जाते, देर हो सकती थी। ऐसे में एयर एंबुलेंस का इंतजाम करने की कोशिश हुई। अब उन्होंने फैसला कर प्लेन उड़ाने की तैयारी शुरू की ही थी, उन्हें बताया गया एयर एंबुलेंस का इंतजाम हो गया है। ऐसे में टाटा ने प्लेन तो नहीं उड़ाया, लेकिन उस कर्मचारी की जान बचा ली। पूरी दुनिया में जगुआर डील के कारण उन्हें पूरी दुनिया ने माना और टाटा ने दुनिया की नामी कंपनी का अधिग्रहण कर दुनिया में सम्मान हासिल किया देश का नाम रौशन किया। टाटा समूह देश का नहीं दुनिया का विश्वसनीय समूह बना। रतन नवल टाटा को विनम्र श्रद्धांजलि।

मेष : आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेंगे। पदोन्नति मिलने का योग है। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यो में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मनः स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-3-4-7

मिथुन : पुरुषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क : मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह : निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या : कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला : ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक : विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु : अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर : ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ : हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन : मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

कार्टून वर्ल्ड

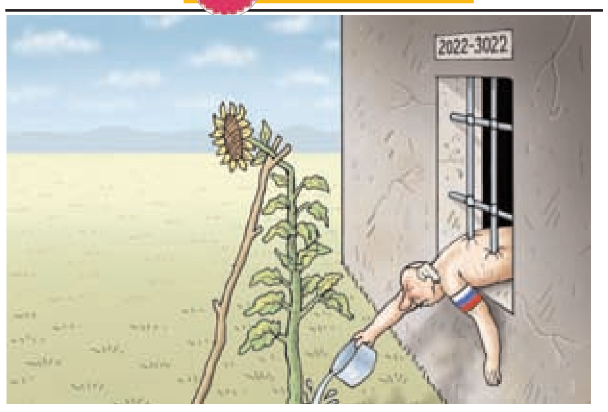

हरियाणा में भाजपा की जीत एक चमत्कार

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथ जो करिश्माई कामयाबी लगी है, उसका यकीन भाजपा दिग्गजों को भी नहीं रहा होगा। नतीजों के बाद बौखलाहट केवल कांग्रेस में नहीं थी बल्कि हरियाणवी मतदाता भी इस खामोश फैसले से हैरत में पड़ गए। 5 अक्तूबर के मतदान के बाद शाम को आए अधिकांश एग्जिट पोल कांग्रेस की सत्तावापसी का ऐलान कर रहे थे। चुनावी नतीजों ने एग्जिट पोल के निष्कर्षों की साख पर भी ह्यराखह्ल डाल दी। वैसे तो भाजपा के ह्यचाणक्योंह्ल ने विधानसभा चुनाव की तैयारी लोकसभा चुनाव से पहले ही शुरू कर दी थी। भाजपा की माइक्रो मैनेजमेंट और कांग्रेस के खिलाफ ग्राउंड पर अंदरखाने की गई तैयारियों के परिणाम ऐसे होंगे, इसका आभास शायद भाजपा को भी नहीं था। कांग्रेस को पक्का भरोसा हो चला था कि भाजपा के खिलाफ दो पारियों की एंटी-इन्कमबेंसी की वजह से जीत उसकी थाली में अपने आप आ गिरेगी।

हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसी आसान जीत हरियाणा में भी कांग्रेस को नजर आई। कांग्रेस के अति-उत्साही होने की वजह यह भी रही कि उसे पूर्व मुख्यमंत्री व हरियाणा के दिग्गज नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पक्ष में जाट वोटर के ध्रुवीकरण में खुद के लिए कामयाबी पक्की लग रही थी। कांग्रेस यह भांप ही नहीं पाई कि जाट वोटर के ध्रुवीकरण और उनके मुखर होने की वजह से अंदरखाने विरोध में गैर-जाट वोटर भी लामबंद हो रहे हैं। प्रदेश के ओबीसी व सामान्य जातियों के गैर-जाट वोटरों के अलावा एससी वर्ग ने भी अंदरखाने खामोश रहते हुए बड़ा खेल कर दिया। इसमें भी कोई दो-राय नहीं है कि भाजपा ने इस चुनाव को पूरी तरह से जाट बनाम गैर-जाट बनाया। पिछले चुनावों के मुकाबले इस बार कम यानी केवल 16 जाट नेताओं को टिकट देकर भाजपा ने अपनी मंशा पहले ही जाहिर कर दी थी। नतीजा, कांग्रेस को फिर से पांच साल का एक और वनवास। कांग्रेस की इस करारी शिकस्त के साइड इफेक्ट ये सामने आए हैं कि केजरीवाल की पार्टी ने घोषणा कर दी है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। इंडिया गठबंधन के सहयोगी भी कांग्रेस को आंख दिखाने लगे हैं। वाकई हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणामों की तासीर के लिये हरियाणा के सजग अवाम को श्रेय देना होगा, जिसने बेहद खामोशी से अपना फैसला सुनाया। कांग्रेस ने चुनाव के लिए धुआंधार प्रचार किया। हरियाणा की राजनीति में हमेशा बड़ी दावेदारी का इजहार करने वाली बिरादरी की बेबाक बयानबाजी एवं युवाओं के उच्छृंखल व्यवहार ने हाशिये पर खड़ी बिरादरियों में चिंता पैदा कर दी। ग्रीन ब्रिगेड जैसी ह्यलठ संस्कृतिह्ल के अतीत को याद करते हुए कमजोर तबके का वह हिस्सा वापस भाजपा खेमे की ओर मुड़ गया, जो दो दफे की भाजपा सरकार की कारगुजारियों से नाखुश था। इन बिरादरियों ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का साथ दिया था और राज्य की आधी लोकसभा सीटें पार्टी की झोली में डाल दी थीं।

दरअसल, हरियाणा की राजनीति में लठ गाड़ने वाली बिरादरी के अति उत्साह ने निशाने पर रही कमजोर बिरादरियों को बिदका दिया। यहां तक कि हरियाणा के कमजोर तबकों ने उन दलों पर भरोसा नहीं जताया, जिन्होंने मायावती की बहुजन समाजवादी पार्टी और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) से गठबंधन किया था। उन्हें बिरादरी विशेष के दबदबे ने फिक्रमंद बना दिया था। नतीजतन, जिस बिरादरी विशेष के ध्रुवीकरण को कांग्रेस अपनी ताकत मानकर चल रही थी और जिन्हें हाईकमान ने खुला हाथ दे रखा था, वो ही उसकी हार की इबारत लिखने की वजह बनी।

-नरेश कौशल

> राज्य नेतृत्व व हाईकमान इस बात की पड़ताल न कर सका कि मौजूदा विधायक क्या फिर से जीतने की स्थिति में हैं। फिर दूसरी ओर ज्यादातर टिकटें हुड्डा खेमे, कुछेक सैलजा खेमे तो कुछ हाईकमान के पैराशूट प्रत्याशियों को दी गई। टिकट वितरण की यह नीति कमोबेश सब गुटों को संतुष्ट करने वाली तो थी, मगर जीत पक्की करने वाली न थी। कहीं-कहीं तो पार्टी प्रत्याशियों को कमजोर करने की बात भी सामने आई।

हरियाणा के वजूद में आने के बाद यह करिश्मा पहली बार हुआ है कि कोई पार्टी राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में कामयाब हुई हो। वहीं भाजपा लगातार दो बार की सरकार के खिलाफ उपजी एंटी-इन्कमबेंसी को टालने में कामयाब रही। शुरूआत तो पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान ही करीब साढ़े 9 वर्षों तक सूबे के मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर को बदलकर और उनकी जगह ओबीसी के नेता नायब सिंह सैनी को हरियाणा की बागडोर थमाकर कर दी थी। भाजपा के रणनीतिकारों को दाद देनी पड़ेगी कि उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से कामयाबी की इबारत लिखी। वहीं दूसरी ओर, बड़ी चतुराई से मनोहर लाल खट्टर पर्दे के पीछे रणनीति बनाने में तो लगे रहे मगर चुनाव अभियानों में वे खुलकर सामने नहीं आए। जैसे सत्ताविरोध का गरल उन्होंने धारण कर लिया हो। उधर एक तरफ कांग्रेस जमीन पर व मीडिया में बने माहौल से जीत के प्रति आश्वस्त थी तो भाजपा खामोशी से महीन कात रही थी, यानी माइक्रो मैनेजमेंट कर रही थी। वो छत्तीस बिरादरियों की असुरक्षा को पार्टी के लिये भरोसे में तब्दील करने में लगी थी। पार्टी के कई सिटिंग एमएलए टिकट से महरूम किए गए। यहां तक कि मुख्यमंत्री सैनी का पिछला चुनाव क्षेत्र बदलकर लाडवा कर दिया गया। पार्टी को पता था सीएम सिटी करनाल व आसपास की सीटें तो भाजपा हासिल कर ही लेगी। कई जगह उसने कांग्रेस को हराने वाले अन्य प्रत्याशियों को ताकत भी दी। लेकिन इसके बावजूद विधानसभा अध्यक्ष व आठ मंत्रियों की हार को न टाल सकी।

सतही तौर पर तो कांग्रेस हरियाणा में माहौल बनाने में कामयाब रही, लेकिन उसके नेताओं ने कभी नहीं सोचा कि उसकी रैलियों में बिरादरी विशेष की तो भीड़ है, मगर वंचित वर्ग व अन्य पिछड़ी जातियों की भागीदारी प्रचुर संख्या में नहीं है। उसके सभी सिटिंग एमएलए टिकट पाने में कामयाब हो गये। राज्य नेतृत्व व हाईकमान इस बात की पड़ताल न कर सका कि मौजूदा विधायक क्या फिर से जीतने की स्थिति में हैं। फिर दूसरी ओर ज्यादातर टिकटें हुड्डा खेमे, कुछेक सैलजा खेमे तो कुछ हाईकमान के पैराशूट प्रत्याशियों को दी गई। टिकट वितरण की यह नीति कमोबेश सब गुटों को संतुष्ट करने वाली तो थी, मगर जीत पक्की करने वाली न थी। कहीं-कहीं तो पार्टी प्रत्याशियों को कमजोर करने की बात भी सामने आई। वैसे भाजपा के रणनीतिकारों को आभास हो गया था कि पिछले लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी का करिश्मा पहले जैसा नहीं चला। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में हरियाणा में पांच सीटें पार्टी के हाथ से निकल गई थीं। तभी प्रधानमंत्री की गिनी चुनी रैलियां ही हरियाणा में हुई। मोदी व योगी की रैलियों में पहले जैसी भीड़ नहीं जुटी। अंदाजा लगाया गया कि हरियाणा की कथित दबंग बिरादरियों के जलवे देखकर शेष बिरादरियों के लोग खुलकर भाजपा की रैलियों में नहीं जुट रहे थे। वैसे भी आम आदमी लोकल राजनेताओं व कारकूनों की टेढ़ी नजर से बचना चाहता है। यह भी कह सकते हैं कि भाजपा की जीत

लेटर टू एडिटर

भाजपा की स्वीकार्यता

प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में फैलाई जा रही नकारात्मक कहानियों के बावजूद कांग्रेस को वोट नहीं मिला। सत्तारूढ़ भाजपा ने न केवल बहुमत हासिल किया, बल्कि विकास परियोजनाओं की गति भी मतदाताओं को बहुत पसंद आई। तथ्यात्मक रूप से कहें तो भाजपा बड़ी आबादी की उम्मीदों पर खरी उतरी, और परिणामस्वरूप डबल इंजन वाली सरकारों को सबसे ज्यादा पसंद किया गया। सत्ता विरोधी लहर भाजपा को कमजोर नहीं कर सकी।

-युगल किशोर शर्मा, रांची

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने करीब-करीब दो पारियों में मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर को हटाकर उनकी जगह नायब सिंह सैनी की ताजपोशी कर दी थी। यह कोशिश रंग लायी। इसके विपरीत कांग्रेस में भूपेंद्र हुड्डा जैसा दिग्गज नेता तो था, लेकिन भाजपा के मुकाबले का सांगठनिक ढांचा नहीं था। वहीं दूसरी ओर पार्टी संगठन में मतभेद व मनभेद भी गाहे-बगाहे उजागर होते रहे।

- रविशंकर सिंह, जमशेदपुर

एक्स - ट्वीट

मुझे एक बोगस मामले में जेल में डाला गया - क्योंकि वे मुझे चुप कराना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि मैं अपने राज्य का हक मांगना छोड़ दूँ। वे मुझे वापस भी जेल डाल दें तब भी मैं मरने दम तक संघर्ष करूँगा और हक मांगूंगा।

आज झारखंड में उन्होंने केंद्र से लेकर राज्य तक अपनी पूरी शक्ति लगा रखी है, ताकि किसी तरह वे मुझे रास्ते से हटा सकें और फिर झारखंडियों का हक मार लें। हम किसी अन्य राज्य की तरह विशेष पैकेज नहीं माँग रहे, हम सिर्फ अपना हक माँग रहे हैं! हमारे पैसों से दूसरे राज्यों को विशेष पैकेज मिलेगा और आप खाली हाथ रह जाएंगे।

आज आवाज उठाइए!

- हेमंत सोरेन, सीएम

चले गये खास होते हुए भी आम दिखने वाले देश के रतन टाटा

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

रतन टाटा सिर्फ अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है। तभी तो रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है। उन्हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है। उनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा?

टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे। करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा आजीवन अविवाहित रहे। एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं। उनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष्य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम्मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थी। उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन्हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी का दावेदार बनाता है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं। वे रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के शब्दों में, भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया।

स्मरण

प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है। रतन टाटा, दुनियाभर में फैले टाटा साम्राज्य के सबसे चमकदार रत्न थे। उन्होंने मैनेजमेंट की मॉडर्न तकनीकों को अपनाकर टाटा ग्रुप को दुनिया का भरोसेमंद ब्रांड बनाया। उन्होंने कभी भी टाटा के संस्थापकों के विजन से समझौता नहीं किया। आज जब नैतिकता का स्तर गिर रहा है, उस दौर में भी रतन टाटा व्यक्तिगत स्तर पर मॉरल वैल्यूज को थामे रहे। सही मायनों में रतन टाटा देश के उद्योग का प्रतिनिधित्व करते थे। हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर क्षेत्र में उनके भरोसे, उत्कृष्टता और नवीनता के मूल्यों को अपनाते हुए प्रयास कर रहे हैं, यही रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वे भारतीय उद्योग के आधुनिकीकरण से गहराई से जुड़े थे। इससे भी अधिक इसके वैश्वीकरण के साथ जुड़े थे। बड़ी संपत्ति होने के बावजूद वे अपनी साधारण जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के जरिये परोपकारी कार्यों के लिए चर्चा में रहे। टाटा संस में अपने नेतृत्व के दौरान, उन्होंने टेटली, कोरस और जगुआर लैंड रोवर जैसी कंपनियों का अधिग्रहण करके टाटा समूह को मुख्य रूप से घरेलू कंपनी से वैश्विक पावरहाउस में बदल दिया। उनके नेतृत्व में टाटा वास्तव में 100 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वैश्विक व्यापार साम्राज्य में विकसित हुआ। ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन।

टाटा ने जिद, जुनून और लगन के बल पर बिजनेस को वैश्विक बनाया

स्मृति शेषः रतन टाटा (1937-2024)

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

जिंदगी भर कारोबार... कारोबार... बस कारोबार। जिद, जुनून और लगन के चलते बिजनेस के सिवा कुछ नहीं किया। ठोस फैसले लेते गए, सही साबित भी करते गए। दुनिया इन्हें रतन नवल टाटा के नाम से जानती-पहचानती है। भारत के सबसे बड़े और बेहद ईमानदार उद्योगपतियों में से एक रतन टाटा इतनी कमाई के बावजूद दुनिया के धनकुबरों की सूची में इसीलिए शुमार नहीं हो पाए, क्योंकि वह अपनी कमाई का 65 प्रतिशत हिस्सा दान कर देते थे।

श्री टाटा यूं तो कम ही बोलते थे लेकिन जब बोलते थे, बेलौस। किसी को बुरा लगे तो लगे। हकीकत से उन्होंने कभी मुंह नहीं मोड़ा। वह महामारी के चलते कॉर्पोरेट जगत में छंटनी, उद्योगपतियों की नैतिकता सरीखे फैसलों पर आहत रहे। कहते थे, कॉर्पोरेट जगत की टॉप लीडरशिप में सहानुभूति की कमी हो गई है। कोरोना के मुश्किल दौर में उद्यमियों और कंपनियों के लिए लम्बे समय तक काम करने और अच्छा प्रदर्शन करने वाले कारिंदों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। ये वे लोग हैं, जिन्होंने अपना पूरा करियर कंपनी के लिए लगा दिया है। संकट के समय आप इन्हें सपोर्ट करने की जगह बेरोजगार कर रहे हैं। श्री टाटा मानते थे कि मुनाफा कमाना गलत नहीं है, लेकिन यह काम भी नैतिकता से करना जरूरी है। यह सवाल बहुत जरूरी है, आप मुनाफा कमाने के लिए क्या-क्या कर रहे हैं? यह सवाल खुद से लगातार पूछते रहना चाहिए, वे जो फैसले ले रहे हैं, क्या वे सही हैं? वह कंपनी ज्यादा दिन सर्वाइव नहीं कर सकती, जो अपने स्टाफ को लेकर संवेदनशील नहीं है। कर्मचारियों की छंटनी समाधान नहीं है। इससे पता चलता है, भारतीय कॉर्पोरेट जगत की टॉप लीडरशिप में हमदर्दी का अभाव है।

टाटा ग्रुप की कंपनियों में एयरलाइन्स, होटल बिजनेस, फाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटो बिजनेस शामिल हैं। ये ऐसे सेक्टर हैं, जहां कोरोना महामारी का सर्वाधिक असर हुआ था। एविएशन और होटल इंडस्ट्री की सूरत से हरेक वाकिफ है। ऑटो सेक्टर की भी हालत पतली थी। कारों की बिक्री में रिकॉर्ड गिरावट देखी गई। बावजूद इसके टाटा ग्रुप ने एक भी कर्मी को नौकरी से नहीं निकाला था। सिर्फ सॉफ्टवेयर समूह ने अपने शीर्ष मैनेजमेंट के वेतन में 20 पर्सेंट की कटौती की थी। दरियादिली में पीछे नहीं रहे। कोरोना से निपटने के लिए टाटा समूह ने पीएम केयर्स फंड में 1500 करोड़ का दान किया। नामचीन उद्योगपति श्री रतन टाटा मानते रहे, बिजनेस का मतलब सिर्फ मुनाफा कमाना नहीं होता है। देशभर में लाखों-लाख लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया। क्या इससे समस्या का हल हुआ? वह खुद ही जवाब देते थे, उन्हें नहीं लगता-ऐसा हो सकता है। आपको बिजनेस में नुकसान हुआ है, ऐसे में लोगों को नौकरी से निकाल देना विकल्प नहीं है, बल्कि उनके प्रति आपकी जिम्मेदारी बनती है। आप इस माहौल में तब तक जिंदा नहीं रह पाएंगे, जब तक आप संवेदनशील नहीं रहते हैं। सबसे पहले लोगों के कार्यस्थल के बारे में आपको चिंतित होना चाहिए।

स्मृति शेष

श्री टाटा साफ मानते रहे, मंदी के दौर में बने रहने के लिए आपको जो उचित और आवश्यक लगता है, उसके सन्दर्भ में आपको बदलना होगा। कोरोना संकट के दौर में कोई निश्चित तरीके से व्यापार करना जारी नहीं रख सकता है। इस महामारी के दौरान वर्क फॉर्म होम अच्छा उपाय है। ले-ऑफ कंपनी की समस्याओं को हल करने में मदद नहीं करेगा। आय का कोई सोर्स न होने के कारण लॉकडाउन के दौरान प्रचंड गर्मी में बिना साधन के श्रम शक्ति ने घर वापसी की। देश की सबसे बड़ी श्रम शक्ति को एक ही झटके में कह दिया गया, आपके लिए कोई काम नहीं है। उनके घरों तक भेजने की व्यवस्था नहीं की गई। रहने-खाने का बंदोबस्त नहीं किया। इससे क्षुब्ध श्री टाटा ने सवाल किया, ऐसा करने वाले आप कौन होते हैं? आप अपनी लेबर फोर्स के साथ इस तरह का बर्ताव क्यों करते हैं? क्या आपकी नैतिकता की यही परिभाषा है? टाटा ने इंडस्ट्री के शीर्ष अफसरों से पूछा, इस मुश्किल समय में उनका क्या कर्तव्य बनता है? उनके लिए नैतिकता की क्या यही परिभाषा है? जिन्होंने आपके लिए दिन-रात काम किया, आपने उन्हें ही छोड़ दिया।

श्री टाटा का मानना रहा था कि कोई भी बिजनेस करते समय दो चीजों पर ध्यान देना हमेशा जरूरी है- पहला, किसी भी सिचुएशन में अपने स्टेक होल्डर्स या शेयर होल्डर्स से सामना करना। दूसरा, निचले तबके के कर्मचारियों को भी समझना। अगर कंपनी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति नाराज है तो उसका कोई न कोई कारण होता ही है। उसका सॉल्युशन निकालना भी जरूरी है। उन्होंने बताया था कि जिस वक्त उन्हें टाटा मोटर्स का चेयरमैन बनाया गया था, उसके कुछ समय बाद कंपनी में बहुत बड़ी स्ट्राइक हुई थी। उन्होंने उन दिनों 3 से 4 दिन प्लांट में ही बिताए। सभी को यह भरोसा दिलाया था, हम एक हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यही है कि किसी भी कंपनी को उसके प्रॉफिट्स और परफॉरमेंस के आधार पर ही जज किया जाता है। प्रॉफिट कंपनी की आतंरिक स्थिति को कवर करता है।

स्पीड न्यूज

कुजू में खुला पंडालों का पट

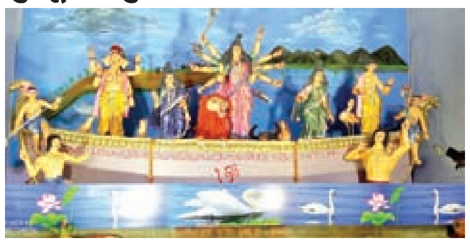

कुजू। महासप्तमी को कई पूजा पंडालों के पट खोल दिये गए। श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा विधिवत पूजा अर्चना के साथ मां दुर्गा का पंडाल खुला। वही क्षेत्र के कुजू कोलियरी, मुरपा, तोपा, सांडी, आरा, सारूबेड़ा, दिगवार, करमा, छोटकी डुंडी सहित आदि स्थानों में बने पूजा पंडाल लोगो के लिए आकर्षण के केंद्र बना है। गुरुवार को श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति कुजू द्वारा गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाला गया। कलश यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर कुजू छठ बड़ा तालाब पहुंचा। जहाँ आचार्य भैरव गांगुली, राज पुरोहित, सह आचार्य चंदन चक्रवर्ती, सुब्रत गांगुली, अरूप मुखर्जी, विराज पंडा द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कराया गया।

डीसी ने किया पंडाल का उद्घाटन

कुजू। रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार ने दिगवार में बुधवार देर रात पूजा पंडाल का किया उद्घाटन। मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पंडित शंभूनाथ पंडा ने उपायुक्त व कार्यपालक पदाधिकारी को रक्षा सूत्र बांधते हुए विधिवत पूजा अर्चना कराया । बाद में पूजा कमेटी ने उनका स्वागत अंग वस्त्र देकर किया। उपायुक्त ने कहा कि जगत जननी माता दुर्गा श्रद्धालुओं पर असीम कृपा बरसाएं और उनके तरक्की के मार्ग को प्रशस्त करें। गांव में सुख समृद्धि की माता से कामना की।

पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

कुजू। कुजू बरकाकाना रेल लाइन के किनारे स्थित सांडी, तिलैया, बेहरा टांड आदि बस्तियों में वरीय अधिकारियों के निर्देश पर रेलवे पुलिस बल ने जागरूकता अभियान चलाया। रेलवे पुलिस के हजारीबाग निरीक्षक प्रभारी अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए गए जागरूकता अभियान के दौरान लोगों से रेलवे सामानों की सुरक्षा करने का आग्रह किया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से रेलवे से कोयला व लोहा की चोरी नहीं करने, रेलवे लाईन पर मवेशी नहीं ले जाने, यात्रा के दौरान किसी अनजान व्यक्ति द्वारा दिया गया खाद्य पदार्थ नहीं लेने और यात्रा के दौरान कोई असुविधा होने पर रेलवे हेल्प लाईन नं 139 पर कॉल करने, चलती गाड़ी पर पत्थर नहीं फेकने, रेलवे के संचार संयंत्र से छेड़छाड़ नहीं करने आदि की बात कही गई. अभियान में उप निरीक्षक रंजय कुमार, सहा उप निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह एवं सुरक्षा बल के अजीत कुमार आदि शामिल थे।

पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रामगढ़। पूरे जिले में दुर्गा पूजा की धूम है और श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। दुर्गा पूजा को लेकर शहर सहित जिलाभर में भव्य पंडालों का निर्माण किया गया है। सभी पंडालों का पट खुल जाने के बाद माता के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। इधर, पूजा समितियों द्वारा श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखकर पूजा पंडालों में विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए वोलिंटियर्स को तैनात किया गया है। ताकि श्रद्धालुओं को माता के दर्शन में दिक्कत नहीं हो।

लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा दिव्यांग सुरेश पासवान को लगायेगा कृत्रिम पैर

भुरकुंडा (रामगढ़)। लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने कुछ दिन पूर्व भुरकुंडा निवासी दिव्यांग सुरेश पासवान को व्हील चेयर दिया था। उनके पैर का ऑपरेशन होने के बाद दो साल में पूरी तरह से जाम हो गया था। अब लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने सुरेश पासवान को कृत्रिम पैर लगाकर और जाम हुए घुटने को ठीक कर अपने पैरों पर चलाने का बीड़ा उठाया है। ताकि कि वे अपने नीत क्रिया को कर सके लायंस क्लब के लोगों के देखरेख में फिजियोथैरेपिस्ट डॉ नीरज कुमार प्रत्येक दिन उनका इलाज कर रहे हैं। गुरूवार को भी भुरकुंडा टेकर स्टैंड स्थित राज नर्सिंग होम में डॉ नीरज कुमार द्वारा फिजियोथैरेपी किया गया। जिसका परिणाम है कि सुरेश पासवान अब पहले से बेहतर महसुस कर रहे हैं। मौके पर क्लब की अध्यक्ष रेखा वर्णवाल, सचिव अंजू देवी, कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद, जोन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ राजेंद्र महतो, विजय वर्णवाल सहित राज नर्सिंग होम के चिकित्सक एवं लायंस क्लब के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

कोयलांचल में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवपत्रिका प्रवेश पूजा और प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा सहित कई अनुष्ठान हुये

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल भदानीनगर, बासल, सयाल-उरीमारी पतरातू सहित आसपास क्षेत्रो में गुरूवार को महासप्तमी पूजा के साथ पूजा पंडालों के पट खुल गए। वहीं कई क्षेत्रों में बुधार को ही पूजा पंडालों के पट खोल दिये गये थे। नवपत्रिका प्रवेश पूजा, प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा सहित कई पूजा अनुष्ठान हुए। मौके पर मां दुर्गा के सप्तम स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा अराधना श्री दुर्गा सप्तशती पाठ, आरती क्षमा प्रार्थना आदि अनुष्ठान हुए। शुक्रवार सुबह 6:15 बजे महाअष्टमी की पूजा अर्चना होगी। तत्पश्चात सुबह 6:48 बजे बलि सहित कई पूजा अनुष्ठान होगें। इधर पंडालो के पट खुलते ही मां के दर्शन और पूजा के लिए भक्तों की भारी भीड़ देर रात तक उमड़ी। पंडालों के अंदर बेहतरीन सजावट के बीच मां दुर्गा, मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, भगवान गणेश, भगवान कार्तिकेय की प्रतिमाए स्थापित की गई है। इस बार भी पंडालों के अंदर और बाहर और रंग बिरंगे विद्युत बल्बो से बेहतरीन ढंग से साज सजावट की गई है। सभी ओर मां दुर्गा के वैदिक मंत्रों और भक्ति गीतों से क्षेत्र गूंज रहे हैं। कोयलांचल सहित ग्रामीण इलाको का वातावरण दुर्गामय भक्तिमय बना हुआ है। साथ ही दुर्गा पूजा आयोजन को लेकर भक्तो मे उमंग और उत्साह का माहौल है। इधर इस बार भी भुरकुंडा कोयलांचल सहित आसपास क्षेत्रो में दो दर्जन से अधिक जगहो पर पूजा पंडाल बने हैं। भुरकुंडा पूरणराम मैदान, बिरसा चौक, रिक्रेयशन क्लब, बौनर धौड़ा, जवाहर नगर, सौंदा डी क्लब घर, जयनगर, सेंट्रल सौंदा मैदान, सीसीएल सौंदा क्लब घर, को-ऑपरेटिव, रिभर साईड शास्त्री पार्क, गांधी पार्क, नेहरू पार्क, भदानीनगर के आईएजी ग्लास फैक्ट्री, लपंगा, पटेलनगर, सौंदा बस्ती, रसदा, बलकुदरा, केके कोलियरी पोड़ा, चैनगड्डा, सयाल-उरीमारी, पतरातू आदि कई जगहो पर एक से बढ़कर एक पूजा पंडालो का निर्माण हुआ है। विभिन्न मंदिरो के थीम पर पंडाल बने है। वहीं रिक्रेयशन क्लब थाना मैदान में बने केदारनाथ मंदिर का भव्य पूजा पंडाल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

भुरकुंडा के शास्त्री पार्क में स्थापित दुर्गा की प्रतिमा।

सौंदा डी में की मां की मूर्ति।

खोपड़िया बाबा धर्मशाला में स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाएं।

गोगो सम्मान योजना पीएम मोदी की गारंटी : जायसवाल

भाजपा की इस योजना से डरी राज्य सरकार : सांसद

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग । भाजपा कार्यालय में सांसद मनीष जायसवाल ने गुरूवार को पत्रकारों से कहा कि गोगो सम्मान योजना को लेकर झारखंड सरकार भ्रम फैला रही है। उन्होंने कहा कि गोगो का मतलब माँ होता है। ये माता व बहनों की योजना है। इसमें हर महीना माता व बहनो को 2100 रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। झारखंड सरकार इस योजना से डरी हुईं है लोगो के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रही है। ये कोई ऐसी वैसी योजना नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदीजी की गारंटी वाली योजना है। इसलिए जो जरूरतमंद है फॉर्म ले और इस योजना का लाभ जरूर लें। श्री जायसवाल ने कहा कि झारखण्ड सरकार ने अभी तक जितने भी वादे किये कोई भी वादा पूरा नहीं कर सकी। एक मैया योजना भी लायी है उसमे भी सभी को लाभ नहीं मिल रहा। कुछ ही लोगो को इसका लाभ मिला है। राज्य सरकार अपना पीठ थपथपाने में व्यस्त है। नौजवान, बेरोजगार युवा सड़क पर है सरकार को इससे कोई लेना देना नहीं है। कहा कि राज्य सरकार ये आरोप लगा रही है की हमलोगो ने गोगो योजना उनकी मैया योजना को देखकर कॉपी की है। ये हास्यास्पद है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में ऐसी योजना 5 साल से चल रही है। लाड़ली योजना व अन्य योजना को चुरा कर झारखण्ड सरकार खुद मैया योजना को चला रही है। उसमे भी सभी को लाभ नहीं मिल रहा और सरकार बेतुकी भ्रम फैलाने में व्यस्त है। भ्रम फैलाने वालो को श्राप लगेगा।लोगो को बताना चाहता हूँ कि गोगो योजना का लाभ ले। ये एक अच्छी योजना है जो आने वाले दिनों में क्रांतिकारी साबित होगी।झारखण्ड में भाजपा के सरकार आने पर इसे लागू कर दिया जायेगा। मौके पर जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

पुरन राम मैदान में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

बिजली सब स्टेशन उद्घाटन को लेकर हेमंत सोरेन से मिले जानकी यादव

टाटीझरिया । बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व विधायक सह पूर्व आवास बोर्ड अध्यक्ष सह झामुमो के वरिष्ठ नेता जानकी प्रसाद यादव ने झरपो कारी चट्टान धाम के समीप करोड़ों की लागत से बने झरपो बिजली सब स्टेशन उद्घाटन कराने को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखित पत्र दिया। जानकी प्रसाद यादव ने पत्र में लिखा है कि बिजली सब स्टेशन को उद्घाटन आपके कर कमलों द्वारा किया जाय जो वर्षों से बनकर तैयार है , उन्होने बताया कि तत्कालीन ऊर्जा मंत्री राजेंद्र प्रसाद सिंह द्वारा झरपो में बिजली पावर सब स्टेशन का शिलान्यास 10 वर्ष पूर्व किया गया था और आपका कार्यकाल में उद्घाटन का बाट जोह रहा है,झरपो में बिजली सब स्टेशन कार्य के लिए हमने 13 सूत्री मांगो को लेकर 36 दिन तक धरना प्रदर्शन किया था। हमें पूर्ण विश्वास है कि जल्द बिजली सब स्टेशन झरपो का उद्घाटन करेंगे।

रामगढ़ में ट्रक ने चार बच्चियों को रौंदा, तीन की मौत और एक गंभीर

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर महामाया दरबार में पूजा करने जा रही चार बच्चियों को अनियंत्रित ट्रक ने रौंदा औ तीन की मौत हो हो गई और एक अन्य की हालत भी नाजुक बनी हुई है। यह घटना गुरुवार को पटेल चौक, मुर्रामकला गांव के समीप हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, अंचल अधिकारी सुदीप एक्का, रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू कराया है। जानकारी के अनुसार मुर्रामकला गांव की ही कुछ बच्चियां महाअष्टमी के दिन पूजा करने के लिए घर से निकली थी। राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चढ़ने के दौरान ही तेज गति से आ रहे चावल लदा ट्रक (यूपी 44 एटी 2365) उन लोगों पर ही पलट गया। इस हादसे में घटनास्थल पर ही एक बच्ची मनीषा कुमारी की मौत हो गई। दो अन्य बच्चियों की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। एक अन्य गंभीर रूप से घायल बच्चे का इलाज चल रहा है। सभी बच्चों की उम्र 12 से 15 वर्ष के बीच की है।

पटेल नगर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा।

डीसी व एसपी ने काली बाड़ी में पंडाल का किया उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

▸▸ उपायुक्त व एसपी ने आयोजकों को सुरक्षा व्यवस्था व साफ सफाई रखने का दिया निर्देश

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय एवं पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद कुमार सिंह ने गुरूवार यानी नवरात्र के आठवें दिन आयोजित हो रहे शहरी क्षेत्र के सभी प्रमुख पूजा पंडालों का भ्रमण कर माता के दर्शन किए तथा सभी आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा का दर्शन कर आशीर्वाद भी लिया। पूजा समिति के सदस्यों ने उनके स्वागत में माता की चुनरी ओढ़ा कर सम्मान दिया।

इस दौरान उपायुक्त व एसपी ने माता का भोग भी ग्रहण किया। उपायुक्त व एसपी ने जिला भ्रमण के दौरान आयोजकों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था व साफ सफाई बरकरार रखने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी आयोजकों से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महिला एवं पुरुष के अलग अलग निकास व प्रवेश द्वार की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने आयोजन स्थल पर सीसीटीवी, अग्निशमन, बिजली, प्रकाश आदि की व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। पंडाल भ्रमण के दौरान आयोजकों द्वारा आकर्षक पंडाल एवं अच्छी व्यवस्था को देख उपायुक्त ने खुशी जाहिर की तथा उपस्थित पूजा समिति के सदस्यों को दुगार्पूजा की शुभकामनाएं दी। शहरी क्षेत्र के सभी पूजा पंडालो के भ्रमण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी अशोक कुमार मौजूद थे।

मां सिद्धि दात्री की प्रतिमा का खुला पट

टाटीझरिया। झंडा चौक के रास्ते काली बाड़ी रोड़ सब्जी मंडी स्थित जय मां काली पूजा समिति के ओर से विगत 2021 ई.से लगातार चार वर्षो से बहुत ही धूमधाम से आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष के नवरात्र माता दुर्गा की पूजा अर्चना आराधना बहुत ही धूमधाम से किया जा रहा है। समिति के ओर से बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला उपायुक्त नैंसी सहाय व एसपी अरविंद कुमार सिंह संग जिले के कई पदाधिकारी गण थे । गुरुवार को पूजा स्थल क्षेत्र का निरीक्षण किया। उसके बाद पूजा मंडप का प्रवेश रिबन काटकर समिति के अध्यक्ष सचिव सदस्यों संग किया माता का पट खुलते ही हर्षोल्लास के साथ आचार्य पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण कर पूजा किया। बाद में समिति के लोगो ने मौजूद पदाधिकारी गनों को चुनरी ओढ़ाकर और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। वही पत्रकार वातार्लाप में डीसी एसपी ने कहा की जिले के सभी पूजा पंडालों में सरकार के नियमो को पालन करवाने और शांति व्यवस्था बनाने को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद है।

चतरा एवं हजारीबाग जिला के कई काण्डों में थे वांछित

टीएसपीसी का सब-जोनल कमांडर मुठभेड़ में ढेर

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। जिले के जोरी में बुधवार को टीएसपीसी और पुलिस के बीच मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए और एक को जिंदा पकड़ा गया। मारे गए नक्सलियों की पहचान उग्रवादी हरेन्द्र गंझू उर्फ रामदास भोक्ता उर्फ सुरेश गंझु उर्फ धुमेश्वर गंझु उर्फ नेता जी और ईश्वरी गंझू उर्फ घुटारी गंझू शामिल हैं। वहीं गिरफ्तार टीएसपीसी उग्रवादी का नाम गोपाल गंझू के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से एके-47, देशी कट्टा, जिंदा गोली, मिस फायर गोली, खोखा, मोटरसाइकिल, मोबाइल आदि बरामद की है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई की प्रतिबंधित टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के सब-जोनल कमाण्डर हरेन्द्र गंझु अपने दस्ता सदस्यों के साथ सदर थाना क्षेत्र के ग्राम-मंगरदाहा जंगली क्षेत्र में भ्रमणशील है तथा किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में हैं। उक्त सूचना का सत्यापन हेतु अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी चतरा के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। उक्त छापामारी दल के द्वारा त्वरीत कार्रवाई करते हुए सघन छापामारी अभियान के दौरान ग्राम-गनियोतरी के जंगली क्षेत्र में टीएसपीसी उग्रवादी दस्ता के साथ हुई मुठभेड, जिसमें टीएसपीसी उग्रवादी संगठन सब-जोनलन कमाण्डर हरेन्द्र गंझू एवं दस्ता सदस्य ईश्वरी गंझु उर्फ घुटारी गंझु मुठभेड़ में मारा गया। वर्तमान में सर्च अभियान जारी है।

मां की आराधना में लीन हुये श्रद्धालु

कोडरमा। जिला मुख्यालय एवं आस पास के क्षेत्रों में दुर्गा पूजा को लेकर उल्लास और उमंग देखा जा रहा है। इसे लेकर गुरुवार को विभिन्न पूजा पंडाल में महाअष्टमी की पूजा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न हुआ। पूजा को लेकर पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, भक्तगण मां की दर्शन कर धन्य हुए। वहीं श्रद्धालु भक्तों ने फल, प्रासाद, चुनरी और अन्य प्रकार के नैवेध समर्पित कर अपने-अपने परिवार की मंगलकामना किया। पूजा पंडालों में ढाक और शंखनाद के गूंज से सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। कोडरमा बाजार स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, बोनाकाली, चाराडीह, करमा, फारेस्ट कॉलोनी, पथलडीहा, लोकाई, इंदरवा समेत विभिन्न जगहों पर स्थापित किये गए मां की प्रतिमा को दर्शन करने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, आदिशक्ति मां अम्बे की दर्शन कर लोगों में उत्साह देखा गया। मौके पर समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, अजय पांडेय, गौतम राणा, विनय सिंह, मनोज कुमार झुन्नू, विजय सिंह, अनिमेष सिंह, जयप्रकाश राम, दयानन्द सिंह, गणेश राम, बादल सिंह आदि मौजूद थे।

मनोज चंद्रा ने गरबा नृत्य का किया शुभारंभ

गिद्धौर। सिमरिया विधानसभा के विधायक प्रत्यासी मनोज चंद्रा, समाजसेवी व युवा नेता बैद्यनाथ कुमार दांगी, समाजसेवी यदुनंदन पांडेय, बहादुर दांगी, बिनोद ठाकुर, कामदेव दांगी, भूनेश्वर दांगी, सिमरिया मुखिया संघ अध्यक्ष विनोद महतो ने गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित ठाकुरबारी परिसर में आयोजित डांडिया गरबा नृत्य के शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान मनोज चंद्रा ने कहा कि गिद्धौर जैसे गांव में इतनी भव्य और आकर्षक पंडालों का निर्माण किया गया है कि यह पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने ग्रामीणों से इस परंपरा को निरंतर बनाए रखने की अपील की और डांडिया गरबा नृत्य के कलाकारों को अन्य क्षेत्रों में भी परिश्रम और मेहनत कर माता-पिता और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पत्रिका पूजन को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

चतरा। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मयूरहंड ढोढी मंधैनिया दुर्गा पूजा समिति द्वारा नव पत्रिका पूजन एवं मां दुर्गा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गुरुवार को भब्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी, जिला परिषद सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, मुखिया मंजित सिंह, मुखिया रामनाथ यादव ने संयुक्त रुप से कलश यात्रा में शामिल कन्याओं को आरति उतार कर एवं नव पत्रिका पूजन डोली में कंधा देकर यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा मां दुर्गा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर भक्ति जागरण के अलावा गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण करते हुए कलश यात्रा मंधैनिया आहर पहुंचा। जहां मुख्य पूजा आचार्य बरुण इंद्रगुरु द्वारा वैदिक मंत्रोचारण कर कलश में जल भरवाया गया और नव पत्रिका पूजन कर मां दुर्गा मंदिर में कलश स्थापित कर मां दुर्गा का प्रण प्रतिष्ठा करवाया गया और भक्तो के दर्शन हेतू मां दुर्गा का का कपाट खोल दिया गया। इस अवसर पर दुर्गा पूजा समिति द्वारा कलश यात्रा में शामिल नव कन्याओं को पैर धोकर पूजन कराने के साथ महाप्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर पूजा समिति अध्यक्ष बाबूलाल दांगी, रामबच्चन दांगी, योगेंद्र सिंह, सूरज कुमार सिंह, नरसिंह दांगी, विजय दांगी, उमेश यादव, अच्छुत कुमार सिंह, सिकेंद्र महतो के अलावा सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

महिला के गले से सोने का चेन काटकर ले उड़े चोर

डोमचांच (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कालीमंडा दुर्गा पूजा पंडाल में गुरुवार को पूजा करने गई दुरोडीह की एक महिला के गले से चोरों ने भीड़ का फायदा उठाकर सोने का चेन काटकर चोरी कर लिया। वहीं सीसीटीवी चालू नही रहने के कारण सोने की चेन चोरी करने वाले चोरों का पता नही चल सका। मिली जानकारी के अनुसार चोरी की गई सोने के चेन 8 ग्राम का था, जिसकी कीमत लगभग 60 हजार आंकी गई है। वहीं महिला ने बताया कि अपने पति के साथ सुबह 10 बजे पूजा करने कालीमंडा स्थित दुर्गा पूजा गई हुई थी, इस दौरान भीड़ काफी ज्यादा था। पूजा करने के दौरान ही चोरों ने महिला के गले से सोने की चेन काटकर चोरी कर लिया, मैं जब पूजा कर पूजा पंडाल के बाहर आई, तो देखा कि गले से सोने का चेन गायब है, जिसके बाद पूजा स्थल के आस-पास बहुत खोजबीन किया लेकिन कुछ पता नही चला। जिसके बाद समिति के लोगों से सीसीटीवी चेक करने की बात कही, तो समिति के लोगों ने कहा कि सीसीटीवी चालू नही है, जिसके कारण चोरों का पता नही चल सका। वहीं घटना को लेकर इसकी सूचना डोमचांच पुलिस को दी गई। जिसके बाद डोमचांच पुलिस छानबीन करने पूजा पंडाल पहुची, मगर सीसीटीवी चालू नही रहने के कारण कुछ पता नहीं चला। वहीं पूजा पंडाल में कोडरमा पुलिस की ओर से पंपलेट लगाया गया है कि आप सीसीटीवी के निगरानी में हैं, मगर सीसीटीवी इंस्टाल ही नही किया गया है। इसी कारण प्रत्येक वर्ष पूजा पंडालों में चोरों का मनोबल बढ़ जाता है। समिति और पुलिस की सुस्त कार्यशैली के कारण चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

12 घन्टे के अंदर अप्राथमिक अभियुक्त हजारीबाग से गिरफ्तार

कोडरमा। जयनगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत परसाबाद स्थित मोबाईल दुकान में चोरी की घटना घटित होने की सूचना पर एसपी अनुदीप सिंह ने सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए आदेश जारी कर एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। वहीं गठित टीम के द्वारा सीसीटीवी फूटेज एवं अन्य सूत्रों के आधार पर छान-बीन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घन्टे के भीतर अप्राथमिक अभियुक्त 19 वर्षीय अनीश नायक पिता अर्जुन नायक दिग्वार थाना चलकुशा हजारीबाग निवासी को उसके घर से गिरफ्तार करते हुए घटना में प्रयुक्त ग्लैमर मोटरसाईकिल एवं चोरी किए गए 23500 रूपये भी बरामद की गई। इस संबंध में जयनगर थाना काण्ड सं 192/24 के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। छापामारी दल में पुअनि बब्लु कुमार, थाना प्रभारी जयनगर पुअनि विकास कुमार, सअनि हांसदा, परसाबाद पीकेट, तकनिकी शाखा एवं सशस्त्र बल, जयनगर थाना के जवान शामिल थे।

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN: U40108JH2013SGC001702)
ELECTRIC SUPPLY AREA, HAZARIBAG
JULU PARK, HAZARIBAG PIN – 825301
e-mail id: general.manager12@gmail.com Phone/FAX : 06546-226949/ 272570

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tenders in two parts (Part-I Technical & commercial and Part –II price part) subscribed on sealed in one envelope are invited from the reputed firms/agencies having good experience of following same type of Civil Works and having sound financial status.:-

Sl. No.	N.I.T. No.	Name of work	Estimate Cost (In Rs.)	Cost of B.O.Q in Rs. (Non-refundable)	Earnest money To be deposited in Rs.	Time of completion of the work
01	211/PR/JBVNL/ 24-25	Construction of new ladies and gents toilet in office of Electric Supply circle, Ramgarh.	8,29,100/-	1475/-	16,600/-	04 Month
02	212/PR/JBVNL/ 24-25	Roof treatment & allied civil works at Electric Supply Area, Jullu Park, Hazaribag.	3,79,089/-	885/-	7600/-	02 Month

1. Last date for sale of tender documents up to. 23.10.2024
2. Last date & time for submission of Tender- 24.10.2024 upto 1:00 P.M.
3. Date & time for opening of Tender 24.10.2024 at 1:30 P.M.
1. Tender documents can be purchased from the office of the undersigned from any working day till one day before the date of submission of tender in working hours on depositing cost of B.O.Q. with Accounts Officer, Electric Supply Area, Hazaribag in shape of Demand Draft/RTGS/NEFT etc.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों के टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager (Technical)
Electric Supply Area, Hazaribag

PRNO 338677 Jharkhand BijleeVitran Nigam Ltd.(24-25)

कृषि, पशुपालन एवंसहकारिताविभाग, झारखण्ड, रांची।
(उद्यान प्रभाग)
कार्यालय, जिलाउद्यानपदाधिकारी, सिमडेगा
Email id-simdegaagriculture@gmail.com.com

आमसूचना

विभागीय राज्यादेश सं0– 42 दिनांक 24.07.2024 के आलोक में वित्तीय वर्ष–2024–25 में उद्यान विकास की योजना अन्तर्गत उपयोजना "**प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग**" के प्राप्त लक्ष्य के अनुसार शहरी इलाकों एवं उनसे सटे हुए आस–पास के शहरी क्षेत्रों में बसे हुए परिवार के घरों के आवासीय परिसरमें खाली पड़े भू–खण्डों सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्ता युक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों, फूलों एवं फलों के उत्पादन किये जाने हेतु इच्छुक लाभुकों से आवेदन की माँग की जातीहै।इस योजना का कार्यान्वयन सरकारी परिसर में शत प्रतिशत अनुदान पर एव निजी व्यक्तियों के Terrace Gardening एवं आवासीय परिसर में खाली पड़े भू–खण्डों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर किया जायेगा। योजना का लाभ प्राप्त करने हेत **दिनांक 24.10.2024** तक जिला उद्यान कार्यालय, सिमडेगा में आवेदन जमा कर सकते हैं।

नोटः–

1. ST, SC तथालघु ,सीमांत एवंमहिला कृषकोंकोप्राथमिकतादीजायेगी।
2. अपूर्ण आवेदन स्वतः रद्द समझा जायेगा।
3. योजना के संदर्भ में विशेष जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र की प्राप्ति हेतु जिला उद्यान कार्यालय, सिमडेगा से सम्पक किया जा सकता है।

जिला उद्यान पदाधिकारी
सिमडेगा।

PRNO 338704 SIMDEGA (24-25)

झारखण्ड सरकार
मंडल कारा, गुमला
गृह, कारा, एवं आपदा प्रबंधन विभाग
दूरभाष सं0 06524-223104 ½KO½
e-mail Id. jailsuperintendent.gml@gmail.com/dj-gumla@jharkhandmail.gov.in

ई0–निविदा सूचना

1.	कारा का नाम	**मंडल कारा, गुमला।**
2.	विषय	कारा में संसीमित बंदियों के भोजनादि की व्यवस्था हेतु विभिन्न प्रकार खाद्यान्नों, हरी सब्जियों, आलू, फल, चीनी एवं अन्य विविध सामग्रियों के क्रय/आपूर्ति के निमित्त ई0–निविदा का आमंत्रण। प्रथम त्रैमासिक निविदा (दिनांक 01.01.2025 से 31.03.2025)
3.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (Non Refundable) Online स्वीकार की जायेगी।	5,000.00 (पाँच हजार) मात्र।
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र के उपलब्ध की तिथि एवं समय।	तिथि–23.11.2024 से 30.11.2024 के अपराह्न 4:00 बज तक।
5.	निविदा online upload करने की तिथि।	तिथि–23.11.2024 से 30.11.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक।
6.	आपूर्ति हेतु खाद्य सामग्रियों का नमूना (sample)जमा करने की तिथि।	तिथि–02.12.2024 से 03.12.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
7.	अग्रधन राशि (EMD) (2500/–से अधिक होने पर) जमा करने की तिथि।	तिथि–02.12.2024 से 03.12.2024 के अपराह्न 4:00 बजे तक कार्यालय अवधि में जमा करना होगा।
8.	निविदा के खुलने की तिथि/समय/स्थान।	तिथि–05.12.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त की उपस्थिति में।

नोटः–

1. उपर्युक्त निविदा झारखण्ड सरकार की वेबसाईट https://jharkhandtender.gov.in पर केवल e-Tender के माध्यम से प्राप्त/स्वीकृत की जायेगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल online ही स्वीकार की जायेगी।
3. अतिरिक्त सूचना प्राप्ति हेतु मंडल कारा, गुमला के कार्यालय में कार्यालय अवधि में सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है। e-Tender को online upload करने से संबंधित जानकारी हेतु कार्यालय अवधि में Helpline No. 9430342752 से सम्पर्क किया जा सकता है।

काराधीक्षक
मंडल कारा, गुमला।

PRNO 338645 Home (24-25)

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-2, राँची
अल्पकालीननिविदा आमंत्रण सूचना संख्या-45/2024-25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 25.10.2024 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 26.10.2024 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 26.10.2024 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचलसं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Supplying and Installation of Flameproof Light in the Record Room of New High Court Building of Jharkhand at Dhurwa, Ranchi	42,13,400.00	5000.00	84500.00	3 Months
2	Supplying Fitting & Fixing of Door fittings, Bathroom fittings, Repairing of False Ceiling and other essential work at New High Court Building of Jharkhand at Dhurwa, Ranchi	27,08,400.00	5000.00	54500.00	2 Months
3	Renovtion of Room No.-211, 212 & 212A (Office of the Hon'ble Minister Chamber, Department of Women, Child Development & Social Security) at Second Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	19,73,700.00	5000.00	40000.00	2 Months
4	Renovation of Room No.-45 (Secretary Cell, Department of Revenue, Registration & Land Reforms) at Ground Floor of Project Building and Main Entrance Portico & South Engrance Portico of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	18,97,800.00	5000.00	38000.00	2 Months
5	Renovation of Room No.-12 (Secretary Cell, Building Construction Department) at Ground Floor of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	4,62,900.00	750.00	10000.00	1 Month
6	Renovation of Main Building at Chief Secretary Residence at Dindayal Nagar, Booty Road, Morabadi, Ranchi	36,19,900.00	5000.00	72500.00	3 Months
7	Renovation "E" Type Qtr. No.-297 at Sector-2, HEC, Dhurwa, Ranchi	42,54,400.00	5000.00	85500.00	3 Months

नोट : निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PRNO 338728 Building (24-25)

कार्यालयः–असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, कोडरमा Sadar Hospital Campus, Koderma (Jharkhand) 825410
E-mail:- cs.koderma4@gmail.com

ई–निविदा सूचना

Tender No:_KOD/03/2024 (Estb.) Dated 08-10-2024

NOTICE INVITING E-TENDER FOR OUTSOURCING OF AGENCY FOR COMPLETE SANITATION AND HOUSE KEEPING WITH COLLECTION, SEGREGATION, STORAGE, AND SAFE TRANSPORTATION OF MUNICIPLE WASTE & SEGREGATION OF BIOMEDICAL WASTE AT SADAR HOSPITAL/ CHC/PHC/etc.

A.	Important dates for Tenders	
1	Date of uploading of sample tender document on website.	**14-10-2024** (The intending bidder may visit NIC website : www.jharkhandtenders.gov.in
2	Pre bid meeting for discussion on various technical Issues regarding terms & conditions	On **21-10-2024 at 03.00 P.M** at Civil Surgeon-Cum-Chief Medical Officer, Koderma. All the intending bidders must attend the pre-bid discussion meeting for clarification of their queries & requirements of Authority. No claims will be considered after pre-bid meeting and finalization of tender documents.
4	Date of start for submission of online e-tenders	**30-10-2024 from 10.00A.M**
5	Closing date of online submission of e-tenders	**06-11-2024 up to 05.00 P.M**
6	Opening of technical bid	**11-11-2024 at 11:00 A.M.**
7	अग्रधन की राशि	Bid Security/Earnest Money Deposit (EMD) (400000/-) Submission through online payment gateway.
8	ई–निविदा हेतु आवेदन भुल्क की राशि	submit Bidding Document Fee(Non-Refundable)Rs. 2000.00 (Rupees Two Thousand) Submission through online payment gateway.
9	निविदा आंमत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	Civil Surgeon Cum CMO Koderma
7	निविदा आंमत्रित करने वाले पदाधिकारी का दूरभाश संख्या	9934337941
	हेल्पलाईन निविदा से संबधित दूरभाश संख्या	7004884765, 9835755828

Note : 1. For details of tender terms, conditions & specification please visit website : www.jharkhandtenders.gov.in from 14-10-2024 for sample tender paper to attend the pre-bid meeting.
2. Before participating the pre bid the bidders may physically visit (Name of the hospital/ Institute) premises for assessment of the scope and area of work and they may discuss with (SADAR HOSPITAL/All CHC/SDH/PHC/Office in Koderma District). Authority regarding their queries.
3. In case on any of the above last date, if announced government holiday, the tender process will continue on the very next working day on the same time and venue.

Civil Surgeon Cum
Chief Medical Officer, Koderma.

PRNO 338500 Health Med Edu and Family Welfare (24-25) .

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-2, राँची
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-44/2024-25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 24.10.2024 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 25.10.2024 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.10.2024 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचलसं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of Room No.-101 to 110 with Verandah in G.F and Road Construction Department in First Floor of Engineering Hostel No.-02 at HEC, Dhurwa, Ranchi	11,84,100.00	2500.00	24000.00	2 Months
2	Renovation of B Type Qtr. No.-1036 (F.F) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,95,900.00	750.00	8000.00	1 Month
3	Renovation of "AOHC" Type Qtr. No.-7 in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	6,94,350.00	1250.00	14000.00	1 Month
4	Renovation of "B" Type Qtr. No.-2191 (G.Fl.) Boundary Wall and Parking Shed in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	4,98,800.00	750.00	10000.00	1 Month
5	Renovation of B Type Qtr. No.-1173 in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,97,200.00	750.00	8000.00	1 Month
6	Renovation of Room No.-202, 203, 204, 206, 215, 216, 217 and Verandah of Technical Examination Cell of Mantrimandal Sachiwalay and Vigilance Department in First Floor of Engineering Hostel No.-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	18,30,500.00	5000.00	36500.00	2 Months
7	Renovation of Conference Hall and N.I.C. Officers Chamber and false ceiling, Roller Blind of N.I.C. Office at Engineering Hostel No.1, HEC, Dhurwa, Ranchi	25,22,700.00	5000.00	50500.00	2 Months
8	Renovation to Office, Chamber and Court, Verandah of Education Tribunal Department in Ground Floor of Engineering Hostel No.-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	20,76,100.00	5000.00	42000.00	2 Months
9	E/R to Painting Work at Main Gate (Gate No.-2, Near MDI Building) of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,67,000.00	750.00	6000.00	1 Month
10	Renovation of Special Secretary Chamber Room No.-219 of Matrimandal Sachiwalay and Vigilance Department in First Floor of Engineering Hostel No.-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	6,64,900.00	1250.00	14000.00	1 Month
11	Renovation of "B" Type Qtr. No.-213 (F. Fl.) in Sector-3 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,76,600.00	750.00	8000.00	1 Month
12	Renovation of "B" Type Qtr. No.-1855 (Ground Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,49,950.00	500.00	5000.00	1 Month
13	Renovation of "B" Type Qtr. No.-461 (S. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	3,96,600.00	750.00	8000.00	1 Month
14	Renovation of CD Type Qtr. No.-220 (F.F) at Sector-2, HEC, Dhurwa, Ranchi	4,66,800.00	750.00	10000.00	1 Month
15	Renovation of Main Building, Out house Garage and Barrack of E Type Qtr No-25 at Sector-2 HEC, Dhurwa, Ranchi.	18,46,400.00	5000.00	38000.00	2 Months
16	Renovation of "CDOHC" Type Qtr. No.-718 (F.Fl) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	7,35,700.00	1250.00	15000.00	1 Month

नोट : निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PRNO 338723 Building (24-25)

लोगो को अपनी ओर खींच रहा है चंदवा में बना आकर्षक पूजा पंडाल

भक्तों में अपनी ओर आकर्षित कर रहा है पंचमुखी मंदिर में स्थापित भव्य पूजा पंडाल

- शारदीय नवरात्र के आंठवे दिन मां के भक्तों ने की मां महा गौरी की आराधना

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। शारदीय नवरात्र को लेकर चंदवा में शहर से लेकर गांव का माहौल भक्ति में हो गया है। शारदीय नवरात्र के आंठवे दिन गुरुवार को भक्तों ने विधि विधान के साथ मां के अष्टम स्वरूप मां महा गौरी का विधिवत पूजन किया। सुबह से ही सभी पूजा पंडालों में पूजन को लेकर भक्तों की भिंड देखी गयी। बता दें कि माता देवी का आठवां स्वरूप है महा गौरी यानी पार्वती, सभी पाप कर्मों के काले आवरण से मुक्ति पाने व आत्मा को फिर से पवित्र व स्वच्छ बनाने के लिए अष्टमी को महागौरी की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि मां दुर्गे के सभी रूपों में महागौरी का ही रूप सबसे उत्तम रूप माना जाता है। इधर विद्वानों के अनुसार अष्टमी पूजन के लिए शुक्रवार की अहले सुबह शुभ मुहूर्त बताया गया वहीं इसके पश्चात प्रातः 7:16 बजे तक विधिवत पूजन के उपरांत संधि बलि कार्यक्रम किया जाएगा। संधि बलि के बाद दीप दान व महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इधर प्रखंड के 22 स्थानों पर स्थापित भव्य पूजा पंडाल श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर में बना भव्य पंडाल लोगो के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है जबकि, बुध बाजार, दुबे जी का गोला, शिव मंदिर आन, रक्सी जमीरा, महुआ मिलानस्टेशन, टोरी, हरैया कामता, शिव मंदिर थाना टोली, लुकुईया समेत अन्य पूजा पंडाल भी भक्तों को खूब भा रहा है व भक्त मां का दर्शन कर आशीर्वाद लेते देखे जा रहे हैं। सभी पंडालों में प्रातः काल व संध्या बेला की आरती में मां के भक्तों की भारी भिंड देखी जा रही है।

पंचमुखी मंदिर में बना भव्य पूजा पंडाल।

बुध बाजार चंदवा में स्थापित मां का पूजा पंडाल।

अष्टमी से विजयादशमी तक शहर में शाम में भारी वाहनों की नो एंट्री

इधर शारदीय नवरात्र के शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने को लेकर लातेहार डीसी उत्कर्ष गुप्ता व एसपी कुमार गौरव के निदेर्शानुसार अष्टमी से लेकर विजयादशमी तक संध्या बेला में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर नो इंट्री लगाई गई है। शहर में संध्या 5 बजे से लेकर रात्रि में भींड समापन तक नो एंट्री लगाई गई है। इसको लेकर एनएच 75, एनएच 99 व सीएमएम पथ पर 4 स्थानों पर बेरिकेटिंग पॉइंट बनाया गया है जहां से ट्रैफिक व्यवस्था को कंट्रोल की जाएगी।

महासप्तमी को लेकर निकाला गया भव्य कलश यात्रा, महाकाली महालक्ष्मी, महा सरस्वती का बना स्वरूप, रहा आकर्षण का केंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार। काली मंदिर दुर्गा पुजा समिति के द्वारा बुधवार को महासप्तमी को लेकर शहर में भव्य कलश यात्रा निकाला गया। कलश यात्रा में महाकाली, महालक्ष्मी, महा सरस्वती का आकर्षक स्वरूप बनाकर पूरा शहर भ्रमण कराया गया। वहीं सिविल जज एके शर्मा, डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह के द्वारा माता स्वरूप को चुनरी ओढ़ाकर कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। जो काली मंदिर से प्रारंभ होकर बाईपास होते चाणक्य नगरी स्थित औरंगा नदि से जल लेकर थाना चौक होते हुए मेन रोड होते हुए पुन: काली मंदिर पहुंची। इस दौरान मुख्य पुरोहित संतोष मिश्र के द्वारा नदि तट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जल भरवाया गया फिर काली मंदिर पहुंचते ही मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापित किया गया।

कलश यात्रा में भोला ठाकुर सह पत्नीक मुख्य जयमान के रूप में उपस्थित थे। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सिविल जज एके शर्मा, समिति के संरक्षक डॉक्टर सुरेंद्र कुमार सिंह, समिति के अध्यक्ष जयकुमार सिंह, आलोक वर्मा, गजेंद्र प्रसाद, गोपाल प्रसाद, राजन तिवारी, कुमार सागर, रोहित कुमार, सह सचिव साजन कुमार, मुकेश सोनी, वैभव कुमार, अशीष शाह, शुभम गुप्ता, विशाल विश्वकर्मा अनमोल कुमार आदि उपस्थित थे।

महाकाली, महालक्ष्मी, महा सरस्वती का बना स्वरूप।

डीसी व एसपी ने पूजा पंडालों का लिया जायजा, मत्था टेक लिया मां का आशीर्वाद

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। शारदीय नवरात्र के दौरान जिले में शांति व्यवस्था कायम रखने एवं पूजा पंडालों की विधि व्यवस्था का जायजा लेने बुधवार की देर शाम जिले के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव चंदवा पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा पंडालों में विधि व्यवस्था का जायजा लिया व पूजा समिति के लोगो को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। सर्व प्रथम डीसी व एसपी पंचमुखी हनुमान मंदिर स्थित पूजा पंडाल पहुंचे जहां उन्होंने मत्था टेक कर मां दुर्गे का आशीर्वाद लिया। पंडाल पहुंचे अधिकारियों को पंचमुखी पूजा समिति के सचिव मनोज सिंह ने मां दुर्गे का चुनरी ओढ़ा कर सम्मानित भी किया। इसके पूर्व समाजसेवी राजेश चन्द्र पांडेय व अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से पंडाल का उद्घाटन किया। इसके पश्चात अधिकारियों की टीम बुध बाजार स्थित पूजा पंडाल पहुंचे व पूजा समिति के लोगो से विधि व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान पूजा समिति के अध्यक्ष अजय प्रसाद, संरक्षक महेंद्र प्रसाद साहू व अन्य ने अधिकारियों को चुनरी ओढ़ा कर सम्मानित किया। मौके पर एसडीओ अजय कुमार रजक, एसडीपीओ अरविंद कुमार, सीओ जयशंकर पाठक, इंस्पेक्टर रणधीर कुमार, बीडीओ चंदन प्रसाद समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

समिति के सचिव डीसी व एसपी को सम्मानित करते हुए।

डीसी व एसपी को सम्मानित करते हुये।

मंत्री वैद्यनाथ राम व सीओ और थानेदार ने कई पूजा पंडालो का भ्रमण कर किया निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

बारियातू। थाना क्षेत्र के सभी पूजा पंडालो का निरिक्षण सीओ सह बीडीओ नंद कुमार राम थाना प्रभारी राजा दिलावर ने किया। निरिक्षण के दौरान फुलसु, डाढा, टोटी, हेसला, भाटचतरा, राजगुरु, गोनिया, बठेठ, बारियातु का दौरा मंत्री वैद्यनाथ राम सीओ सह नंद कुमार राम थाना प्रभारी राजा दिलावर ने सभी पूजा स्थल मे भ्रमण कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं उपस्थित पूजा समिति मे चयनित स्वयं सेवकों को आईडी कार्ड पहन कर रहने का दिशा निर्देश दिया गया साथ ही पूजा स्थल मे आने वाले श्रद्धालूओं के साथ नम्रता से पेश आने और लोगों को सहयोग करने की अपील की। सभी पूजा पंडाल मे सीसीटीवी लगाए रखने व बाहर मे जिला प्रशानिक पदाधिकारीयों का संपर्क नंबर लगाए रखने का भी निर्देश दिया। पूजा मे आने वाले भक्तों के लिए महिला पुरुष का अलग अलग निकास द्वार का ब्यवस्था करने की बात कही। आग से निपटने के लिए फायर फाइटर उपलब्ध रखने निर्देश दिया। प्रशासन के पहल पर आग से निपटने के लिए पानी टंकी का भी व्यवस्था कराया गया। बारियातू प्रखंड मुख्यालय सहित सभी पंचायतों में दुर्गा पुजा को लेकर थाना प्रभारी राजा दिलावर व प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी नंद कुमार राम के संयुक्त नेतृत्व में फ्लैग मार्च भी निकाला गया। इस दौरान उन्होने क्षेत्र के पुजा समिति सदस्यों से मिलकर विधि व्यवस्था से संबंधित जानकारी लिया। शांति व्यवस्था के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में दुर्गा पुजा मनाने की अपील किया.थाना प्रभारी राजा दिलावर ने असमाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखते की बात कही। उन्होने कहा कि किसी भी तरह के असमाजिक घटना की सूचना प्रशासन को दे। प्रशासन तत्वरित कारवाई करेगी। शांति व्यवस्था भंग करने वालो को बक्सा नहीं जाएगा साथ ही बताया की वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया कई लोगों को हिदायत देकर छोड़ा गया दुर्घटना को नियंत्रण करने के उदेश्य से लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जायेगा लोगों से यातायात नियम को पालन करने और पुलिस को सहयोग करने का आग्रह किया। मंत्री वैद्यनाथ राम ने क्षेत्रवासियों को पूजा मे सहयोग करने की अपील की और भाई चारगी के साथ पूजा सफल बनाने व सभी को मिल जुलकर दुर्गा पूजा सफल करने की नशीहत दिया। मौके पर राजेंद्र गंझु, रीगन कुमार सहित आसपास के काफी संख्या मे ग्रामीण मौजूद थे।

निरीक्षण करते मंत्री व अन्य।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश चंद्र पांडेय ने किया पंचमुखी हनुमान मंदिर का उद्घाटन

लातेहार। जिले के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, एसपी कुमार गौरव चंदवा पहुंच कर दुर्गा पूजा पंडाल का किया निरक्षण वही पंचमुखी हनुमान मंदिर पहुंचकर मत्था टेक लिया मां दुर्गे का आशीर्वाद वही पूजा पंडाल का उद्घाटन जिले के वरिष्ठ पत्रकार राजेश चंद्र पाण्डेय ने किया। सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी को मां की चुनरी ओढ़ा कर सभी अतिथियों का जोरदार स्वागत किया. वही जिले के अधिकारीयों ने शामिल पूजा समिति के लोगों से विधि व्यवस्था की जानकारी भी लिया, मौके पर एसडीओ अजय कुमार, एसडीपीओ अरविंद कुमार, सीओ जयशंकर पाठक, बीडीओ चंदन प्रसाद,समिति के अध्यक्ष रंगीत गुप्ता, प्रहलाद वर्मा, राजकुमार गुप्ता, जायकिशोर सिंह, सतीश प्रशाद, राकेश सिंह, अमित कुमार, निखिल सिंह, मनु गुप्ता, मोहिनीश कुमार, हेमंत, नरेन्द्र सिंह जडेजा, मनोज गुप्ता समेत समिति के सैकड़ो सदस्य मौजूद थे।

उद्घाटन करते राजेश चंद्र पाण्डेय।

आरएसएस के द्वारा कन्या पूजन कार्यक्रम संपन्न

लातेहार। दुर्गा पूजा के पावन अवसर जहां पूरा देश धूम धाम से माँ को प्रसन्न करने में लगा हुआ हैं। तो वही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ चंदवा के द्वारा सुदूरवर्ती लुकिया गांव में पहुंच कर नवकन्या पूजन का कर्यक्रम किया गया। जिसमे कन्याओ सहित सैकड़ो की संख्या में मातृ शक्ति उपस्थित थी। आपको बताते चले की कार्यक्रम में 31 कन्याओं को भोजन करा कर उन्हें उपहार भी भेट किया गया। कार्यक्रम में अपने बौद्धिक के दौरान राजेश चंद्र पाण्डेय ने सनातन संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा की हमारी संस्कृति वैदिक काल से चली आ रही हैं। हमें इसके महत्व को समझना चाहिए और आने आने वाली पीढ़ी को बताना चाहिए की हमें अपने राष्ट्र और अपने धर्म को जानना चाहिए वही कार्यक्रम में मुख्य रूप से खंड कार्यवाह डॉ अनिल, नरेश प्रसाद, राजेश चंद्र पाण्डेय, नरेन्द्र अग्रवाल, हरी सिंघल, महेन्द्र अग्रवाल, मोहिनीश कुमार, सुधीर कुमार, राकेश सिंह, नितीश तिवारी, प्रदीप कुमार,पियूष अग्रवाल, संपर्क प्रमुख सौरभ पाण्डेय, निर्मला देवी, कृति देवी, रीती कुमारी,रीमा देवी सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्तिथ थे।

कन्या पूजन करते संघ के लोग।

चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ

मनिका। मनिका प्रखंड मुख्यालय स्थित बंदुआ गांव में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्रि के अवसर पर चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ग्राम प्रधान महावीर प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार साहू,प्रमुख प्रतिमा देवी,बंदुआ पंचायत मुखिया अनीता देवी,राजद नेता रघुपाल सिंह,समेत अन्यों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर पूजा कमेटी के सभी सदस्यों को पंचायत के मुखिया व उप मुखिया के द्वारा बैच पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में रांची के मशहूर कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक गीत-संगीत व नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को भरपूर मनोरंजन करवाया जा रहा था। मौके पर कमिटी के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, कोषाध्यक्ष रामसेवक उरांव, सचिव भरदुल सिंह, शंभू यादव, दामोदर यादव, धर्मेंद्र प्रसाद, संतोष प्रसाद, ओम प्रकाश यादव, हरिशंकर यादव, अनिल पासवान,बिट्टू कुमार,पिंटू प्रसाद,धनंजय प्रसाद,लालू प्रसाद, छोटेलाल प्रसाद, शिव प्रसाद,भोला प्रसाद, कुलदीप साव,सुधीर प्रसाद, भोला यादव, सरजू यादव,समेत कई लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते लोग।

स्व.गौरी प्रसाद साहू का मनाया गया 17वां पुण्यतिथि

- पुण्यतिथि पर फुटबॉल टूनार्मेंट का किया गया आयोजन
- मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू व विधायक रामचंद्र सिंह

खबर मन्त्र संवाददाता

मनिका। मनिका प्रखंड मुख्यालय के एसबीआई रोड स्थित जगपति भवन में कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सह समाजसेवी स्वर्गीय गौरी प्रसाद साहू का 17वां पुण्यतिथि दिन गुरुवार को श्रद्धांजलि समारोह के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित किया और 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। वहीं श्रद्धांजलि सभा संपन्न होने के उपरांत प्रखंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल के खेल के मैदान में यशकायी गौरी प्रसाद साहू मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, विशिष्ट अतिथि स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह, राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता,वरिष्ठ समाजसेवी पश्चिम बंगाल रितेश जयशवाल, युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब आलम, बड़कू दुबे, प्रमोद प्रसाद सिंह, इस्तखार अहमद पंकज तिवारी, समेत अन्यों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व बॉल को किक मारकर टूनार्मेंट के शुरूआती मैच का शुभारंभ किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने अतिथियों के समक्ष स्वर्गीय गौरी प्रसाद साहू का प्रतिमा स्थापित करवाने की मांग किया। मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि स्वर्गीय गौरी प्रसाद साहू हमारे परम मित्र थे और अचानक हम लोगों के बीच से उनका चले जाना बहुत ही दुखद है। उन्होंने कहा कि पिता के याद में उनके पुत्र राजीव रंजन कुमार साहू,रंजीत कुमार साहू व सुजीत कुमार साहू के द्वारा प्रतिवर्ष फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जाता है जो एक समाज सेवा का कार्य है भगवान सभी को ऐसा पुत्र दें जो अपने पिता के आदर्शों पर चलकर समाज की सेवा करें और अपने पिता का मान बढ़ाए रखें। मौके पर विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि जो समाज हित के लिए कार्य करते हैं उनको समाज के लोग हमेशा याद करते हैं। स्वर्गीय गौरी प्रसाद साहू के प्रतिमा लगाने की मांग पर निश्चित रूप से विचार किया जाएगा। मौके पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने कहा कि स्वर्गीय गौरी प्रसाद साहू समाजसेवी और संघर्षशील कांग्रेसी नेता थे उन्होंने अपने जीवन काल में गरीबों को निःस्वार्थ भाव से मदद करने का काम किया। मौके पर प्रमुख प्रतिमा देवी,विधायक प्रतिनिधि दरोगी प्रसाद यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान, जिप सदस्य बलवंत सिंह, सुरेंद्र भारती, पूर्व जिला सांसद प्रतिनिधि लव कुमार दुबे, पंकज तिवारी,मिथिलेश पासवान, ओम प्रकाश यादव,समेत कई लोग उपस्थित थे।

टूनार्मेंट में उपस्थित अतिथि व अन्य।

दुर्गा पूजा को लेकर एसडीपीओ की अगुवाई में निकला फ्लैग मार्च

बालूमाथ। दुर्गा पूजा के मद्देनजर बालूमाथ पुलिस प्रशासन पूरी तरह से चौकस है जिसका संदेश देने के लिए फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। लातेहार एसडीपीओ संजीव कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बालूमाथ में दुगार्पूजा को सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान लोगों से शातिपूर्ण माहौल में पर्व को मनाने की अपील की गई। फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकलकर शहीद चौक, ब्लॉक कॉलोनी, छठ तालाब, टमटमटोला चौक होते हुए वापस थाना पहुंचा। मौके पर बोलते हुए एसडीपीओ संजीव कुमार मिश्रा ने कहा की असामाजिक तत्वों एवं उपद्रवियों पर पुलिस की पैनी नजर है। सोशल मीडिया पर भी पुलिस द्वारा विशेष निगाह रखी जा रही है। अफवाह फैलाने वाले लोगों एवं त्यौहार में खलल डालने वाले लोग बक्से नहीं जाएंगे। वही बालूमाथ सर्किल इंस्पेक्टर परमानंद बिरुआ,बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत उपाध्याय ने कहा कि पुलिस प्रशासन त्यौहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर कटिबद्ध है सरकार द्वारा निर्देशित गाइडलाइन के तहत त्यौहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जाएगा। फ्लैग मार्च में पुलिस व प्रशासन के अधिकारी तथा सशस्त्र जवान सड़क पर कतारबद्ध होकर चल रहे थे।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन: -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

अज्ञात टेंपो ने दुर्गा पूजा समिति के सदस्य को मारा धक्का, घायल

अस्पताल में नहीं थी व्यवस्था पूजा समिति के सदस्यों ने किया जमकर हंगामा

खबर मन्त्र संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के सदस्य राजू उरांव 26 वर्ष पिता लाला उरांव ग्राम ओल्हे पाठ थाना बालूमाथ को अज्ञात टेंपो ने पंडाल के समीप धक्का मार दिया। जिससे राजू उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया। अन्य दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने उसे घायल अवस्था में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां ना कोई चिकित्सक उपलब्ध था ना कोई ड्रेसर ड्यूटी में तैनात एएनएम एवम एक्सरे टेक्नीशियन ने यह कहते हुए इलाज करने से इनकार कर दिया कि अस्पताल में ना बैंडेज है ना पट्टी है ना किसी प्रकार का कोई दवा उपलब्ध है। वहीं अस्पताल परिसर में पूरा अंधेरा छाया हुआ था। जिसे सुनकर पूजा समिति के सदस्यों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। बाद में ओटी असिस्टेंट मोहम्मद मजहर एवं आयुर्वेद चिकित्सक डॉ सुरेन्द्र कुमार अस्पताल पहुंचे। जहां हंगामा के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने पूजा समिति के लोगों से कहा कि यह हॉस्पिटल ऐसे ही चलता है आपको जहां कंप्लेंन करना है कर ले कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसके बाद दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने लातेहार उपयुक्त उत्कर्ष गुप्ता को कॉल कर अव्यवस्था की शिकायत की। लातेहार उपायुक्त ने गंभीरता से लेते हुए लातेहार सिविल सर्जन को तत्काल निर्देश दिया कि अस्पताल की व्यवस्था को दुरुस्त करें एवं जो भी दोषी है उस पर अभिलंब कार्रवाई करें। इसके बाद बालूमाथ बीडीओ सोमा उरांव एवं लातेहार सिविल सर्जन अवधेश सिंह ने ड्यूटी में तैनात चिकित्सक एवं कर्मियों को जमकर फटकार लगाई।

इसके बाद अस्पताल परिसर से ही बैंडेज पट्टी निकालकर मोबाइल टोर्च की रोशनी पर घायल युवक का प्राथमिक ईलाज किया गया। वहीं स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया। बहर हाल जो भी हो बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों अवस्था का आलम कायम है जिससे आए दोनों मरीजों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। एवं यही कारण है कि मरीज अवैध नर्सिंग होम एवं झोलाछाप चिकित्सक के यहां ईलाज करने को मजबूर होते हैं।

घायल सदस्य।

चंदवा: चिरो औराही गांव में सरना झंडा किया स्थापित

- सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से मजबूती देगी सरना स्थल: बनेश्वर उरांव

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। प्रखंड के बोदा पंचायत अंतर्गत चिरो गांव के औराही टोला के टोंगरी में गुरुवार को सरना धर्म के लोगों ने सरना झंडा स्थापित किया। इस दौरान विधि विधान से सरना झंडा की पूजा अर्चना की गई व धरती को प्रणाम कर सामूहिक प्रार्थना भी की गई। कार्यक्रम के निमित औराही टोंगरी को आकर्षक तरीके से सजाया संवारा गया था। पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व चरकू पहन कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय जीवन दानी सह सरना धर्म के सामाजिक कार्यकर्ता बनेश्वर उरांव के अलावे प्रखंड पड़हा राजा धनेश्वर उरांव, श्याम सुंदर उरांव समेत अन्य पाहन व धर्मगुरु मौजूद थे। औराही टोंगरी में झंडा स्थापित करने के बाद लोगों ने शहीद नीलांबर-पीतांबर की भी पूजा अर्चना की व नमन किया। इस संबंध में राष्ट्रीय जीवन दानी के श्री उरांव ने कहा कि सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से इस स्थान का लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह अति आवश्यक है। पडहा राजा धनेश्वर उरांव ने कहा कि औराही गांव में अब तक सरना पूजा स्थल नहीं था, सबों के सामूहिक प्रयास के बाद औराही डोंगरी में सरना पूजा स्थल में आज विधि विधान से पूजन संपन्न कराया गया है, यह स्थान गांव के लोगों की रक्षा करेगी। कार्यक्रम के दौरान खरवार भोक्ता समाज के बोदा पंचायत कमेटी का गठन भी किया गया। कार्यक्रम में खरवार भोक्ता समाज के मंगल गंझू, मोनू पाहन, कुलदेव उरांव, रोपण उरांव, अग्नि उरांव, टीवी उरांव, सतपाल पाहन, रमेश उरांव, ऐश्वर्या देवी, नमनी देवी समेत सैकड़ो महिला पुरुष एवं बच्चे मौजूद थे।

झंडा स्थापित करते लोग।

स्पीड न्यूज

टाटा समूह ही नहीं, देश के मूल ढांचे को भी आकार दे विदा हुए अनमोल रतन

रतन टाटा के निधन से एक सदी का अंत हो गया : इंदर अग्रवाल

जमशेदपुर। एसिया अध्यक्ष इंदर अग्रवाल ने अपने शौक संदेश में कहा कि देश के शीर्ष उद्योगपति टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष व पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा के निधन से पूरा देश मर्माहत है। वे देश के महान हस्ती थे। सच मायने में वे देश के रतन थे। आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों का संगठन एसिया के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल ने उनके निधन पर शोक प्रकट करते हुए उपरोक्त बातें कहीं।

लाखों के प्रेरणास्रोत थे रतन टाटा : संतोष सिंह

जमशेदपुर। महान उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक प्रकट करते हुए एसिया उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि वे पूरे उद्योग जगत के नेता थे और लाखों लोगों के प्रेरणास्रोत थे। आज के युग मे उनका जाना शून्य भर देगा। उन्होंने कहा कि रतन टाटा का युवाओं और समाज के प्रति समर्पण अद्वितीय था। उन्होंने उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया है।

देश के लिए अपूरणीय क्षति : दशरथ उपाध्याय

जमशेदपुर। एसिया के ट्रस्टी दशरथ उपाध्याय ने कहा कि महान उद्योगपति रतन टाटा का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती है। उनके निधन से देशवासियों में शोक व्याप्त है। कहा कि वे देश के एक कोहिनूर थे। देश के लिए उन्होंने इतना विरासत छोड़ दिया। उनके निधन से देश ने महान हस्ती खो दिया है। मौके पर उद्योगपति दिलीप गोयल, सुधीर सिंह समेत एसिया के सभी सदस्य व काफी संख्या में उद्यमी उपस्थित थे।

रतन टाटा का निधन अपूरणीय क्षति : सांसद

जमशेदपुर। भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख स्तंभ एवं टाटा उद्योग समूह के पुरोधा रतन टाटा के निधन पर सांसद बिद्युत बरण महतो ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय क्षति है। उनके निधन से जो रिक्तता आई है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती है। उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने एक कई नए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुकाम हासिल किया। सांसद श्री महतो ने कहा कि रतन टाटा चुनौतियों से जुझने वाले बहुत ही संवेदनशील इंसान थे।

टाटा का निधन, एक युग का अंत : दिनेश कुमार

जमशेदपुर। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन और भारतीय उद्योग जगत के महानायक रतन टाटा के निधन पर भाजपा नेता दिनेश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। अपने बयान में उन्होंने कहा, रतन टाटा का निधन केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके नेतृत्व में भारत ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। वे न केवल एक सफल उद्यमी थे, बल्कि समाज सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रतीक भी थे।

हमेशा मजदूरों के दिलों में जिंदा रहेंगे : रामविलास

जमशेदपुर। जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष रामविलास शर्मा ने कहा है कि रतन टाटा जी क निधन उधोग जगत और पुरे विश्व के लिए अपूर्णीय क्षति है। उनके निधन की खबर सुनते ही जमशेदपुर समेत पूरे विश्वकर्मा वंशियों के घरो में शोक की लहर दौड़ गयी है। रतन टाटा मजदूरों के मसिहा थे। मजदूरों के दिलों में हमेशा जिन्दा रहेंगे। मैं उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। रतन टाटा ने भारत के युवाओं को नये अवसर के आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। विश्वकर्मा समाज भारत सरकार को इस दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग करता है।

एक असाधारण लीडर थे रतन टाटा

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। हम अत्यंत क्षति की भावना के साथ रतन नवल टाटा को विदाई दे रहे हैं, जो वास्तव में एक असाधारण नेता थे, जिनके अतुलनीय योगदान ने न केवल टाटा समूह बल्कि हमारे देश के मूल ढांचे को भी आकार दिया है। टाटा समूह के लिए, श्री टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं अधिक थे। मेरे लिए वह एक गुरु, मार्गदर्शक और मित्र थे। उन्होंने उदाहरण से प्रेरणा ली. उत्कृष्टता, अखंडता और नवीनता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, टाटा समूह ने उनके नेतृत्व में अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया, जबकि हमेशा अपने नैतिक दायरे के प्रति सच्चा रहा। परोपकार और समाज के विकास के प्रति श्री टाटा के समर्पण ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक, उनकी पहल ने गहरी छाप छोड़ी है जिससे आने वाली पीढ़ियों को लाभ होगा। इस सभी कार्य को सुदृढ़ करना श्री टाटा की प्रत्येक व्यक्तिगत बातचीत में वास्तविक विनम्रता थी। पूरे टाटा परिवार की ओर से, मैं उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

एन. चंद्रशेखरन, चेयरमैन, टाटा संस।

रतन टाटा उद्योग और राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान के लिए याद कियें जायेंगे

जमशेदपुर। रतन टाटा एक असाधारण नेता थे जिन्होंने महान दूरदर्शिता के साथ नेतृत्व किया और जिन्होंने हमेशा हमें अपनी आकांक्षाओं की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्योग, परोपकार और राष्ट्र-निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान ने समाज पर एक अमिट छाप छोड़ी है। श्री टाटा ने कुछ बेहद चुनौतीपूर्ण और परिवर्तनकारी समय में टाटा स्टील का मार्गदर्शन किया। वह अनगिनत व्यक्तियों के गुरु थे, जिन्होंने मानवता की भलाई के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता से हमें प्रेरित किया। दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार के साथ हैं। टाटा स्टील परिवार की ओर से, हम दिवंगत आत्मा के लिए हार्दिक संवेदना और प्रार्थना करते हैं।

टीवी नरेंद्रन, सीइओ एंड एमडी, टाटा स्टील लिमिटेड।

झारखंड से रतन का रहा गहरा जुड़ाव निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति...

जमशेदपुर। ओडिशा के राज्यपाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने महान उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। गुरुवार को जमशेदपुर स्थित एग्रिको आवास पर मीडिया से बात कर उन्होंने कहा कि पद्मश्री रतन टाटा का जाना न केवल जमशेदपुर और टाटा परिवार के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। रतन टाटा ने अपने जीवनकाल में भारतीय उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। रघुवर दास ने रतन टाटा के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में टाटा संस ने 20 से अधिक वर्षों तक देश के औद्योगिक विकास में एक अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने टाटा घराने की नींव को और मजबूत किया और इसे वैश्विक स्तर पर ले जाने का काम किया।

रघुवर दास, राज्यपाल, ओडिसा एवं झारखंड के पूर्व सीएम।

रतन टाटा के महान काम का प्रभाव पीढ़ी दर पीढ़ी देखने को मिलेगा : चाणक्य चौधरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। उनके निधन से हम बेहद दुखी हैं। हम इसलिए भी दुखी हैं कि अब उनका मार्गदर्शन नहीं मिल पायेगा। खुशी इस बात की है कि उन्होंने जो महान काम किए हैं उसका प्रभाव पीढ़ी दर पीढ़ी देखने को मिलेगा। हम अपनी बात करें तो टाटा स्टील में मैं 36 साल से काम कर रहा हूं। शुरुआत के दिनों से जब हम मिले तो मैं ग्रेज्यूएट ट्रेनी था और रतन टाटा नये-नये चेयरमैन बने थे। 1990 का समय था तब टाटा स्टील काफी कठिन समय से गुजर रही थी, उत्पादन लागत ज्यादा थी और उत्पादकता कम थी। तब कंपनी को बचाने के लिए रतन टाटा ने कुछ बेहद मजबूत निर्णय लिए। ये निर्णय इतने स्ट्रांग थे कि हम सब को लगता था कि पता नहीं क्या होगा? कंपनी बचाने के लिए कुछ लोगों को उन्होंने टाटा स्टील परिवार से अलग करने का निर्णय लिया किन्तु इसके पूर्व उन्होंने ऐसे मुआवजा पैकेज बनाये जो कारपोरेट जगत में एक नजीर बना। टाटा स्टील परिवार ने भी खुशी-खुशी इस पैकेज को स्वीकार किया। यूनियन और प्रबंधन सभी को सभी को साथ लेकर चले। जहां तक जमशेदपुर की बात है तो जमशेदपुर रतन टाटा के दिल के बेहद करीब था। इसका कारण भी था कि उन्होंने अपने इंस्ट्रीयल एक्सपीरियंस की शुरुआत जमशेदपुर में टाटा स्टील और टाटा मोटर्स में काम करते हुए लिया था। वे आते थे तो पुराने गुजरे समय को याद करते थे। रतन टाटा एक बहुत अच्छे आर्किटेक्ट थे , वे जब भी जमशेदपुर आते थे तो यहां की बिल्डिंग को बड़े गौर से ऑबजॉब करते थे। मुझे याद है कि 2021 में वे संस्थापक दिवस पर आये थे तो नवल टाटा हॉकी एकेडमी के रेजिडेंसियल बिल्डिंग का उद्घाटन करने के लिए हमलोगों ने उन्हें बुलाया था। वे पुरा कैंपस घुमे और बनाने वाली टीम से बहुत डिस्कस किया। किन्तु मुझे लगा कि बिल्डिंग की दिवार पर उनके पिता सर नोवेल टाटा की उकेरी गयी पेंटिंग पर उनकी नजर नहीं गयी है। जब मैंने उनसे कहा कि सर आपको बिल्डिंग के सामने मैं ले जाना चाहता हूं, तो उन्होंने कहा कि मैंने आते ही देख लिया था कि पापा की पेंटिंग आप लोगों ने बहुत शानदार ढंग से बनवायी है। यह पिक्चर मेरे पापा के अच्छी तस्वीरों में से एक है।

दो चीजें उनकी मुझे बहुत प्रभावित करी है। जब कोरोना आया तो सबसे पहले टाटा ट्रस्ट की ओर से देशवासियों के सहयोग के लिए सबसे पहले सामने आये।

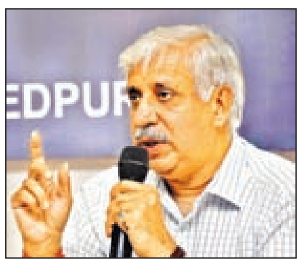

संबोधित करते चाणक्य चौधरी और स्व. डा जेजे ईरानी की धर्मपत्नी डेजी ईरानी शोक पुस्तिका पर अपने विचार लिखते हुए।।

रतन टाटा हमें परिवार का हिस्सा मानते थे : डेजी ईरानी

जमशेदपुर। रतन टाटा के बेहद करीबी एवं टाटा स्टील के पूर्व एमडी स्व. जेजे ईरानी की धर्मपत्नी श्रीमती डेजी ईरानी ने उनके आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने यहां कहा कि रतन टाटा वो शख्यित हैं जिन्होंने टाटा स्टील के खराब दिनों में कंपनी को रास्ते पर लाने के लिए कठोर निर्णय लेने के लिए मेरे पति को पूछी छूट दी बल्कि हमेशा चट्टान की तरह ईरानी साहब के पीछे खड़े रहे। रतन टाटा हमारे तीनों बच्चों को बहुत मानते थे, और उनका मार्गदर्शन करते थे। हम रतन टाटा को हमेशा याद रखेंगे, देश उन्हें याद रखेगा और टाटा परिवार याद रखेगा।

एक नजर में

रतन टाटा जी ने मुझसे पूछा था.. हमारे फाउंडर की बायोग्राफी लिखने की प्रेरणा तुम्हें कैसे मिली?

जमशेदपुर। मैं उन दिनों जमशेदपुर में एक रिसर्च स्कॉलर के रुप में टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा की जीवनी कर्मवीर पुस्तक लिख रहा था। इस पुस्तक को टाटा वर्कर्स यूनियन के आग्रह पर टाटा स्टील के तत्कालीन प्रबंध निदेशक डॉ जेजे ईरानी के के मार्गदर्शन में प्रकाशन कार्य चल रहा था। जब इस पुस्तक की फॉर्वर्डिंग आदरणीय रतन टाटा जी से लिखने का आग्रह किया गया तो उन्होने बहुत ही सधे हुए शब्दों में लिखकर हार्दिक खुशी प्रकट की और जमशेदपुर आए तो टाटा वर्कर्स यूनियन के तात्कालीन अध्यक्ष आरबीबी सिंह ने उनसे मिलाया। फिर उन्होंने पूछा कि हमारे फाउंडर की बायोग्राफी लिखने की प्रेरणा तुम्हे कैसे से मिली? मैंने उन्हें जवाब दिया की सर संस्थापक का राष्ट्रवादी, स्वाभिमानी और जनकल्याणकारी व्यक्तिव ने मुझे उनकी जीवनी लिखने को प्रेरित किया। इसपर उन्होंने कंधे पर हाथ थपथपाकर मुझे प्रोत्साहित किया और बोले की सिस्टम तुम्हे हर संभव सपोर्ट देगा। बाद में पुस्तक छपी और कुछ साल बाद जब वो जमशेदपुर आए तो यूनियन के तत्कालीन अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय की उपस्थिति में मैने उन्हे पुस्तक कर्मवीर भेंट की। काफी खुश हुए और आशीर्वाद दिया। **(डा एम एस सिंह मानस जेएन टाटा की जीवनी-कर्मवीर के लेखक हैं।)**

जुस्को श्रमिक यूनियन ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर। जुस्को श्रमिक यूनियन के प्रांगण में आज अध्यक्ष रघुनाथ पांडे जी एवं सभी पदाधिकारियों एवं समिति सदस्यों ने मिल कर रतन नवल टाटा को भाव पूर्व श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय ने श्री रतन टाटा से अपने जुड़ाव को याद किया और कहा कि श्री टाटा हमेशा कर्मचारी हित के साथ-साथ कंपनी हित और देश हित के बारे में सोचते थे।

ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर। औद्योगिक क्रांति के प्रणेता एवं श्रमिकों के प्रिय युग पुरुष दिवंगत रतन नवल टाटा को ओल्ड पुरुलिया रोड स्थित ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के दफ्तर में सदस्यों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई और गहरा शोक व्यक्त करते हुए बताया गया कि भारत का रतन आज सदैव के लिए हमारे बीच से चला गया। ऐसे अनमोल रतन सदियों तक पैदा नहीं होते। उनका जमशेदपुर से गहरा लगाव था।इस शहर के लिए उन्होंने कई क्षेत्रों में काम कर आम नागरिकों के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवायी। उन्हें जमशेदपुरवासी कभी भी नहीं भूल पाएंगे। एक विनम्र, देशभक्त और ईमानदार उद्योगपति रतन टाटा की श्रद्धांजलि सभा में ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के ट्रस्टी सैयद आसिफ अख्तर मतीन उल हक अंसारी, मुख्तार आलम खान, ख्वाजा गरीब नवाज, मस्जिद के इमाम कारी असलम रब्बानी, सेंट्रल पीस कमेटी के सदस्य मोहम्मद मोइनुद्दीन अंसारी, मास्टर खुर्शीद अहमद खान सिद्दीकी, मासूम खान, रिजवानुज जमां, खास तौर से उपस्थित थे।

जमशेदपुरवासी दुर्गा पूजा की खुशियां भूल रतन एन. टाटा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने पद्म विभूषण श्री रतन एन. टाटा की स्मृति का सम्मान करने के लिए अपने परिचालन स्थानों पर पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया। जमशेदपुर में सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीएफई) को 10 अक्टूबर, 2024 को जनता के लिए खोल दिया गया, जिससे जमशेदपुर के नागरिकों को अपने प्रिय नेता के प्रति सम्मान व्यक्त करने का मौका मिला। टाटा स्टील के कर्मचारी अपना दुख व्यक्त करने और श्री टाटा के जीवन और विरासत का जश्न मनाने के लिए जमशेदपुर वर्क्स के स्टीलेनियम हॉल में एकत्र हुए। टाटा स्टील के सभी परिचालन स्थानों पर एक साथ पुष्पांजलि अर्पित की गई, जहां कर्मचारी कंपनी और राष्ट्र के लिए उनके योगदान का सम्मान करने के लिए एक साथ आए।

टाटा वर्कर्स यूनियन (टीडब्ल्यूयू) ने भी जमशेदपुर में टीडब्ल्यूयू कार्यालय में आयोजित एक विशेष श्रद्धांजलि समारोह में अपना सम्मान व्यक्त किया, जो उस नेता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करता है जो कार्यबल के साथ अपने गहरे संबंधों के लिए प्रशंसित थे।

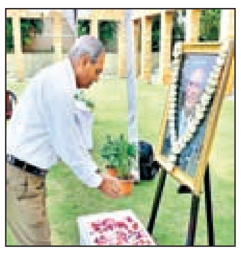

स्व. टाटा को नमन करते वीपी चाणक्य चौधरी। वीपी डीबी सुंदरामम नमन करते हुए। पूर्व वीपी एएम मिश्रा नमन करते हुए।

टाटा स्टील के वेस्ट बोकाटो डिवीजन ने पद्मविभूषम रतन एन टाटा को श्रद्धांजलि दी

जमशेदपुर। पद्मविभूषम रतन एन टाटा के निधन पर आज वेस्ट बोकारो डिवीजन द्वारा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गईक इस अवसर पर क्वेरी एसईबी के लॉन मे एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जहाँ अनुराग दीक्षित, जनरल मैनेजर, वेस्ट बोकारो डिवीजन नें महेश प्रसाद, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन, पी के सिंह, सचिव, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन सहित वेस्ट बोकारो डिवीजन के अधिकारियो, यूनियन पदाधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पद्मविभूषण रतन एन टाटा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सभी नें दो मिनट का मौन भी रखा, साथ ही देश, समाज और मानवता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को याद किया। इसके अलावा, टाटा स्टील फाउंडेशन के कार्यालय परिसर में समुदाय के लिए श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया गया।

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

गम्हरिया। आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी संगठन एसिया परिवार की ओर से ऑटो क्लस्टर सभागार में टाटा ग्रुप के चेयरमैन रतन टाटा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा की गयी। इस श्रद्धांजलि सभा में एसिया परिवार के सदस्यों ने रतन टाटा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। तत्पश्चात दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर उपस्थित ऑटो क्लस्टर के एमडी एसएन ठाकुर ने कहा कि ऐसी शख्सियत का जीवन प्रेरणादायी है। हमें इनसे सीख लेना चाहिए। सादगी और सरलता के साथ देश हित में काम करने वाले स्व रतन टाटा हमारे आदर्श हैं।

टाटा जू में रतन टाटा के सम्मान में आयोजित की गयी श्रद्धांजलि सभा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। गुरुवार को टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (टाटा जू) में टाटा ग्रुप के चेयरमैन एमेरिटस, रतन टाटा (28.12.1937 झ 09.10.2024) के सम्मान में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। रतन टाटा, जिनकी दूरदर्शिता, करुणा और नेतृत्व ने भारतीय उद्योग, समाज और लाखों लोगों के जीवन में अमिट छाप छोड़ी, को इस समारोह में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह समारोह टाटा जू की शांत और प्राकृतिक सुंदरता के बीच आयोजित किया गया, जहां टाटा जू के अधिकारी, सिक्योरिटी के अधिकारियों, और बड़ी संख्या में उपस्थित आगंतुकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत स्थल पर रखे गए रतन टाटा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जहां उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उनकी स्मृति में कुछ क्षणों के लिए मौन रखा गया, जिसके बाद टाटा जू के डिप्टी डायरेक्टर (वेट), डॉ. माणिक पालित ने एक संक्षिप्त भाषण दिया। उन्होंने रतन टाटा के असाधारण जीवन और उनकी महान विरासत को याद किया। विशेष रूप से, उनके परोपकारी कार्यों, समाज सेवा, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान, और भारतीय उद्योग में नवाचार को बढ़ावा देने पर प्रकाश डाला गया।

हमें रतन टाटा के दिखाए गए रास्ते पर चलना होगा : हरि सिंह राजपूत

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में कार्य करने वाले और समाजिक संस्था वॉइस ऑफ ह्यूमैनिटी के संस्थापक हरि सिंह राजपूत ने अपना गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा की रतन टाटा एक दूरदर्शी लीडर थे जिन्हे जमशेदपुर से एक विशेष लगाव रहा है,जीवन को बेहतर बनाने के समर्पण ने भारत और दुनिया पर एक अमिट छाप छोड़ी। जमशेदपुर में स्थापना दिवस के अवसर पर मुझे कई बार उनसे मिलने का सौभाग्य मिला और मैं हमेशा उनके उद्देश्य और मानवता की सेवा की दृढ़ भावना से प्रभावित रहा हूं जिस वजह से मैंने भी समाजसेवा की शुरुआत की थी और अब तक करते आ रहा हूं,आम हो या खास सभी से उनका विनम्र स्वभाव सभी के लिए उनसे सीखने की चीज है।

टाटा स्टील के एफएएमडी ने रतन एन टाटा के सम्मान में की श्रद्धांजलि सभा

खबर मन्त्र ब्यूरो

भुवनेश्वर/जमशेदपुर। भारत के सबसे सम्मानित उद्योगपतियों में से एक, पद्म विभूषण रतन एन. टाटा के सम्मान में, टाटा स्टील के फेरो अलॉयज और मिनरल्स डिवीजन (एफएएमडी) ने गुरुवार को एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। रतन टाटा, जिनका 9 अक्टूबर 2024 को निधन हो गया, यह सभा उनके योगदानों और अद्वितीय विरासत के सम्मान में आयोजित की गई थी।

इस श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन टाटा स्टील के फेरो अलॉयज और मिनरल्स डिवीजन (एफएएमडी) के ओडिशा और पश्चिम बंगाल स्थित सभी परिचालन स्थानों पर किया गया। भुवनेश्वर स्थित एफएएमडी के मुख्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में, पंकज सतीजा (एग्जीक्यूटिव इंचार्ज, एफएएमडी), प्रणव कुमार झा (चीफ फाइनेंसियल कंट्रोलर), बी डी नंदा (चीफ ऑपरेशन्स (फेरो अलॉयज प्लांट जाजपुर, फेरो अलॉयज प्लांट गोपालपुर, फेरो अलॉयज प्लांट अथागढ़ और स्टेनलेस स्टील प्लांट बिष्णुपुर), अमित चौबे (चीफ लॉजिस्टिक्स ऑफिसर) और एफएएमडी के अन्य अधिकारियों ने रतन एन. टाटा को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसी तरह की श्रद्धांजलि सभाएं डिवीजन के अन्य सभी स्थानों पर भी आयोजित की गईं, जहां संबंधित हेड, कर्मचारियों और श्रमिकों ने रतन टाटा के राष्ट्र के प्रति उनके महान योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रतन टाटा, जो टाटा सन्स के चेयरमैन एमेरिटस के रूप में पहचाने जाते थे, केवल एक दूरदर्शी उद्योगपति ही नहीं, बल्कि एक महान परोपकारी भी थे, जिनकी सोच और कार्यों का प्रभाव कॉर्पोरेट जगत से बहुत आगे तक महसूस किया गया।

नोवामुंडी माइंस का निरीक्षण करते हुए रतन टाटा। उनके साथ हैं टाटा स्टील के वर्तमान वीपी डीबी सुंदरामम व पंकज सतीजा और एफएएमडी की टीम ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि।

जिला कांग्रेस कमेटी ने भारत रत्न रतन टाटा जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में भारत रत्न रतन टाटा के निधन हो जाने पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित किया। जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित किया, साथ ही यह भी कहा कि वर्तमान युग में भारत रत्न रतन टाटा जी के अद्वितीय देश प्रेम एवं उद्योग जगत को दी गई प्रेरणा एवं देन को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। हम उन्हें हमेशा अपने दिल में बसाए रहेंगे।

अब पर्यटन के क्षेत्र में भी गढ़वा का लहराएगा परचम, मिलेगी नई पहचान : मंत्री मिथिलेश

- डेढ़ दर्जन पर्यटन स्थल हुए सूचीबद्ध
- मां गढ़देवी एवं अन्नराज डैम बी श्रेणी में उत्क्रमित

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। जिले में विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे ऐतिहासिक विकास कार्यों के बाद गढ़वा अब पर्यटन के क्षेत्र में भी परचम लहराएगा। गढ़वा में बिजली, सड़क, चिकित्सा, शिक्षा, खेलकूद आदि सहित अन्य सभी मूलभूत सुविधा उपलब्ध होने के बाद अब पर्यटन के क्षेत्र में भी नई पहचान बनाने की ओर तेजी से अग्रसर है। जिले के दो पर्यटन स्थलों को बी श्रेणी में अपग्रेड कर दिया गया है। जबकि लगभग डेढ़ दर्जन पर्यटन स्थल को पर्यटन विभाग की डी श्रेणी में सूचीबद्ध कर लिया गया है।

जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि गढ़वा का अन्नराज डैम पर्यटन विभाग की डी श्रेणी से अपग्रेड कर बी श्रेणी में तथा मां गढ़देवी मंदिर को सी श्रेणी से अपग्रेड कर बी श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। जबकि बाबा ब्रह्मस्थान खजूरी लगमा, चिरका डैम चिनियां, रामलला मंदिर गढ़वा, बंडा पहाड़, शिव मंदिर भवनाथपुर, सरुवत पहाड़ बड़गड़, राजा पहाड़ी शिव मंदिर श्री बंशीधर नगर, गोसाईं बाग मैदान नगर ऊंटरी, चटनिया डैम केतार, मथुरा बांध गढ़वा, सतबहिनी जलप्रपात, जिरूवा डैम, रक्सौल बाबा जाटा, गरदाहा मठ तथा दिगंबर अखाड़ा सोनपुरवा को पर्यटन विभाग की सूची में डी श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गढ़वा जिले को दशहरा का बहुत बड़ा तोहफा मिला है। अब पर्यटन के क्षेत्र में भी गढ़वा को नई पहचान मिलेगी। जिले के लगभग सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों को पर्यटन विभाग की सूची में शामिल कर दिया गया है। जिले में पर्यटन के क्षेत्र में काफी तेजी से विकास होगा। इन सभी पर्यटन स्थलों का विकास सरकार करेगी। पर्यटन स्थलों को विकसित होने से यहां रोजगार के साधन भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में पर्यटन स्थल विकसित होते हैं वहां प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के कई अवसर भी पैदा होते हैं। अब गढ़वा विकास के मामले में नंबर वन जिला बनने में कहीं से भी पीछे नहीं रहेगा।

अन्नराज डैम में बोटिंग करते मंत्री।

खबर एक नजर में

वज्रगृह एवं मतगणना हॉल के चयन के लिए स्थल निरीक्षण

गढ़वा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शेखर जमुआर व एसपी दीपक कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रस्तावित स्थानीय बाजार समिति गढ़वा के विभिन्न भवन, हॉल का भौतिक निरीक्षण किया। स्थल निरीक्षण के उपरांत बाजार समिति गढ़वा के हॉल के विभिन्न कमरों को आगामी विधानसभा आम चुनाव के लिए वज्रगृह व मतगणना हॉल के रूप में चिन्हित किया गया। साथ ही कम्युनिकेशन सेंटर एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों को बैठने की व्यवस्था आदि के लिए भी स्थल चयनित किया गया। बाजार समिति गढ़वा के निरीक्षण के उपरांत जिला नियंत्रण कक्ष एवं श्री कृष्ण सिंह अनुमंडलीय पुस्तकालय का भी निरीक्षण कर अद्यतन जानकारी से अवगत होने का कार्य किया गया। मौके पर डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, गढ़वा एसडीओ संजय कुमार, श्री बंशीधर नगर एसडीओ प्रभाकर मिर्धा, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता भवन प्रमंडल तथा ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रख्यात उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर मुख्यमंत्री ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रख्यात उद्योगपति एवं टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन पद्म विभूषण रतन टाटा के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वैश्विक स्तर पर विस्तार किया। उन्होंने न केवल भारतीय उद्योग जगत में अहम योगदान दिया, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की सेवा में भी अपना जीवन समर्पित किया। उनकी विरासत सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से उन्हें वर्ष 2000 में पद्म भूषण एवं 2008 में पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उनके निधन से औद्योगिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

भाजपा विधायक पति से 25 हजार की ठगी

नवादा। जिले में वारिसलीगंज इलाके के लोगों को ठगी का शिकार बनाने में के लिए नया स्कैम चल रहा है। जिसका शिकार वारिसलीगंज भाजपा विधायक पति सह पूर्व जिला पार्षद अखिलेश सिंह भी हो चुके हैं। इसकी सूचना गुरुवार को थाने में देखकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस बाबत अखिलेश सिंह के द्वारा वारिसलीगंज थाना में लिखित आवेदन दिया गया है। ठग शिकार बनाने वाले व्यक्ति को उसके ही किसी रिश्तेदार की आवाज में किसी बीमारी के इमरजेंसी का हवाला देते हुए राशि की ठगी की गई है। इस बाबत विधायक अरुणा देवी के प्रतिनिधि शैलेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि विधायक पति अखिलेश सिंह के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। जो उनके एक रिश्तेदार की आवाज में बोल रहा था। फोन करने वाला व्यक्ति ने रिश्ते में भाई होने की बात करते हुए कहा कि मां अस्पताल में भर्ती है। इसके इलाज के लिए 50 हजार की तत्काल आवश्यकता है। अपने रिश्तेदार की परेशानी समझ कर विधायक पति ने कहा कि अभी तत्काल 25 हजार पॉकेट में है। कहो तो भेज दें। इस पर ठग ने एक स्कैनर भेज दिया और राशि भेज देने का आग्रह किया। जिस पर विधायक पति ने उक्त स्कैनर पर 25 हजार रुपये भेज दिया। कुछ देर बाद ठगी का शिकार होने के आशंका के बाद संबंधित रिश्तेदार के घर फोन किया गया। तब पता चला कि उसकी मां का तो पांच साल पहले निधन हो चुका है। विधायक पति द्वारा स्थानीय थाना में अज्ञात ठगों के विरुद्ध कार्रवाई करने को लेकर आवेदन दिया गया है।

सार्वजनिक कला समिति ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

उद्घाटन मौके पर उपस्थित लोग।

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 स्थित लोहरपुरवा गांव में सार्वजनिक कला पूजा समिति के तत्वावधान में आयोजित नाट्य कला का उद्घाटन राधा कृष्ण मंदिर के बाल पुजारी श्री श्री 1008 श्री बाबा केशव नारायण दास एवं निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सार्वजनिक कला पूजा समिति के द्वारा आयोजित मौरध्वज नाटक का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपनी अपनी भूमिका का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दर्शक एवं श्रद्धालुओं को मंत्र मुक्त किया। इस दौरान मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा भी नाटक मंचन का लुत्फ उठाते देखा गया। हजारों की संख्या में उपस्थित महिला पुरुष एवं बच्चों ने नाटक का जमकर लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रो महेंद्र प्रसाद ने किया। जबकि निर्देशक के रूप में संगम शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उद्घाटन के पश्चात सार्वजनिक कला पूजा समिति के सदस्यों ने श्री श्री 1008 श्री बाबा कृष्ण नारायण दास एवं नगर पंचायत की निवर्तमान अध्यक्ष सुमित्रा देवी को शॉल देकर सम्मानित किया। मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी ने कहीं की हिंदुओं महान त्योहारो में विजयदशमी का महत्वपूर्ण स्थान है। साथ ही उन्होंने असत्य पर सत्य का विजय का प्रतीक विजयादशमी दशहरा को आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के अपील की है। इसके अलावा सार्वजनिक कला पूजा समिति के सदस्यों के द्वारा नवमी के दिन महाभंडारे का भी आयोजन किया गया।

बाढ़ प्रभावित 18 जिलों के 3.21 लाख परिवारों के खाते में 225 करोड़ रुपये का किया अंतरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज राज्य के 18 जिलों में द्वितीय चरण में आई बाढ़ से प्रभावित 3.21 लाख परिवारों को डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में सात हजार रुपये प्रति परिवार की दर से 225.25 करोड़ रुपये की राहत राशि का अंतरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। नीतीश कुमार ने कहा कि सरकार में आने के बाद से आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए हम लोग लगातार तत्पर रहते हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों की जो फसल क्षति हुई है, उसकी राशि दीपावली के पूर्व अवश्य उपलब्ध करा दें। किसानों को सभी प्रकार की सुविधायें देने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। बाढ़ के दौरान जिन किसानों की फसल क्षतिग्रस्त हुई है, उसमें कोई छूटे नहीं, सभी प्रभावित परिवारों को राशि अवश्य मिल जाए। कृषि विभाग इसके लिए तेजी से काम करे। मौके पर आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त सचिव साहिला ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी कि द्वितीय चरण में बिहार के 18 जिले प्रभावित हुए हैं। बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ बाढ़ आपदा प्रबंधन मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप सभी कार्रवाई की गयी है और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। समीक्षा के दौरान कृषि विभाग के विशेष सचिव वीरेन्द्र प्रसाद यादव ने बताया कि प्रथम चरण में आई बाढ़ से 16 जिले का कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है। दूसरे चरण में आई बाढ़ के कारण 16 जिलों का कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जिससे किसानों की फसल क्षतिग्रस्त हुई है। प्रथम चरण के लिए फसल क्षति के रूप में 229 करोड़ तथा द्वितीय चरण के लिए 261 करोड़ रुपये का आकलन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के लिए फसल क्षति की 229 करोड़ रुपये की राशि विभाग को प्राप्त हो गयी है।

स्पीड न्यूज

बंदरो ने 10 वर्षीय किशोर को काट-काट कर किया जख्मी

पश्चिम चंपारण। वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल दो के वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र से सटे रिहायशी क्षेत्रों में जंगली बंदरों का आतंक काफी बढ़ चला है। ग्रामीणों के मुताबिक आये दिन जंगली बंदर किसी न किसी ग्रामीण पर हमला कर जख्मी कर रहे हैं। खाने पीने की वस्तुओं के साथ फसल और कपड़ों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसी क्रम में वाल्मीकि नगर थाना क्षेत्र के टंकी बजार निवासी सम्मान गुप्ता, उम्र लगभग 10 वर्ष, पिता सुमन गुप्ता अपने घर के छत पर खेल रहा था, तब तक जंगली बंदरों के झुंड ने अचानक उस किशोर पर हमला बोल काट-काट कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। आनन-फानन में परिजनों ने जख्मी किशोर को वाल्मीकि नगर स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गये, जहां डॉ सीमा गिरी द्वारा जख्मी किशोर का प्राथमिक उपचार किया गया।

रतन टाटा को भारत रत्न दिए जाने की मांग

अररिया। कांग्रेस प्रवक्ता सुमन कुमार मल्लिक ने उद्योगपति और टाटा संस के चेयरमैन रतन नवल टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग की। मल्लिक ने कहा की उनके असामयिक निधन से केवल भारतीय उद्योग को ही नहीं बल्कि पूरे देश को गहरा सदमा हुआ है। श्री मल्लिक ने कहा की उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के लोगों के बेहतरी के लिए समर्पित किया था। उन्होंने कहा की मानवता को सबसे बड़ी दौलत मानने वाले स्व. रतन टाटा जी समस्त देशवासियों के हृदय में सदैव जीवित रहेंगे और उनके निधन से देश के उद्योगजगत के एक युग का अंत हो गया। मल्लिक ने कहा की स्व. टाटा देश के हितों को प्राथमिकता देने वाले एकमात्र उद्योगपति थे।

उमवि मझिआंव में 43 छात्राओं के बीच साइकिल वितरण

मझिआंव। स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता पूर्ण सुधार एवं विद्यालय में बच्चों के ठहराव को लेकर सरकार के द्वारा अनेकों प्रयास किया जा रहा है। उसी कड़ी में कल्याण विभाग के द्वारा उत्क्रमित उच्च विद्यालय मझिआंव के कक्षा 9वीं में अध्ययनरत 43 छात्राओं में से उपस्थित 38 छात्राओं के बीच जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र कुमार सिंह, कल्याण पदाधिकारी श्रीकांत उपाध्याय, शिक्षक विनोदानंद त्रिपाठी एवं मुदस्सर खान की उपस्थिति में साईकिल का वितरण किया। वितरण मे उत्क्रमित उच्च विद्यालय के कुल 38 छात्राओं में 10 छात्राएं अनुसूचित जाति, 25 छात्राएं पिछड़ा वर्ग की तथा शेष 3 छात्राएं अल्पसंख्यक वर्ग से थी। गौरतलब हो कि इसके पूर्व उपरोक्त विद्यालय के नवीं कक्षा में अध्ययनरत लगभग 200 से अधिक छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया जा चुका था। शेष बचे हुए छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया है।

सर्पदंश से अधेड़ की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

धुरकी। थाना क्षेत्र अंतर्गत गनियारी कला गांव निवासी स्व. केशा सिंह के 52 वर्षीय पुत्र शिवकुमार सिंह की मौत सर्प के काटने से हो गई। घटना बुधवार की है। परिजनों के अनुसार मृतक प्रतिदिन के अनुसार जंगल में अपने भैंस चराने गया था, तभी अचानक झाड़ी से निकलकर सर्प ने डंस लिया। सर्प के काटने से शिवकुमार सिंह घायल हो गया। उसे शाम को घर लाने के पश्चात झाड़ फूंक कराया गया। सुबह अस्पताल जाने से पूर्व उसकी मौत हो गई। मृतक के घर मुखिया शंभू प्रसाद गुप्ता, उपमुखिया प्रतिनिधि तौसिफ अंसारी, अरुण सिंह, मकबुल अंसारी, दशरथ सिंह, चिंतामण सिंह, रूयाज अंसारी, श्ररवर आलम आदि ने परिजनों से मिलकर ढ़ाढस बंधाया। घटना की खबर मिलने पर बीडीओ सह सीओ जुल्फिकार अंसारी ने संवेदना व्यक्त की। साथ ही कहा कि सरकारी प्रावधान के तहत जो भी सहायता राशि है उसे हर संभव दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

मृतक के घर उपस्थित लोग।

अवैध बालू लोड करते ट्रैक्टर को पुलिस ने किया जप्त

खबर मन्त्र संवाददाता

कांडी। पुलिस ने गुरुवार सुबह कोयल नदी से अवैध बालू लोड करती दो ट्रैक्टर के खिलाफ छापामारी अभियान चलाकर जप्त करने में सफल रही। थाना प्रभारी गुलशन कुमार गौतम ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमारी की कार्रवाई की, तो देखा कि कोयल नदी में दो ट्रैक्टर में बालू लोड किया जा रहा है। पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक गाड़ी लेकर भागने लगे, लेकिन ट्रैक्टर बालू में फंस जाने के कारण सभी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने जेसीबी के माध्यम से निकलना चाह लेकिन जेसीबी ट्रैक्टर तक नहीं पहुंच पाई। वहीं पुलिस बल ने बालू में फंसी ट्रैक्टर को काफी मसक्कत के बाद मात्र एक ट्रैक्टर को कोयल नदी से बाहर निकाल पाने में सफल रही। जबकि एक ट्रैक्टर कोयल नदी में ही फंसी रही। वह नहीं निकल सकी। पुलिस ने एक ट्रैक्टर को जप्त कर थाना ले गयी। घटना स्थल पर हंगामा की आशंका को देखते हुए मझिआंव थाना पुलिस को भी बुलाना पड़ा। मझिआंव थाना प्रभारी आकाश कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर मौजूद रहे। थाना प्रभारी गुलशन कुमार गौतम ने बताया कि इस मामले में अपने वरीय पदाधिकारी से मंतव्य लिया जा रहा है। आदेश के अनुसार जब्त वाहनों पर एफआईआर दर्ज करने की आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जप्त करती पुलिस।

भाजपा नेता ने किया भक्ति नाटक का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी ने मुखदेव +2 उच्च विद्यालय के समीप शिव मंदिर के मैदान में दुगार्पूजा पंडाल में स्थित भक्ति नाटक का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री चंद्रवंशी ने कहा कि दुर्गा पूजा मुख्यतः असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। उन्होंने भक्ति पूर्ण नाट्यमंचन करने वाले कलाकारों को बधाई का पात्र बताया, और सभी को आपसी भेदभाव भुलाकर शांतिपूर्ण तरीके से भाईचारे के साथ दुर्गा पूजा मनाने की अपील की। साथ ही पूजा समिति को भी इतने बड़े सफल कार्यक्रम कराने के लिए बधाई दीं। कहा कि ऊंचरी, रपुरा, सकरकोनी, करमडीह आदि चार गांवों का यह संयुक्त दुर्गा पूजा कार्यक्रम एकता और आपसी भाईचारा का मिसाल पेश कर रहा है जो तारीफे काबिल है। इस कार्यक्रम के बाद श्री चंद्रवंशी ने बरडीहा प्रखंड के सभी पंचायतों में स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में भी जाकर पूजा अर्चना की और क्षेत्र की खुशहाली के लिए माँ दुर्गा से प्रार्थना की। मौके पर मझिआंव मंडल अध्यक्ष दीपक चैहान, नगर पंचायत के मंडल अध्यक्ष पवन कुमार, भगवान तिवारी, पूजा कमिटी के अध्यक्ष सुनील चैहान, सचिव अनुज कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष रूपेश पासवान, कोषाध्यक्ष सरयू राम, कृष्णा ठाकुर, राहुल पांडेय, बरडीहा मंडल अध्यक्ष संजय यादव, विनय यादव, महेन्द्र यादव, सुदामा चैधरी सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

उद्घाटन करते भाजपा नेता।

पट खुलते ही भक्तों की उमड़ी भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

मझिआंव। नगर पंचायत व बाजार क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में माता रानी के पट खुलते ही भक्तों की भीड़ लगने लगी। क्षेत्र में एक से बढ़कर एक पूजा पंडाल बनाया गया है। वहीं मुख्य बाजार स्थित यंग स्टार क्लब पूजा समिति द्वारा कोलकाता से पंडाल कलाकार बुलाकर पंडाल बनाया गया है जिसे देखने के लिए दुर दुर से आ रहे हैं। कमेटी के अध्यक्ष नीरज कमलापुरी ने बताया कि कोलकाता के आए कलाकारों के द्वारा पंडाल को बनाया गया है जो बेहद और आकर्षक है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पूजा पंडाल में पहुंचकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करें। इसी तरह ब्लॉक रोड स्थित शिव शक्ति संघ पूजा पंडाल, चंद्रवंशी टोला स्थित नवदीप संग पूजा पंडाल, मझिआंव खुर्द स्थित जय भवानी संघ पूजा पंडाल भी आकर्षक एवं मनमोहक बनाया गया है।

यंग स्टार क्लब का पूजा पंडाल।

पट खुलते ही दर्शन को लेकर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

माता रानी के दर्शन करते श्रद्धालु।

खबर मन्त्र संवाददाता

सगमा। प्रखंड अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों व पूजा पंडालों में महासप्तमी को माता रानी का पट खुलने से दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बुधवार की रात्रि को मां भगवती की सप्तम रूप कालरात्रि की विधिवत्त पूजा अर्चना की गई। मंदिर व पूजा पंडालों में वैदिक मंत्रोच्चार व दुर्गा सप्तशती की पाठ से भक्ति पूर्ण माहौल बना रहा। मां दुर्गा की खोईच्छा भरने के लिए महिला श्रद्धालुओं के बीच होड़ मची रही। बताते चलें कि ग्राम शारदा में पंडित सतीश पाण्डेय के मंत्रों उच्चारण से पूजा पंडाल गुंजते रहे। बुधवार को भक्तों ने माता के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा की। प्रखंड के सभी पूजा पंडालों में झामुमो नेता सह विधायक प्रत्यासी छोटे राजा के पुत्र अभिमन्यु सिंह उर्फ मन्नू बाबा ने नगद राशि देकर मां से अपनी मनोकामना को पूरा करने की भीख मांगी। इसके बाद मुगलसराय से आए रामलीला कलाकार को उपहार में राशि दे कर आशीर्वाद लिया। प्रखंड क्षेत्र सगमा, कटहर कला, शारदा, पुतूर बीरबल, सोनडीहा, बैलिया, मकरी, घघरी, झुनका सोनडीहा, दुसैया में स्थापित पूजा पंडाल का पट खुलने के बाद माता दुर्गा भवानी की पूजा के लिए सभी पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडी। मौके पर दुर्गा पूजा समिति के अधक्ष्य राजू रंजन कुमार, झामुमो नेता मुक्तेश्वर पाण्डेय, महेंद्र बैठा, संध्या देवी, राकेश पाण्डेय, गणेशी बैठा, स्वदेश कुमार आदि उपस्थित थे।

दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बची इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस

एजेंसी

पटना। रेलगाड़ी संख्या 18623 इस्लामपुर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन बीती देर रात करीब 12.15 बजे पटना-गया रेलखंड के बेलागंज-नेयामतपुर रेलवे स्टेशन के बीच पिलर संख्या 75/05 के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई। इस संबंध में जहानाबाद रेल थाना अध्यक्ष दीप नारायण यादव ने बताया कि बुधवार की देर रात करीब सवा बारह बजे यह घटना हुई है। उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों द्वारा रेल पटरी में बिछाये गये सीमेंट ब्लॉक्स स्लीपर को उठाकर रेल लाइन पर रख दिया गया था। हालांकि, ड्राइवर ने उसे देख लिया और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका लेकिन ट्रेन रुकते-रुकते इंजन स्लीपर में जा टकराया। इस दौरान रेल यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई।

थानाध्यक्ष ने बताया कि रेल पटरी से स्लीपर हटाकर रेल परिचालन शुरू कराया गया। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ स्थानीय थाना बेलागंज में एफआईआर दर्ज कराई गई गयी है। इधर, घटना की छानबीन करते हुए रेल पुलिस की टीम भी लगातार छापेमारी कर रही है।

रतन टाटा को था बिहार से गहरा लगाव, तीन बार आये थे पटना

बिहार के सियासी दिग्गजों ने रतन टाटा के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

पटना। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमेन सह भारतीय उद्योग जगत के महामानव माने जाने वाले पद्म विभूषण रतन टाटा का निधन बीती रात हो गया। मुंबई के अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली। स्वर्गीय रतन टाटा का पटना से भी गहरा रिश्ता था। यह रिश्ता उनके दादा रतन जी टाटा के समय था। रतन टाटा तीन बार पटना आए थे।

सीएम नीतीश के साथ हुई थी बैठक

राष्ट्रीय निवेश आयोग के अध्यक्ष के रूप में सितंबर 2006 में वो पटना आए थे। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार के साथ 4 घंटे तक बैठक चली थी। टाटा ने कहा था कि आयोग बिहार की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। उस समय टाटा ने बताया था कि पटना की उनकी आखिरी यात्रा 30 साल पहले की थी। जब वह जमशेदपुर में केस लड़ने के सिलसिले में आए थे। वह केस उन्होंने जीत लिया था।

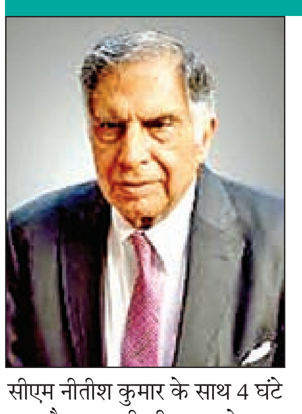

दादा के समय से बताया था पटना से रिश्ता

उन्होंने बताया था कि पटना से मेरा रिश्ता हमसे ही नहीं मेरे दादा के वक्त से है। रतन जी टाटा ने सन 1912-13 में पाटलिपुत्र को खोजने के लिए आर्थिक मदद का जिम्मा उठाया था। पुरातत्व महानिदेशक से राय विचार करने के बाद रतन जी टाटा ने यह वादा किया कि वह इस खोज के लिए हर साल 20000 की सहयोग राशि देंगे। इसी अभियान के तहत कुम्हरार में हुई खुदाई में महान सम्राट अशोक के सभा भवन के खंभे मिले थे।

उनके इसी सहयोग के कारण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को पाटलिपुत्र की खोज करने में मदद मिली। सर रतन जी टाटा ने इस खोज के लिए 75000 रुपए का योगदान दिया था। बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने बताया कि लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में रतन टाटा जमशेदपुर से पटना आए थे। उनके साथ जेजे ईरानी जी साथ में आए थे। चेंबर की ओर से 5-6 सदस्य उनके स्वागत में पटना एयरपोर्ट गए थे।

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि एयरपोर्ट पर हवाई जहाज के विंडो से जेजे ईरानी ने मजाकिया लहजे में कहा था रतन टाटा नहीं आए हैं। लेकिन चंद मिनट बाद रतन टाटा हवाई जहाज से बाहर निकले। जिस हवाई जहाज से रतन टाटा उतरे थे वह सामान्य से छोटा था। हवाई अड्डा से वे सीधे सीएम हाउस चले गए। पीके अग्रवाल ने बताया कि जेजे ईरानी चेंबर के विशेष बैठक में भाग लेने आते थे।

देश और समाज के प्रति समर्पित थे रतन टाटा

नमक से लेकर एयरलाइंस तक में भारत को बनाया आत्मनिर्भर

एक जुलाई को मुंबई में किया था एनिमल हॉस्पिटल का शुभारंभ

एजेंसी

नयी दिल्ली । टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा ने नमक से लेकर एयरलाइंस तक में भारत को आत्मनिर्भर बनाया। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव कूट-कूट कर भरा था। टाटा ने अपने इन पोस्ट में देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को अत्यधिक गंभीरता से प्रस्तुत किया।

रतन टाटा जब इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे, तब भी वह लोगों के बारे में सोच रहे थे, ऐसा उनके एक्स पोस्ट से साबित होता है। उन्होंने एक्स पर अपने अंतिम पोस्ट में लिखा था कि मैं अपने स्वास्थ्य के बारे में हाल ही में फैली अफवाहों से अवगत हूं और सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं। मैं वर्तमान में अपनी उम्र और संबंधित चिकित्सा स्थितियों के कारण चिकित्सकीय जांच करवा रहा हूं। चिंता का कोई कारण नहीं है। मैं अच्छे मूड में हूं और अनुरोध करता हूं कि जनता और मीडिया गलत सूचना फैलाने से बचें। बेजुबानों को लेकर भी रतन टाटा फिक्रमंद रहते थे। यही वजह है कि टाटा ट्रस्ट स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल खोला गया। 1 जुलाई को उद्योगपति रतन टाटा ने मुंबई में अपनी पसंदीदा परियोजना टाटा ट्रस्ट स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल का शुभारंभ किया। अस्पताल के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर इस रोमांचक खबर को साझा किया गया था।रतन टाटा देशवासियों को समय-समय पर अपनी जिम्मेदारी का भी अहसास कराते रहते थे।

लोकसभा चुनाव के दौरान मुंबईवासियों से अपील की कि लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल हों। 18 मई के एक्स पोस्ट में लिखा था कि सोमवार को मुंबई में मतदान का दिन है। मैं सभी मुंबई वासियों से आग्रह करता हूं कि वे घर से बाहर निकलें और जिम्मेदारी से मतदान करें। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कैंसर से लड़ाई में असम सरकार के साथ साझेदारी का जिक्र किया था। लिखा था कि असम में किए जा रहे निवेश से कैंसर के जटिल उपचार में राज्य में बदलाव आएगा।

यह नया विकास असम को वैश्विक मानचित्र पर लाएगा। हम असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा को उनके समर्थन और दूरदर्शिता के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं, जिसकी बदौलत यह सब संभव हो पाया है। एक अन्य पोस्ट में जानवरों के प्रति उनका असीम प्रेम देखने को मिला। बेजुबान की तस्वीर शेयर कर लिखा कि अब जबकि मानसून आ गया है, बहुत सी आवारा बिल्लियां और कुत्ते हमारी कारों के नीचे शरण लेते हैं। आवारा जानवरों को चोट लगने से बचाने के लिए, कार को चालू करने और तेज करने से पहले उसके नीचे जांच करना जरूरी है।

कोरोना में 1500 करोड़ दिया था दान

कोरोना महामारी के दौरान लोग सड़कों पर भूखे मरने को मजबूर थे, तब रतन टाटा ने आगे आकर लोगों की मदद की और 1500 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस मुश्किल समय में वह अपने कर्मचारियों के साथ-साथ पूरे देश के लिए खड़े रहे थे।

जेएलआर खरीद कर लिया था अपमान का बदला

मुंबई। असफलता से सफलता की कहानी लिखना तो कोई रतन टाटा से सीखे। 1999 में टाटा समूह की बड़ी यात्री कार टाटा इंडिका से अपेक्षित लाभ न मिलने पर अपने यात्री वाहन खंड को फोर्ड मोटर्स को बेचने का फैसला करने के बाद, कंपनी के कुछ अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर अपमानित किए जाने से आहत रतन टाटा ने अपनी रणनीति बदली और न केवल सफलता हासिल की बल्कि 2008 में फोर्ड की जेएलआर को खरीद लिया।

टाटा समूह की बड़ी यात्री कार टाटा इंडिका पेश किए जाने के एक वर्ष बाद भी अपेक्षित लाभ नहीं दे रही थी। हताश होकर रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा मोटर्स के शीर्ष अधिकारियों ने फोर्ड मोटर्स के यात्री वाहन खंड को प्रमुख अमेरिकी वाहन विनिर्माता को संभावित रूप से बेचने का अनुरोध स्वीकार कर लिया। कुछ लोगों ने टाटा को कारोबार बेचने की सलाह दी थी और फोर्ड के अधिकारी बातचीत करने के लिए बॉम्बे हाउस पहुंचे थे। टाटा मुख्यालय में हुई बैठक के दौरान अमेरिकी कंपनी ने कारोबार खरीदने में रुचि दिखाई। इसके बाद रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा के शीर्ष अधिकारी बैठक के लिए अमेरिका पहुंच गए, जो करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में उपस्थित एक व्यक्ति के अनुसार, फोर्ड के अधिकारियों ने डेट्रॉयट की बैठक में आए भारतीयों को अपमानित किया। फोर्ड के अधिकारियों ने अपने मेहमानों से कहा कि आपको कुछ भी पता नहीं है, आपने यात्री कार खंड क्यों शुरू किया और भारतीय कंपनी का कारोबार खरीदकर उस पर एहसान करने की बात कही। सौदा टूट गया। इस शर्मनाक अनुभव ने रतन टाटा को अपने लक्ष्यों पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इकाई को न बेचने का फैसला किया। दल ने बैठक के तुरंत बाद भारत लौटने का फैसला किया, जिसे वहां मौजूद व्यक्ति ने अपमानजनक बताया। न्यूयॉर्क लौटते समय 90 मिनट की उड़ान में उदास रतन टाटा कुछ ही शब्द बोले। पूरे समय वह चुप से थे। समूह के सदस्य प्रवीण काडले ने कुछ वर्ष पहले कहा था कि यह 1999 की बात है और 2008 में फोर्ड की उसी जेएलआर को हमने खरीद लिया।

बारिश में भींगते परिवार को देख बना दी लखटकिया कार

मुंबई। रतन टाटा की दूरदर्शी सोच और समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता का सबसे बड़ा उदाहरण नैनो कार है। इसका विचार उन्हें तब आया जब एक दिन उन्होंने बारिश में एक बाइक पर भीगते हुए पूरे परिवार को सफर करते देखा। उस पल ने रतन टाटा को झकझोर दिया, और उन्होंने सोचा कि ऐसे परिवारों के लिए एक सुरक्षित, किफायती और चार पहियों वाली गाड़ी होनी चाहिए। यहीं से नैनो का विचार जन्मा– दुनिया की सबसे किफायती कार, जो उन लाखों परिवारों के लिए बनाई गई थी जो बाइक पर सफर करने को मजबूर थे। रतन टाटा का यह कदम उनके समाज के प्रति समर्पण और हर वर्ग को सशक्त बनाने की उनकी सोच का प्रतीक है। रतन टाटा ने इंजीनियर्स को बुलाया और 1 लाख रुपए में कार

तैयार करने के कहा। साल 2008 में मिडिल क्लास को ध्यान में रखते हुए टाटा नैनो लॉन्च की। ये भारतीय कार इतिहास की अब तक की सबसे सस्ती कारों में से एक है। हालांकि लोगों को ये कार ज्यादा पसंद नहीं आई और साल 2020 में इसका प्रोडक्शन बंद करना पड़ा। रतन टाटा मार्च 1991 से 28 दिसंबर 2012 तक टाटा समूह के अध्यक्ष रहे। उसके बाद 2016-2017 तक एक बार फिर उन्होंने समूह की कमान संभाली। उसके बाद से वह समूह के मानद चेयरमैन की भूमिका में आ गये थे।

वो कह रहे हैं तुम चले गये, अलविदा मेरे दोस्त

एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने रतन टाटा के निधन पर बयां किया दर्द

नयी दिल्ली । एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल ने रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक जताया है। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने इसे अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा विश्वास करना मुश्किल। सिमी ग्रेवाल और रतन टाटा की दोस्ती गहरी थी और इसका अंदाजा सिमी के सोशल पोस्ट से हो जाता है। कम शब्दों में उन्होंने दिल का दर्द जाहिर कर दिया है। लिखा है, वो कह रहे हैं तुम नहीं रहे...विश्वास करना मुश्किल है...बहुत मुश्किल, अलविदा में दोस्त रतन टाटा। हिंदी सिने जगत की ग्लैमरस एक्ट्रेस रही सिमी ग्रेवाल का एक टॉक शो काफी मशहूर रहा। इसमें इन्होंने नामचीन शख्सियतों संग बातचीत की थी। इन्हीं में से एक रतन टाटा थे। जिन्होंने शो में कहा था कि हां वो अकेलापन महसूस करते हैं। ग्रेवाल ने रतन टाटा से पूछा था कि उन्होंने कभी शादी क्यों नहीं की? तब रतन टाटा ने कहा था कि बहुत सारी चीजें एक साथ घटी, जिन्होंने मुझे शादी करने से रोक दिया। टाइमिंग नहीं सही थी और फिर काम में इतना व्यस्त हो गया कि टाइम ही नहीं रहा। इसी शो में उन्होंने माना था कि उन्हें चार बार ऐसा लगा कि शादी हो जाएगी लेकिन फिर वैसा हो न सका। प्यार अधूरा रह

गया। एक बार किसी उन्होंने लॉस एंजिल्स वाली अधूरी मोहब्बत का भी जिक्र किया था। कहा था, एक कंपनी में काम करने के दौरान लॉस एंजिल्स में प्यार हुआ लेकिन शादी नहीं हो पाई। सब कुछ ठीक था लेकिन तभी अचानक वापस भारत लौटना पड़ा, क्योंकि उनकी दादी की तबीयत बिगड़ गई थी। बकौल रतन टाटा उन्हें लगा था कि जिस महिला को वो प्यार करते हैं वह भी उनके साथ भारत भी आ जाएगी लेकिन फिर, 1962 की भारत-चीन जंग के चलते लड़की माता पिता उसे भारत भेजने के पक्ष में नहीं थे और इस तरह उनका रिश्ता टूट गया।

अरबपतियों की लिस्ट में कभी नहीं आया नाम

मुंबई। रतन टाटा, जिन्हें हंबल बिजनेस टायकून के रूप में जाना जाता था, दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में से एक थे। वे 6 महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में कारोबार कर रहीं 30 कंपनियों का संचालन करते थे लेकिन इसके बावजूद कभी भी दुनिया के शीर्ष अरबपतियों की सूची में उनका नाम नहीं दिखाई दिया। इसका मुख्य कारण टाटा ट्रस्ट के माध्यम से उनके परिवार द्वारा बड़े पैमाने पर किया गया परोपकारी कार्य माना जाता है।

जमशेदजी बना कर गये थे परोपकार के नियम : टाटा परिवार का स्वभाव अपने ही कारोबार में बड़ी हिस्सेदारी नहीं लेने का रहा है। यह परंपरा जमशेदजी टाटा के समय से चली आ रही है, जिन्होंने टाटा संस के मुनाफे का बड़ा हिस्सा टाटा ट्रस्ट को दान करने का सिद्धांत बनाया। इस प्रकार टाटा परिवार परोपकार के कार्यों में बिल गेट्स और अन्य वैश्विक परोपकारियों से भी पहले से अग्रणी रहा है।

मजदूरों के साथ काम करने से सीखी विनम्रता : रतन टाटा ने अपना करियर टाटा समूह में एक साधारण अप्रेंटिस के रूप में शुरू किया था, जहां वे ब्लास्ट फर्नेस के पास दुकान के फर्श पर मजदूरों के साथ काम करते थे। इस अनुभव ने उन्हें जीवनभर के लिए विनम्रता और अनुशासन सिखाया। वे अक्सर कहा करते थे कि यह शुरूआती अनुभव उनके लिए बेहद सार्थक था।

टाटा परिवार की विरासत : जमशेद जी से लेकर रतन टाटा तक

नयी दिल्ली। टाटा ग्रुप, भारत का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित व्यवसायिक समूह, न केवल देश की प्रगति में योगदान देने के लिए जाना जाता है, बल्कि एक समृद्ध पारिवारिक इतिहास के लिए भी प्रसिद्ध है। इस परिवार की नींव जमशेद जी टाटा ने रखी थी, और उनके परपोते रतन टाटा ने इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। र

टाटा साम्राज्य के संस्थापक थे जमशेद जी टाटा: रतन टाटा के परदादा, जमशेद जी टाटा, भारत के पहले उद्यमियों में से एक थे। 1868 में उन्होंने टाटा ग्रुप की स्थापना की और जमशेदपुर शहर का निर्माण कराया। उनकी शादी हीराबाई से हुई थी और उनके दो बेटे थे - डोराभ जी टाटा और रतन जी टाटा।

डोराभ जी टाटा: डोराभ जी टाटा ने पिता जमशेद जी की तरह टाटा ग्रुप का नेतृत्व किया। 1904 से 1928 तक टाटा ग्रुप के चेयरमैन रहे डोराभ जी की शादी मेहरबाई से हुई, कोई संतान नहीं थी। डोराभ जी के नेतृत्व में टाटा ने कई उद्योगों में जगह बनाई।

रतन जी दादा टाटा: रतन जी दादा टाटा, जमशेद जी टाटा के दूसरे बेटे थे। उन्होंने भी टाटा ग्रुप की कमान संभाली। उनकी शादी फ्रांसीसी महिला नवजबाई से हुई। उनके कोई अपने बच्चे नहीं थे, लेकिन उन्होंने नवल टाटा को गोद लिया।

रतन टाटा के पिता नवल टाटा: नवल टाटा, टाटा परिवार की तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने टाटा समूह को एक नई दिशा दी। उनकी पहली शादी सूनी से हुई, जिनसे उनके दो बेटे हुए - रतन टाटा और जिम्मी टाटा। हालांकि, नवल और सूनी का तलाक हो गया था। बाद में नवल ने सिमोन से दूसरी शादी की, जिनसे उनके बेटे नोएल टाटा हुए।

टाटा परिवार की चौथी पीढ़ी रतन टाटा और जिम्मी टाटा: रतन टाटा और जिम्मी टाटा दोनों ही अविवाहित रहे। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप का नेतृत्व किया और इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। उनके सौतेले भाई नोएल टाटा व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। नोएल की शादी आलू मिस्त्री से हुई, उनके तीन बच्चे हैं - नेवाइल, लियाह, व माया टाटा।

नोएल टाटा और अगली पीढ़ी : नोएल के बेटे नेवाइल टाटा ने मनासी किलोस्कर से शादी की, जो कि किर्लोस्कर परिवार की सदस्य हैं। लियाह टाटा ने स्पेन से मास्टर्स की पढ़ाई की और वह भी टाटा परिवार की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। टाटा परिवार की यह समृद्ध विरासत न केवल भारतीय उद्योग को दिशा देने में महत्वपूर्ण रही है, बल्कि उनके सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान भी आज तक प्रेरणा स्त्रोत बने हुए हैं।

नोएल टाटा, विजय सिंह, वेणु श्रीनिवासन, मेहली मिस्त्री व डेरियस खंबाटा बन सकते हैं उत्तराधिकारी

मुंबई। रतन टाटा के निधन के बाद उनका उत्तराधिकारी कौन होगा और टाटा ट्रस्ट की कमान कौन संभालगे, जो कि अरबों डॉलर के टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस का संचालन करती है। रतन टाटा ने किसी भी व्यक्ति को अपना उत्तराधिकारी नहीं बनाया था। ऐसे में अब उनके ट्रस्ट ट्रस्टियों में से ही किसी एक व्यक्ति का अध्यक्ष पद के लिए चुनाव किया जाएगा। टाटा समूह के दो मुख्य ट्रस्ट हैं, जिसमें सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट शामिल हैं। इन दोनों ट्रस्टों के पास संयुक्त रूप से टाटा समूह की प्रवर्तक कंपनी टाटा संस में करीब 52 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस कंपनी के द्वारा टाटा समूह की कंपनियों का संचालन किया जाता है। यह समूह विमानन से लेकर एफएमसीसी तक के पोर्टफोलियो को संभालता है। दोनों ट्रस्टों में कुल 13 ट्रस्टी हैं। इनमें से कुछ लोग दोनों ट्रस्टों में ट्रस्टी की भूमिका निभा रहे हैं, जिसमें रतन टाटा के सौतेले भाई और ट्रेंट के चेयरमैन नोएल टाटा, पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह, ऑटोमोबाइल क्षेत्र के दिग्गज वेणु श्रीनिवासन, व्यवसायी मेहली मिस्त्री और वकील डेरियस खंबाटा के नाम शामिल हैं। टाटा ट्रस्ट के प्रमुख का चुनाव ट्रस्टियों में से बहुमत के आधार पर किया जाता है। फिलहाल विजय सिंह और वेणु श्रीनिवास इन दोनों ट्रस्टों के उपाध्यक्ष हैं, लेकिन इनमें से किसी एक के प्रमुख चुने जाने की संभावना अपेक्षाकृत कम है। 67 साल के नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का प्रमुख बनाए जाने की अधिक संभवाना है। नोएल की नियुक्ति से पारसी समुदाय भी खुश होगा। रतन टाटा पारसी थे।

मध्य गाजा में स्कूल पर इजरायल ने किया हमला, 28 की मौत

काहिरा। मध्य गाजा पट्टी में विस्थापित व्यक्तियों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर गुरुवार अपराह्न इजरायली हवाई हमले में कम से कम 28 फिलिस्तीनी मारे गये और 54 अन्य घायल हो गये। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी (पीआरसीएस) ने कहा कि उसकी टीमों ने दीर अल-बलाह शहर में पीआरसीएस मुख्यालय के पास स्थित राफिदा स्कूल को इजरायली सेना द्वारा निशाना बनाये जाने के बाद हताहतों की मदद की। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि एम्बुलेंस कर्मियों और नागरिक सुरक्षा तंत्र ने बच्चों और महिलाओं सहित कई लोगों के शव बरामद किये, जिनमें से कुछ के शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गये थे।

इस बीच, इजरायली सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि उसने दीर अल-बलाह में राफिदा स्कूल के परिसर में एक कमांड और नियंत्रण केंद्र के अंदर आतंकवादियों को निशाना बनाकर सटीक हमला किया।

आसियान देशों के साथ संबंध ऐतिहासिक : मोदी

राष्ट्रों की एकता और अखंडता को महत्व देता भारत

एजेंसी

वियनतियाने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लाओस पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा कि जब दुनिया के कई हिस्से संघर्ष और तनाव का सामना कर रहे हैं, ऐसे समय में भारत-आसियान की दोस्ती बहुत महत्वपूर्ण है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं। हम राष्ट्रों की एकता और अखंडता को महत्व देते हैं। हम अपने युवाओं को उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने 10 साल पहले एक्ट ईस्ट पॉलिसी की घोषणा की थी और पिछले दशक में इसने भारत और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत-आसियान व्यापार

दोगुना हो गया है और अब यह 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी जिसे एशियाई सदी भी कहा जाता है, वह भारत और आसियान देशों की सदी है।' पीएम मोदी ने कहा कि जन-केंद्रित दृष्टिकोण हमारी डेवेलपमेंट पार्टनरशिप का आधार है। 300 से अधिक आसियान के छात्रों को नालंदा यूनिवर्सिटी में स्कॉलरशिप का लाभ मिला है। नेटवर्क ऑफ यूनिवर्सिटी लॉन्च की गई है।

प्रधानमंत्री ने लाओस में देखी रामलीला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को लाओस रामायण पर आधारित रामलीला के एक अंक का मंचन देखा और सब पर श्रीराम की कृपा का आह्वान किया। यह संयोग है कि मोदी ने लाओस में विजयादशमी का मंचन ऐसे समय देखा जबकि यह उनकी सरकार द्वारा पूर्व के देशों के साथ मिल कर काम करने की लुक ईस्ट पालिसी के 10 वर्ष पूरे हुये हैं और भारत में प्रथम शारदीय नवरात्र के दसवें दिन मनाया जाने वाला दशहरा शनिवार को मनाया जायेगा। श्री मोदी ने लुक ईस्ट पॉलिसी के 10 वर्ष पूरे होने पर भारत की ओर से आसियान के साथ सहयोग की एक 10 सूत्री नयी पहल की भी घोषणा की। मोदी ने लाओस में रामलीला देखने के बाद कहा कि विजयादशमी कुछ ही दिन दूर है और आज लाओस पीडीआर में मैंने लाओ रामायण का एक हिस्सा देखा, जिसमें प्रभु श्री राम की रावण पर विजय को दर्शायागया है।

अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना और रक्षा बलों की निगरानी क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने दो परमाणु पनडुब्बियों के स्वदेशी निर्माण और अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने के प्रमुख सौदों को मंजूरी दे दी है। भारतीय नौसेना को दो परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियां मिलेंगी, जो हिंद महासागर क्षेत्र में नौसेना की क्षमताओं को कई गुना बढ़ाने में मदद करेंगी। विशाखापत्तनम के शिप बिल्डिंग सेंटर में दो पनडुब्बियों के निर्माण का सौदा करीब 45,000 करोड़ रुपये का होगा और इसमें लार्सन एंड टूब्रो जैसी निजी क्षेत्र की कंपनियों की प्रमुख भागीदारी होगी। यह सौदा लंबे समय से अटका हुआ था और भारतीय नौसेना इस पर जोर दे रही थी, क्योंकि यह पानी के भीतर क्षमता की कमी को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। भारत की अपनी पनडुब्बी योजनाओं के हिस्से के रूप में लंबे समय में ऐसी छह नौकाएं रखने की योजना है।